Page 11

खेल

जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं रांची से प्रकाशित

Page 09

देश

शानदार प्रदर्शन : दो बच्चों की मां, मारिया बनीं क्वींस क्लब टेनिस चैंपियन

कमल कौर भाभी के सोशल मीडिया पर लाखों फैन, अंतिम संस्कार में पहुंचे सिर्फ तीन लोग

कृष्ण पक्ष, शतभिषा, विक्रम संवत् 2082

• औरंगाबाद • मंगलवार • 17 जून 2025 • वर्ष 27 • अंक 186 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 1,01,510	₹ 1,09,900

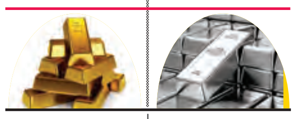

आज का इतिहास

1858 : 1857 के भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की नायिका झांसी की रानी लक्ष्मीबाई शहीद हुई।

2015 : अमेरिका के दक्षिण कैरोलिना के एक चर्च में बंदूकधारी ने नौ लोगों की हत्या की।

न्यूज बाइट्स

21 जून को होगा योगाभ्यास : मंगल पांडेय

पटना (नि.सं.)। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा है कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास राज्य के सभी जिलों के प्रत्येक वार्ड, पंचायत, प्रखंड, अनुमंडल एवं जिला मुख्यालय में होगा। वहीं, जागरूकता बढ़ाने के लिए सभी स्वास्थ्य संस्थानों जैसे आयुष्मान आरोग्य मंदिर, स्वास्थ्य उपकेंद्र, अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, , अनुमंडलीय अस्पताल, रेफरल अस्पताल एवं जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेजों में स्थानीय प्रतिनिधियों के साथ कार्यक्रम होंगे।

पटना को जाम मुक्त बनाने और यातायात व्यवस्था को सुचारु करने के लिए नए एलिवेटेड सड़क की सौगात

मुख्यमंत्री ने 1400 करोड़ की लागत से बनी एलिवेटेड रोड का किया उद्घाटन

• रोड चालू होने से पटना के दक्षिणी इलाकों के साथ औरंगाबाद, गया, जहानाबाद, अरवल, बिहारशरीफ आदि जिलों को सीधा लाभ।

निज संवाददाता | पटना

राजधानी पटना को जाम मुक्त बनाने और शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए राजधानी वासियों को एक और नए एलिवेटेड सड़क की सौगात सोमवार को मिली। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज यानी 16 जून को नव निर्मित मीठापुर-महुली एलिवेटेड सड़क का उद्घाटन किया। इस एलिवेटेड सड़क के चालू होने से राजधानी के दक्षिणी इलाकों में रहने वाले लाखों लोगों को यातायात में काफी सहूलियत मिलने वाली है। साथ ही दक्षिण बिहार के विभिन्न जिलों में आना-जाना भी अब बेहद आसान हो जाएगा। रोज घंटों लगने वाले जाम से लोगों को मुक्ति मिलेगी और समय की बचत होगी। सीएम नीतीश ने आज इसे आम लोगों को समर्पित कर दिया है।

कुल 1400 करोड़ रुपये की लागत निर्मित मीठापुर-महुली-पुनपुन परियोजना अंतर्गत भूपतिपुर से पुनपुन (एनएच-22) तक एलिवेटेड-सह-एटग्रेड सड़क का लोकार्पण मुख्यमंत्री नीतीश कुमार किया। इस मौके पर राज्य के दोनों उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा बतौर विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। समारोह की अध्यक्षता पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन किया। मीठापुर-महुली एलिवेटेड सड़क के लोकार्पण समारोह में पटना साहिब से लोकसभा सदस्य रविशंकर प्रसाद और पाटलिपुत्र लोकसभा क्षेत्र से सांसद मीसा भारती, विधायक गोपाल रविदास, विधायक अरुण कुमार सिन्हा, विधान पार्षद रविंद्र प्रसाद सिंह, नीरज कुमार, नवल किशोर यादव और कार्तिक कुमार मौजूद रहे। मीठापुर-महुली एलिवेटेड रोड के चालू होने से पटना के दक्षिणी इलाकों में रहने वाले लाखों लोगों को यातायात में काफी सहूलियत मिलने वाली है। जहानाबाद, अरवल, बिहारशरीफ और गया के लिए सफर अब आसान हो जाएगा। बता दें कि पहले फेज में सिपारा से महुली तक एलिवेटेड रोड बनकर तैयार हो चुका है।

इन जिलों के लोगों को मिलेगी राहत

इस परियोजना के लोकार्पण हो जाने से पटना बासियों को गया जी, राजगीर, औरंगाबाद, राँची जाने में अभुतपूर्व सुगमता होगी। इस पथ के माध्यम से पटना स्थित महत्त्वपूर्ण राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन स्थल, धार्मिक स्थल, मनोरजन स्थल, आर्थिक स्थल, सामाजिक स्थल, शैक्षिणक संस्थानों तथा प्रमुख चिकित्सा सस्थानों आदि आने-जाने में अत्यत कम समय लगेगा। साथ ही पटना शहर को यातायात जाम की समस्या से मुक्ति मिलेगी। इस पथ परियोजना के लोकार्पण हो जाने से पितृपक्ष मेला के दौरान राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पिण्ड दानियों को पुनपुन एवं गयाजी जाने के लिए जाममुक्त यातायात हेतु उत्तम पथ साबित होगा।

दरअसल, मीठापुर-महुली मूल परियोजना में मीठापुर से प्रारंभ होकर सिपारा तक एटग्रेड पथ का निर्माण किया जाना था तथा सिपारा से 4 लेन एलिवेटेड एवं 4 लेन एटग्रेड पथ का निर्माण प्रस्तावित था। 25.03.2021 को मुख्यमंत्री, बिहार के स्थल निरीक्षण के उपरान्त जारी प्रेस विज्ञप्ति में निर्देशित किया गया था कि एनएच-30 बाईपास पर अवस्थित आरओबी के उपर से मीठापुर महुली एलिवेटेड रोड का निर्माण किया जाय, जैसा कि एम्स दीघा एलिवेटेड रोड का निर्माण नेहरू पथ के उपर से किया गया है। सिपारा गुमटी पर आर ओ बी। निर्माण का निर्देश दिया गया। साथ ही पूरब के इलाकों से संपर्कता के लिए एलिवेटेड पथ से भूपतिपुर अप रैम्प बनाने का भी निर्देश दिया गया। और तीसरा परसा सम्पतचक पथ को मीठापुर महुली एलिवेटेड पथ से सपर्कता प्रदान करने का आदेश दिया, ताकि रेलवे लाइन के पूरब के इलाके में रहने वाले लोगों को सहुलियत हो सके। साथ ही परसा के पास एक और अतिरिक्त अंडरपास बनाने का भी निदेश दिया गया ताकि रेलवे लाइन के पश्चिम के इलाकों में रहने वाले लोगों को आवागमन में सुगमता हो सके।

दिये गये निदेश का अनुपालन करते हुए तत्कालीक रूप से भूपतिपुर चौराहा से सिपारा होते हुए पुनपुन लक्ष्मण झूला एवं गयाजी-डोभी एनएच-22 तक के अश का कार्य पूर्ण करा लिया गया है, जिसका लोकार्पण किया जाना है। मीतापुर से सिपारा एलिवेटेड एवं सिपारा में अवस्थित लेवल क्रॉसिंग पर आरओबी का निर्माण कार्य प्रगति पर है। सिपारा-महुली 4 लेन एलिवेटेड पथ एवं एटग्रेट परियोजना को चरण-1 के तहत पूर्ण किया गया है। 4 लेन ऐट ग्रेड पथ-लम्बाई 6.754 किमी एवं 4 लेन एलिवेटेड पथ लम्बाई 55 किगी। प्रथम चरण में निर्मित परियोजना को चरण-2 के अंतर्गत भूपतिपुर अप-रैम्प के माध्यम से सम्पर्कता प्रदान किया गया है। भूपतिपुर अप-रैम्प की कुल लम्बाई 1.10 किमी है तथा महुली से पुनपुन 4 लेन एटग्रेट पथ की लम्बाई-23 किमी है। जिसका लोकार्पण मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया। इस प्रकार सम्पूर्ण परियोजना में मीठापुर से सिपारा तक 2.1 किमी एलिवेटेड पथ का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिसे नवम्बर 2025 में पूर्ण करने का लक्ष्य है।

बिहार में आसमान से बरसी आफत

आकाशीय बिजली से पांच की मौत

निज संवाददाता | बक्सर

बक्सर में सोमवार को अलग-अलग इलाके में आकाशीय बिजली गिरने से चार लोगों की मौत हो गई। घटना चौसा बाजार के पास गंगा नदी किनारे हुई। जहां आकाशीय बिजली की चपेट में आने से तीन अन्य भी लोग झुलसकर घायल हो गए। मृतकों की पहचान चौसा बाजार के मिथलेश राम (22), नरबतपुर के श्रीभगवान उर्फ झोला सिंह (60) और चौसा बाजार के वीरेंद्र गोंड (45) के रूप में हुई हैं। वहीं घायलों की पहचान नीरज कुमार (16), अमित चौधरी (30) और सोनू कुमार (18) के रूप में हुई हैं। सभी मजदूर वर्ग से हैं। राजपुर थाना क्षेत्र के देवढ़िया में भी दो लोग आकाशीय बिजली की चपेट में आ गए। जिसे राजपुर से बक्सर सदर अस्पताल रेफर किया गया। जहां देवढ़िया निवासी प्रेम जीवन राम के बेटे अंकुश राम (12) मौत हो गई है। जबकि माधव राम के बेटे अन्नत राम (30) गंभीर रूप से घायल हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार ये लोग आम के बगीचे में गए हुए थे। जहां आकाशीय बिजली की चपेट में आ गए। सभी घायलों सदर अस्पताल इलाज जारी है।

घायल नीरज कुमार ने बताया कि दोपहर के समय सभी लोग गंगा किनारे बैठे थे। अचानक मौसम खराब हुआ और तेज बारिश के साथ बिजली गिरने लगी। जिसके बाद सभी एक पीपल के पेड़ के नीचे छुप गए। तभी तेज आवाज के साथ आकाशीय बिजली उनके पास गिरी। इस हादसे में मधु राम की एक गाय भी मर गई और सभी बेहोश हो गए। बताया कि मृतक वीरेंद्र गोंड और श्रीभगवान सिंह अपने मवेशियों को चराने गए थे। वहीं कटिहार जिले के बारसोई में बेलवा पंचायत अंतर्गत सनकोला गांव में ठनका गिरने से एक महिला की मौत गई। जबकि एक महिला घायल है। जानकारी के मुताबिक अनवरी बेगम (40) अपने घर के पीछे गाय के लिए घास काट रहीं थी। इसी बीच हल्की सी बूंदा-बांदी और बारिश होने लगी तभी आकाशीय बिजली महिला पर गिर गई। जिसके बाद अनवरी बेगम और जहानारा खातून घर के पास बेहोश हो गई। परिजन और स्थानीय लोगों की मदद से अनुमंडलीय अस्पताल बारसोई लाया गया।

पिकअप के पलटने से पांच की मौत, 20 घायल

सारण (नि.सं.)। सारण जिले के नयागांव थाना क्षेत्र अंतर्गत बाजितपुर फोरलेन के पास सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक लोग घायल हो गए, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल भिजवाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पिकअप वाहन में मक्का लदा हुआ था और उसी पर सवार होकर लगभग 25 लोग दिघवारा से हाजीपुर के लिए निकले थे। सभी यात्री वैशाली होते हुए सराय की ओर जा रहे थे। सोनपुर के बाजितपुर फोरलेन के समीप जैसे ही पिकअप पहुंची, अचानक टायर फटने के कारण वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरातफरी और चीख-पुकार मच गई। वाहन के नीचे कई लोग दब गए। स्थानीय लोगों ने पुलिस की मदद से घायलों को निकालकर अस्पताल पहुंचाया। सभी घायलों को पहले सोनपुर अनुमंडल अस्पताल लाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर कई घायलों को हाजीपुर सदर अस्पताल, और फिर वहां से पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल) रेफर कर दिया गया। मृतकों की पहचान सारण के दिघवारा निवासी राज कुमार पंडित की पत्नी अंजू देवी (48), राजू बैठा की पत्नी राधिका देवी (50), श्रवण राम के बेटे सोनू कुमार (23), पंचूराम की बेटी राजलक्ष्मी कुमारी (15) और एक 7 साल का बच्चा शिवम कुमार पिता रामबाबू राम के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पिकअप पर लोगों की संख्या ज्यादा थी और मक्का भी भारी मात्रा में लदा था। अचानक टायर फटने से चालक का संतुलन बिगड़ गया और वाहन सड़क किनारे पलट गया।

कृषि मंत्री का आईसीएआर-आरसीईआर दौरा

मैं खुद किसान हूं, किसानों की तरक्की के लिए समर्पित हूं : शिवराज सिंह चौहान

निज संवाददाता | पटना

पटना में सोमवार को कृषि क्षेत्र के भविष्य को नई दिशा देने वाला एक अहम दिन रहा, जब भारत सरकार के माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद – पूवार्चल क्षेत्रीय अनुसंधान परिसर (आईसीएआर-आरसीईआर) पटना का दौरा किया। इस अवसर पर बिहार के उपमुख्यमंत्री सह कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा सहित केंद्र व राज्य के कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। दौरे की शुरुआत परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम के साथ हुई, जिसमें केंद्रीय मंत्री सहित उपमुख्यमंत्री और अन्य गणमान्य अतिथियों ने हिस्सा लिया। इसके बाद संस्थान के कार्यवाहक निदेशक डॉ. अशुतोष उपाध्याय ने संस्थान की उपलब्धियों और वर्तमान अनुसंधान गतिविधियों पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि संस्थान पूर्वी भारत के किसानों के लिए जलवायु-स्मार्ट खेती, जल उत्पादकता वृद्धि, तकनीकी नवाचार और छोटे एवं सीमांत किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए काम कर रहा है। शिवराज सिंह चौहान ने आईसीएआर-आरसीईआर की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए कहा, 'कृषि के प्रति मेरी समझ केवल नीतिगत नहीं, बल्कि व्यक्तिगत अनुभव पर आधारित है, क्योंकि मैं स्वयं किसान रहा हूं।' उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे अपने अनुसंधान को 'विकसित भारत @2047' की परिकल्पना के अनुरूप दिशा दें, जिससे कृषि क्षेत्र में वास्तविक बदलाव आ सके।

उन्होंने वैज्ञानिकों से ट्रांसलेशनल रिसर्च यानी प्रयोगशाला से खेत तक पहुंचने वाली तकनीकों को और मजबूत करने की अपील की। साथ ही हाल ही में पूरे देश में चलाए गए "विकसित कृषि संकल्प अभियान" की सफलता का उल्लेख करते हुए बताया कि यह पहली बार हुआ जब केंद्र व राज्य के कृषि विभागों ने मिलकर वैज्ञानिक समाधानों को किसानों तक पहुँचाया। इस मौके पर एक वैज्ञानिक संवाद बैठक भी आयोजित की गई जिसमें आईसीएआर-एटीएआरइाई पटना के वैज्ञानिकों ने भाग लिया। इस बैठक में प्राकृतिक खेती, संरक्षण कृषि, मौसम आधारित कृषि सलाह, मृदा स्वास्थ्य, क्षेत्रीय कृषि तकनीकों और भविष्य की रणनीतियों पर चर्चा की गई। मंत्री ने संस्थान की अंत:विषयात्मक (इंटरडिसिप्लिनरी) कार्यप्रणाली की भी प्रशंसा की और वैज्ञानिकों से आग्रह किया कि वे अपने नवाचार और अनुसंधान के प्रचार-प्रसार को और तेज करें, ताकि उनके परिणाम ज़मीनी स्तर पर किसानों को लाभ पहुंचा सकें। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शिवानी (प्रमुख वैज्ञानिक, भूमि एवं जल प्रबंधन प्रभाग) द्वारा किया गया, जबकि समापन डॉ. उज्ज्वल कुमार (प्रमुख, सामाजिक-अर्थशास्त्र एवं प्रसार प्रभाग) ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया। उन्होंने मंत्री, उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों एवं वैज्ञानिक समुदाय के योगदान के लिए आभार प्रकट किया।

बिहार में बनेंगे नए 100 फास्ट ट्रैक कोर्ट, केसों के निपटारे में आएगी तेजी

पटना (नि.सं.)। बिहार के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) विनय कुमार ने पटना में अपराध पर प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए बताया कि अपराधियों के खिलाफ स्पीडी ट्रायल पर जोर दिया जा रहा है। ट्रायल के स्तर पर लंबित केसों के निष्पादन को लेकर करीब 100 फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन का प्रस्ताव सरकार को भेजा गया है। उन्होंने कहा कि 2011 तक फास्ट ट्रैक कोर्ट होने की वजह से ही बड़ी संख्या में लंबित केसों का निपटारा हुआ था। नए फास्ट ट्रैक कोर्ट में हत्या, लूट, डकैती जैसे गंभीर मामलों का विचारण होगा। साथ ही पराधियों की संपत्ति जब्त करने की दिशा में कार्रवाई तेज कर दी गई है। डीजीपी विनय कुमार ने कहा कि एक भी हत्या साल में होगी तो सहने लायक नहीं है, सबको जीने का अधिकार है। 2004 के आसपास 4000 हत्याएं हुईं। आज की तारीख में 2400 हत्याएं हुईं। हत्या की घटनाओं को 2004 से 2024 से कंपेयर कीजिए तो वो कम है। साथ ही जीरो टॉलरेंस के तहत भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम जारी है। निगरानी की ओर से अभी तक दो दर्जन से अधिक भ्रष्ट पुलिस पदाधिकारी को पकड़ा जा चुका है। बिहार में एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया में तेजी आई है। वहीं 20 जून को पीएम मोदी के बिहार दौरे को लेकर डीजीपी ने बताया कि प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर हम लोग साइट पर भ्रमण कर चुके हैं। मुख्य सचिव के स्तर से व्यापक समीक्षा हुई।

2027 में होगी देश की जनगणना, केंद्र सरकार ने जारी की अधिसूचना

एजेंसी | नई दिल्ली/पटना

देशभर में जनगणना को लेकर लंबे समय से चल रहे इंतजार को केंद्र सरकार ने औपचारिक रूप से खत्म कर दिया है। केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय ने सोमवार को जनगणना 2027 को लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। इस अधिसूचना के साथ ही अब भारत में जनगणना की प्रक्रिया को अंतिम रूप देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने बताया कि केंद्र सरकार ने जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 3 के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए वर्ष 2027 में जनगणना कराने का निर्णय लिया है। इस संबंध में जारी अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि यह जनगणना वर्ष 2027 में आयोजित की जाएगी और इसके लिए संदर्भ तारीख एक मार्च 2027 निर्धारित की गई है।

हालांकि देश के कुछ विशेष क्षेत्रों जैसे लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के हिमाच्छादित असमकालिक क्षेत्र के लिए जनगणना की संदर्भ तारीख एक अक्टूबर 2026 रखी गई है। इन क्षेत्रों में मौसम की विशेष परिस्थितियों के कारण जनगणना प्रक्रिया पहले शुरू की जाएगी। यह अधिसूचना वर्ष 2019 की पहले जारी अधिसूचना को निरस्त करती है। महामारी और अन्य कारणों से जनगणना कई बार टलती रही थी, लेकिन अब केंद्र सरकार ने इसे लेकर पूरी गंभीरता से तैयारी शुरू कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

सेना के पूर्व सूबेदार की सड़क हादसे में हुई मौत

मानपुर। बुनियादगंज थाना क्षेत्र के रूपसपुर में शनिवार रात 11:30 बजे अज्ञात वाहन की चपेट में आने से सेना के पूर्व सूबेदार ठाकुर अखिलेश सिंह परमार की मौत हो गई। वे 50 वर्ष के थे। मृतक की पहचान शादीपुर पंचायत के सोंधी गांव निवासी सत्यनारायण सिंह के बेटे के रूप में हुई। सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद वे बिपार्ड में कार्यरत थे। हादसे के समय वे बाइक संख्या बीआर 02 एक्यू 3227 से जा रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। परिजन बेंगलुरु में रहते हैं। हादसे की खबर मिलते ही वे पैतृक गांव के लिए रवाना हो गए। गांव में घटना की खबर फैलते ही मातम छा गया। शादीपुर मुखिया देवेंद्र कुमार उर्फ हैप्पी सिंह, अरविंद कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और गणमान्य लोग मौके पर पहुंचे। पहाड़पुर कैंप स्थित स्टेशन हेड क्वार्टर की ओर से सैन्य सम्मान के साथ माल्यार्पण समारोह आयोजित किया गया। ग्रामीणों ने बताया कि एक्स सूबेदार की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उनकी पत्नी पैरालाइज हैं। बेटा हाल ही में सड़क हादसे में घायल हुआ था। उसका पैर का ऑपरेशन हुआ है।

शोध : शेयर बाजार पर जलवायु-संबंधी घोषणा से होता है वित्तीय जोखिम

बोधगया। मगध विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. विनीता कुमारी एवं भारतीय प्रबंध संस्थान संबलपुर के सहायक प्राध्यापक डॉ. धरेन कुमार पाण्डेय का शोधपत्र अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका फाइनेंस रिसर्च लेटर्स में प्रकाशन हेतु स्वीकार कर लिया गया है। यह शोध पत्रिका एबिडिसी ए श्रेणी एवं एबीएस 2 में सूचीबद्ध है तथा इंपैक्ट फैक्टर 7.4 के साथ स्कोपस एवं वेब ऑफ साइंस में अनुक्रमित है। शोध का शीर्षक जलवायु-संबंधी वित्तीय जोखिम प्रकटीकरण पर केंद्रीय बैंक के आदेश पर बाजार की प्रतिक्रियाएं: भारतीय बैंकिंग क्षेत्र से साक्ष्य है। डॉ. विनीता बताती हैं कि यह अध्ययन निम्न और मध्यम आय वाले देशों में जलवायु से संबंधित वित्तीय जोखिम को संबोधित करने वाले विनियामक प्रयासों के प्रति वित्तीय बाजारों की प्रतिक्रियाओं की जांच करता है। निष्कर्षों से पता चलता है कि घोषणा के दिन -1.33% का महत्वपूर्ण प्रतिकूल प्रभाव पड़ा और घोषणा के बाद भी प्रतिकूल असामान्य रिटर्न मिला। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों पर नगण्य प्रभाव के विपरीत, निजी क्षेत्र के बैंकों पर घोषणा के दिन महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा। उच्च ईएसजी प्रदर्शन वाले बैंकों में अधिक गिरावट आई, जिससे पता चलता है कि बाजार मुख्य परिचालन से असंबंधित ईएसजी मुद्दों के लिए अत्यधिक भार को दंडित करता है। इसके अतिरिक्त, बेहतर वित्तीय प्रदर्शन वाले बड़े बैंक कम प्रभावित होते हैं। ये निष्कर्ष वित्तीय बाजारों को अस्थिर किए बिना जलवायु नीतियों को एकीकृत करने में निम्न और मध्यम आय वाले देशों के सामने आने वाली चुनौतियों को उजागर करते हैं।

माई बहन मान योजना को लेकर चौपाल

बिहारशरीफ। जिला युवा कांग्रेस द्वारा सिलाव प्रखंड के बड़ाकर पंचायत स्थित विस्थापित गांव में माई बहन मान योजना एवं हर घर कांग्रेस का झंडा अभियान के तहत एक चौपाल का आयोजन किया गया। युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष विवेकानंद पासवान ने लोगों से समस्याओं के बारे में भी जानकारी ली। चौपाल में कुमार सौरभ, नगर अध्यक्ष मो. महताब आलम चिश्ती, जिला सचिव अनुग्रह प्रसाद, मुकेश कुमार सिंह, देव कुमार और उमेश राजवंशी सहित कई अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

पिछड़े, अतिपिछड़े, गरीब-गुरबों और अकलियतों की हिमायती है बामसेफ

बिहारशरीफ। बैंकवर्ड एंड माइनोरिटी कम्युनिटी इम्पलॉयज फेडरेशन (बामसेफ) की जिला स्तरीय बैठक लोहगानी में की गई। बैठक में बामसेफ की नई जिला कमिटी का गठन किया गया। बैठक की अध्यक्षता संगठन के राज्य परिषद सदस्य डा. राजीव रंजन ने किया। जिला प्रभारी सह पर्यवेक्षक सुरेश कुमार सुमन, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य आलोक कुमार की देख-रेख में कमिटी का गठन किया गया। जिसमें रंजीत पासवान को अध्यक्ष, राकेश बिहारी शर्मा को उपाध्यक्ष, जाहिद हुसैन को सचिव, संगठन सचिव राजेश कुमार रमण और कार्यालय सचिव पद की जिम्मेवारी अजय कुमार को दी गयी। इसके अलावा नौ कार्यकारिणी सदस्य भी बनाए गए। जिला उपाध्यक्ष राकेश बिहारी शर्मा ने कहा कि फुले साहब और बाबा साहेब के विचारों को देश भर में जन-जन तक पहुंचाने के लिए डा. अंबेडकर के अनुयाइयों ने बामसेफ संगठन का निर्माण किया था। उन्होंने कहा कि बामसेफ का मुख्य उद्देश्य व्यवस्था परिवर्तन कर देश में समता, स्वतंत्रता, बंधुता एवं न्याय पर आधारित समाज एवं राष्ट्र का निर्माण करना है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य आलोक कुमार ने कहा कि बामसेफ संगठन ही पिछड़े, अतिपिछडे, गरीबों और अकलियतों का हिमायती है। बामसेफ संगठन ने महापुरुषों के मिशन को पुनर्जीवित किया और महापुरुषों का सच्चा मिशन समझाया। बामसेफ ने बताया कि हम सब बौद्ध थे और मनुवादियों ने हम सबको अछूत, शूद्र, जंगली बनाया था और महिलाओं को दास बनाया।

मन की शांति और स्वस्थ जीवन के लिए योग जरूरी

बिहारशरीफ। रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर के साथ-साथ अब लोगों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए योग शिविर की भी शुरुआत की गई है। यह शिविर हर रविवार को श्रम कल्याण मैदान में आयोजित किया जा रहा है, जहां योग अभ्यास के माध्यम से लोगों को बेहतर स्वास्थ्य की ओर प्रेरित किया जा रहा है। शिविर में भाग लेने वालों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है। जहां इसकी शुरुआत मात्र 5 प्रतिभागियों के साथ हुई थी, वहीं इस रविवार को एक दर्जन से अधिक लोगों ने भाग लिया और योगाभ्यास कर स्वास्थ्य लाभ की दिशा में कदम बढ़ाया। योग गुरु रमाशंकर यादव ने उपस्थित लोगों को योग के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि मन को शांत रखने और शरीर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए योग सबसे सरल और प्रभावी उपाय है। यह न केवल मानसिक तनाव को कम करता है, बल्कि शरीर में ऊर्जा, लचीलापन और रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाता है।

जरूर करें योगः उन्होंने कहा कि आज के समय में जब बीपी, शुगर, जोड़ों का दर्द जैसी समस्याएं आम हो चुकी हैं, लोग वर्षों तक दवाइयों का सेवन करते हैं लेकिन स्थायी समाधान नहीं मिल पाता। ऐसे में योग को अपनाकर इन समस्याओं से निजात पाई जा सकती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे रोजाना सुबह कम से कम एक घंटा योग को जरूर दें, जिससे जीवन बेहतर और रोगमुक्त बने। योग गुरु ने यह भी बताया कि वर्तमान समय में बड़े-बड़े चिकित्सक भी योग को अपनी दिनचर्या में शामिल कर रहे हैं क्योंकि वे जानते हैं कि आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के साथ-साथ योग प्राकृतिक रूप से शरीर को संतुलित और स्वस्थ बनाता है।

दीपनगर में जन सुराज का संगठन मिलन समारोह

बिहारशरीफ। जन सुराज द्वारा रविवार को दीपनगर में संगठन मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह शामिल हुए। इस मौके पर पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता डा. अमित कुमार पासवान ने कहा कि नालंदा में नया संगठन तैयार किया गया है। आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर संगठन से जुड़े लोग एकत्रित हुए है और संगठन की मजबूती को लेकर चर्चा की जा रही है। पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री सिंह कुछ दिन पूर्व ही आप सबकी आवाज आसा पार्टी का विलय जन सुराज पार्टी में किया था। इस मौके पर जिला परिषद सदस्य पूनम सिन्हा ने पार्टी के सभी सदस्यों से एकजुट होने की अपील की।

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में महिला चिकित्सक भी देंगी सेवा

बिहारशरीफ। रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में अब महिला चिकित्सक भी सेवा दे रहीं हैं। जिससे महिलाओं को भी अब इलाज की सुविधा मिलने लगी है। स्त्री रोग विशेषज्ञ की कमी के कारण महिलाएं बिना जांच लौट जाती थीं, लेकिन रविवार से डॉ. त्रिशला ने सेवा शुरू कर दी है। पहले दिन उन्होंने 16 महिलाओं का उपचार किया। इस सप्ताह शिविर में कुल 209 मरीजों का इलाज किया गया। सबसे ज्यादा 74 मरीजों को फिजिशियन डॉ. अखिलेश कुमार और डॉ. उमेश कुमार सिंह ने देखा।

गया में अमित दांगी- गुरुआ में सड़कों की मरम्मती नहीं हुई

निज संवाददाता। गया

♦ अति पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य के आरोपों पर भड़के आरजेडी विधायक, कहा- हवा में बोलने से कुछ नहीं होता है

गयाजी के गुरुआ विधानसभा क्षेत्र में अब सड़क को लेकर सियासत तेज हो गई है। आरजेडी विधायक विनय कुमार यादव और बीजेपी नेता सह अति पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य अमित दांगी आमने-सामने आ गए हैं। सोशल मीडिया पर आरोप प्रत्यारोप का दौर जारी है।

विधायक का दावा झूठा हैः अमित दांगी का आरोप है कि क्षेत्र में दर्जनों सड़कों की मरम्मती नहीं हुई है। न तो निर्माण कराया गया, न ही पुराने सड़कों पर ध्यान दिया गया। इसके बावजूद विधायक विनय कुमार दावा कर रहे हैं कि 95% सड़कें बन चुकी हैं। उनका यह दावा झूठा है। जनता को गुमराह किया जा रहा है।

आरोप लगाने से कुछ नहीं होताः वहीं, आरजेडी विधायक ने आरोपों को सिर से खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि हवा में बोलने से कुछ नहीं होता है। जनता को पता है कितना काम हुआ है। दांगी ने जर्जर सड़कों की लिस्ट जारी करते हुए कहा कि जब उनकी पत्नी जिला परिषद अध्यक्ष थीं। तब साल 2021 में पूरे जिले में 3300 किलोमीटर सड़कें बनवाई गई थी। आज उसी सड़क पर लोग चर रहे हैं। आरजेडी विधायक ने कोई नई सड़कें नहीं बनवाई है। गुरुआ दरियापुर, कुल्थासर, डिबर, गुडरु जैसी सड़कें अभी भी टूटी पड़ी है। कई जगह तो नाम मात्र का निर्माण हुआ है। मगर सोशल मीडिया पर झूठा प्रचार किया जा रहा है। हमने फेसबुक और व्हाट्सएप से जनता को सच दिखाया है। आगे भी करते रहेंगे।

आरोप लगाने से कुछ नहीं होताः वहीं, आरजेडी विधायक विनय कुमार ने दांगी के आरोपों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि करीब 95% सड़कों का निर्माण हो चुका है। बाकी की स्वीकृति मिल चुकी है। कई सड़कों का टेंडर भी हो गया है। हवा में आरोप लगाने से कुछ नहीं होगा। जो आरोप लगा रहे हैं, उन्हें हकीकत पता नहीं है। अगर किसी सड़क पर काम नहीं हुआ है तो मिलकर बताइए। हम जांच कराएंगे और काम कराएंगे।

गया जिले के पवित्र सूर्यकुंड में मर रहीं मछलियां

निज संवाददाता। गया

गयाजी में भीषण गर्मी से लोग परेशान हैं। गर्मी और पानी की भारी किल्लत से जीवों पर भी आफत बन गई है। जिले के पवित्र सूर्यकुंड में इन दिनों मछलियों की मौत का सिलसिला जारी है। हर दिन बड़ी संख्या में मरी मछलियां पानी में तैरती नजर आ रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सूर्यकुंड में पानी का स्तर तेजी से घटा है। तपिश के कारण कुंड का पानी बेहद गर्म हो गया है। मछलियों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। यही उनकी मौत की बड़ी वजह बन रही है। इससे पूरे इलाके में दुर्गंध फैल रही है।

रविवार को मोटर बंद थाः वहीं, तीर्थ सुधारनी सभा के पदाधिकारी गजाधर लाल कटारिया ने कहा कि मछलियों की मौत के तीन अहम कारण हैं। पहला पानी की कमी, गर्म पानी और संभावना है कि किसी शरारती तत्व ने कुंड में जहरीला केमिकल मिला दिया हो। हालांकि ये जांच का विषय है। कुंड में पानी भराव के लिए दो पंप लगाए गए थे। उनमें से एक ही काम कर रहा है। वह भी रविवार तक बंद था। नगर निगम के मेयर को मौखिक शिकायत दी गई। जिसके बाद मोटर चालू किया गया। तीर्थ सुधारनी सभा ने नगर निगम से दोनों मोटर चालू कर तालाब में पानी भरने की मांग की है। ताकि मछलियां की जान बचाई जा सके और इस धार्मिक स्थल की पवित्रता भी बनी रहे।

एक स्टाफ को तैनात किया गया हैः इधर मेयर गणेश पासवान का कहना है कि मोटर को चालू कर दिया गया है। अब नियमित मोटर चलेगी। इसके अलावा एक कर्मी की भी तैनाती कर दी गई है। मछलियों क्यों मर रही है, इसका पता लगाया जा रहा है।

गयाजी रोड एक्सीडेंट में पूर्व सैनिक की मौत

निज संवाददाता। गया

गयाजी के मानपुर-खीजरसराय रोड पर एक्सीडेंट हुआ। यहां सड़क किनारे एक बाइक सवार की जान चली गई। अज्ञात वाहन की टक्कर से 49 साल के ठाकुर अखिलेश्वर सिंह परमार की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक सोंधी गांव के रहने वाले थे और वे पूर्व सैनिक थे। फिलहाल, एसएस कॉलोनी में मकान निर्माण के सिलसिले में रोज गांव से शहर आना जाना कर रहे थे। काम खत्म कर बाइक से वे अपने गांव को लौट रहे थे, तभी रूपसपुर के पास तेज रफ्तार वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी और मौके से वाहन चालक फरार हो गया। घटना की जानकारी मृतक के भाई दिनेश सिंह को फोन पर किसी व्यक्ति ने दी। दिनेश सिंह कहना है कि जब वे घटनास्थल पर पहुंचे, तब तक भाई की सांसें थम चुकी थीं। मृतक के दो बेटे और एक बेटी हैं। परिवार पर गम का पहाड़ टूट पड़ा है।

शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजाः बुनियादगंज थाना प्रभारी पवन कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल भेजा गया था। रिपोर्ट के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस का कहना है कि घटना में शामिल वाहन की पहचान अभी नहीं हो सकी है। परिजनों की ओर से लिखित शिकायत मिलने पर ड्राइवर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

नालंदा की मुस्कान को मिला रजत पदक

निज संवाददाता। नालंदा

♦ देहरादून में राष्ट्रीय कराटा प्रतियोगिता, 3000 खिलाड़ियों ने लिया था हिस्सा

उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में आयोजित चौथी राष्ट्रीय कराटा प्रतियोगिता में नालंदा की बेटी मुस्कान कुमारी को रजत पदक मिला है। 12 से 15 जून तक देहरादून के परेड ग्राउंड इंडोर हॉल में चली इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर के लगभग 3000 खिलाड़ियों ने भाग लिया था। मुस्कान ने जूनियर वर्ग के 42 किलोग्राम भार वर्ग में अपनी तकनीकी दक्षता और मानसिक मजबूती का परिचय देते हुए रजत पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता के रेफरी सह एकेडमी ऑफ मार्शल आर्ट एंड स्पोर्ट्स जोन के संस्थापक एवं मुख्य प्रशिक्षक रेंसी राकेश राज खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पूरे देश से आए 3000 खिलाड़ियों के बीच हमारी अकादमी की एकमात्र खिलाड़ी मुस्कान का बिहार टीम में चयन होना, फिर मेडल जीतना हमारे लिए गर्व की बात है। यह उपलब्धि हमारी प्रशिक्षण पद्धति और मेहनत दोनों का परिणाम है।

मुस्कान के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दीः मुस्कान की इस उपलब्धि पर खेल जगत की कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। इनमें कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष हंसी भरत शर्मा, सचिव संजीव जांगड़ा, बिहार कराटे एसोसिएशन के सचिव क्योशी पंकज कबंली, अध्यक्ष क्योशी अभय कुमार अतुल, राष्ट्रीय रेफरी हर्ष कुमार, बिहार टीम के कोच राम सिंह यादव और सुभाष कुमार शामिल हैं। एकेडमी ऑफ मार्शल आर्ट एंड स्पोर्ट्स जोन के पदाधिकारियों में अध्यक्ष डॉ. रविचंद्र कुमार, निर्देशक संजय कुशवाहा, कोषाध्यक्ष ऋषिकेश कुमार और न्यूरोसर्जन डॉ. राजीव कुमार रंजन ने भी मुस्कान के इस शानदार प्रदर्शन की सराहना की है।

स्थानीय खेल संगठनों का उत्साहः नालंदा जिला कराटे संघ के सचिन क्योशी संजय खड्गी और राष्ट्रीय खिलाड़ी संध्या रानी तथा अंकिता राज सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने इस युवा प्रतिभा को भविष्य की चुनौतियों के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

देसी कट्टा-10 कारतूस के साथ 3 बदमाश अरेस्ट

निज संवाददाता। नालंदा

♦ नालंदा में जमीन पर कब्जा करने जा रहे थे, 4 मोबाइल और एक पिस्तौल-दो मैगजीन भी जब्त

पुलिस मुख्यालय बिहार की ओर से संचालित वाहन जांच अभियान के तहत नालंदा में एक कार्रवाई हुई है। सोहसराय थाना क्षेत्र में वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने तीन संदिग्ध व्यक्तियों को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में हथियार और कारतूस बरामद किया है। सोहसराय थाना क्षेत्र के मुख्य चौक पर वाहन चेकिंग के दौरान एक गाड़ी में सवार तीन व्यक्तियों के व्यवहार से पुलिस को संदेह हुआ। गाड़ी की विस्तृत तलाशी के दौरान पुलिस के हाथ एक पिस्तौल, दो मैगजीन, एक देसी कट्टा और 10 जिंदा कारतूस लगे। इसके अलावा चार मोबाइल फोन और 10 हजार रुपए नकद भी बरामद किए गए। डीएसपी नुरुल हक ने आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि यह कार्रवाई पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार चलाए जा रहे समकालीन वाहन जांच अभियान का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि पुलिस की सतर्कता के कारण इन संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा जा सका।

एक आरोपी गोपालगंज का रहने वाला हैः गिरफ्तार किए गए तीनों व्यक्तियों की पहचान की गई है। पहला व्यक्ति बिहार थाना क्षेत्र के अंबेर निवासी स्वर्गीय अरविंद प्रसाद का बेटा पवन कुमार है। दूसरा व्यक्ति गोपालगंज के कुचायकोट थाना क्षेत्र के पंडित टोला सांसामुसा निवासी लोकनाथ पांडे का बेटा कुणाल पांडे उर्फ अंकित सिंह है, जो वर्तमान में पश्चिम बंगाल में रहता है। तीसरा व्यक्ति मानपुर थाना क्षेत्र के तेतरावां गांव निवासी अश्वनी कुमार का बेटा शुभम राज है, जो बिहार शरीफ के टिकुली इलाके में रहता है।

जमीन विवाद में कब्जे की साजिशः प्रारंभिक पूछताछ में गिरफ्तार व्यक्तियों ने बताया कि वे चण्डी थाना क्षेत्र के जगतपुर में अपने दोस्त निक्की के कहने पर जमीन विवाद में कब्जा करने के लिए जा रहे थे। पुलिस इन हथियारों के स्रोत का पता लगाने में जुटी है। डीएसपी नुरुल हक ने स्पष्ट किया कि जांच के दौरान यह पता लगाया जा रहा है कि इन हथियारों की खरीदारी कहां से हुई और क्या इसका कोई बड़ा नेटवर्क है। पुलिस का कहना है कि इस मामले की गहराई तक जाकर जांच की जाएगी। कार्रवाई में सोहसराय थाना अध्यक्ष और उनकी पूरी टीम शामिल रही। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वाहन जांच अभियान के तहत नियमित चेकिंग से इस तरह के आपराधिक गतिविधियों पर नकेल कसने में मदद मिल रही है।

सड़क हादसों के घायल मरीजों की मुफ्त इलाज करते हैं डॉ. रविकांत

निज संवाददाता। गया

किसी भी आपात स्थिति में चिकित्सकीय परामर्श के लिए डॉ. रविकांत से उनके मोबाइल नंबर 9708344940 पर संपर्क किया जा सकता है। भास्कर न्यूज| गया गुरुआ प्रखंड निवासी आयुष चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रविकांत अपने सेवा भाव और मानवीय दृष्टिकोण से समाज में एक मिसाल कायम कर रहे हैं। सड़क हादसों में घायल लोगों के लिए वे एक मसीहा बन चुके हैं, जो बिना कोई शुल्क लिए इलाज कर उन्हें नई जिंदगी दे रहे हैं। गुरुआ क्षेत्र में अक्सर छोटे-बड़े सड़क हादसे होते रहते हैं। कई बार हादसों के बाद घायलों को समय पर इलाज न मिलने से गंभीर स्थिति बन जाती है। लेकिन ऐसे वक्त में डॉ. रविकांत तुरंत मौके पर पहुंचकर घायल का निःशुल्क प्राथमिक उपचार करते हैं और जरूरत पड़ने पर उन्हें बेहतर अस्पताल में रेफर भी कराते हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक डॉ. रविकांत को फोन करते ही वो चाहे दिन हो या रात, तुरंत आ जाते हैं। डॉ. रविकांत का मानना है कि चिकित्सा केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। वे कहते हैं, अगर मेरे इलाज से किसी की जान बच जाती है, तो इससे बड़ी उपलब्धि मेरे लिए कुछ नहीं हो सकती। डॉ. रविकांत आयुष चिकित्सा प्रणाली से जुड़े हैं, जिसमें आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी शामिल है। वे प्राकृतिक तरीकों से भी उपचार करते हैं, जिससे कम संसाधनों में अधिक लोगों को राहत मिल सके। डॉ. रविकांत की निस्वार्थ सेवा ने उन्हें गुरुआ क्षेत्र में एक भरोसेमंद नाम बना दिया है। आमजन ही नहीं, प्रशासनिक अधिकारी भी आपात स्थिति में उनकी तत्परता की तारीफ करते हैं। स्थानीय युवाओं और मेडिकल छात्रों के लिए वे एक प्रेरणा स्त्रोत बन चुके हैं।

खेल प्रशिक्षण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा को मिली मान्यता

निज संवाददाता। नालंदा

बिहार सरकार के खेल विभाग ने पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन स्पोर्ट्स कोचिंग (Post Graduate Diploma in Sports Coaching) को आधिकारिक मान्यता प्रदान की है। यह निर्णय राज्य में खेल प्रशिक्षण के क्षेत्र में नई संभावनाओं के द्वार खोलेगा। नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान (NSNIS) पटियाला से प्राप्त यह डिप्लोमा अब बिहार में पूर्ण मान्यता प्राप्त होगा। इसके साथ ही लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (LNIPE) ग्वालियर से प्राप्त समकक्ष डिप्लोमा को भी मान्यता दी गई है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के मानदंडों के अनुरूपः सरकारी आदेश के अनुसार, यह निर्णय विश्वविद्यालय अधिनियम 2021 के तहत बिहार खेल विश्वविद्यालय राजगीर की स्थापना और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा-2(f) के प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

2025-26 सत्र से लागूः यह नई नीति शैक्षणिक सत्र 2025-26 से प्रभावी होगी। इससे खेल प्रशिक्षण के क्षेत्र में काम करने वाले प्रशिक्षकों और कोचों को बेहतर अवसर मिलेंगे। साथ ही यह निर्णय राज्य में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि यह निर्णय न केवल मौजूदा खेल प्रशिक्षकों के लिए बल्कि भविष्य में इस क्षेत्र में आने वाले युवाओं के लिए भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा।

अमेरिका के वैज्ञानिकों की पहल से शुरू हुई गयाजी में जलवायु-अनुकूलन खेती

निज संवाददाता। गया

अमेरिकी वैज्ञानिकों ने गयाजी के शेरघाटी के नवादा गांव में जलवायु अनुकूलन खेती की पहल की है। राज्य की पहली एग्रीवोल्टिक इंस्टॉलेशन किया है। यह इंस्टालेशन कृषि उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ खेती से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने में एग्रीवोल्टिक की क्षमता को प्रदर्शित करती है। अमेरिका के कार्नेल विवि के वैज्ञानिकों की संस्था टाटा-कॉर्नेल इंस्टीट्यूट फॉर एग्रीकल्चर एंड न्यूट्रिशन (टीसीआई) ने गया के प्रिजर्वेशन एंड प्रोलीफेरशन ऑफ़ रूरल रिसोर्सेज एंड नेचर (प्राण) के साथ मिलकर यह पहल की है। इसमें जैन इरिगेशन सिस्टम्स ने भी सहयोग किया है। टीसीआई के निदेशक प्रभु पिंगाली ने कहा, यह साइट बिहार में एग्रीवोल्टिक और सतत कृषि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो यह दर्शाती है कि जलवायु-अनुकूलन तकनीकें न केवल कार्बन उत्सर्जन में कमी ला सकती हैं, बल्कि फसल उत्पादन के लिए भी लाभकारी हो सकती हैं।

फोटोवोल्टिक तकनीक से खेतीः एग्रीवोल्टिक तकनीक का उद्देश्य कृषि एवं सौर ऊर्जा उत्पादन की प्रक्रियाओं का एकीकरण करते हुए भूमि संसाधनों के लिए उनके मध्य प्रतिस्पर्धा को न्यूनतम करना है, ताकि एक ही भूमि से खाद्य और ऊर्जा दोनों का उत्पादन किया जा सके। एक सामान्य एग्रीवोल्टिक स्थल पर, छाया-सहिष्णु फसलों की खेती सोलर पैनलों के नीचे की जाती है, जो किसानों को फसल उत्पादन के साथ-साथ बिजली का एक विश्वसनीय स्रोत प्रदान करती हैं। हम आशा और अपेक्षा करते हैं कि सौर-ऊर्जा संचालित सिंचाई की उपलब्धता किसानों को फसलें उगाने में सक्षम बनाएगी, जिन्हें वे पहले नहीं उगा सकते थे। इससे उनकी आय में वृद्धि होगी। मिलोराड प्लावसिक, कार्नेल विवि यूएसए यह एक अनोखा प्रोजेक्ट है, जो खेती और सौर ऊर्जा को जोड़ता है। इससे किसान अलग-अलग अंतरफसल अभिकल्प अपनाकर जमीन से अधिक आमदनी ले सकते हैं। साथ ही पानी की बचत और कृषि उत्सर्जन में कटौती भी कर सकते हैं। अनिल वर्मा, निदेशक प्राण कुछ प्रारंभिक मिट्टी के नमूने एकत्र किए गए हैं। सौर पैनल, सिंचाई और विस्तारित फसल उत्पादन साइट की मिट्टी के स्वास्थ्य और उत्पादकता को कैसे प्रभावित करते हैं, इस पर शोध होगा। प्रो हेरोल्ड वैन एस, कॉर्नेल विवि में मिट्टी और जल प्रबंधन के प्रोफेसर

अनाज चक्की भी है संचालित शेरघाटी प्रखंड के नवादा गांव में 20 किलोवाट की सौर ऊर्जा प्रणाली से उत्पन्न बिजली का उपयोग अनाज चक्की को संचालित करने और खेतों की सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों लिए किया जा रहा है। भागीदारी करने वाले किसानों ने इस प्रणाली में सह-वित्तपोषण किया और अब सामूहिक रूप से इसके मालिक हैं। विश्वसनीय और सस्ती सिंचाई की उपलब्धता किसानों को गर्मी में भी फसल उगाने की सुविधा प्रदान करेगी। इन खेतों में ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणालियों का उपयोग किया जा रहा है, जिससे फसल उत्पादन के लिए आवश्यक जल की मात्रा में कमी आती है। किसान अनाज चक्की की सेवाओं के लिए शुल्क लेकर अतिरिक्त आय भी अर्जित करेंगे।

घटना में उपयोग की गयी पल्सर मोटरसाइकिल और कट्टा गांव से बरामद

पुलिस ने ज्वेलरी व्यवसायी पर फायरिंग कांड का किया उद्भेदन, तीन आरोपी गिरफ्तार

निज संवाददाता | डेहरी-ऑन-सोन (रोहतास)

रोहतास जिले के नासरीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत इटिम्हा बाजार में ज्वेलरी व्यवसायी पंचरत्न कुमार पर हुए फायरिंग कांड का पुलिस ने सफलतापूर्वक उद्भेदन करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के पीछे आपसी व्यापारिक विवाद की बात सामने आई है, जिसमें ज्वेलरी व्यवसायी के ही रिश्तेदारों ने हत्या की मंशा से साजिश रची थी। घटना 15 मई को उस वक्त हुई थी, जब पंचरत्न कुमार रोज की तरह अपनी दुकान पर बैठे हुए थे। तभी कुछ अज्ञात अपराधकर्मी उनकी दुकान में घुसे और उन पर फायरिंग कर दी। इस गोलीबारी में वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी, और व्यापारियों में भय का माहौल बन गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए रोहतास पुलिस ने बिक्रमगंज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम का गठन किया। इस टीम में नासरीगंज थानाध्यक्ष के साथ-साथ जिला आसूचना इकाई की तकनीकी टीम को भी शामिल किया गया, ताकि तकनीकी निगरानी के माध्यम से आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी सुनिश्चित की जा सके। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सबसे पहले घटना में प्रयुक्त एक देशी कट्टा और पल्सर मोटरसाइकिल को ग्राम इटिम्हा से बरामद कर लिया। साथ ही घटनास्थल से एक खाली कारतूस (खोखा) और एक पिलेट भी बरामद किया गया, जो इस बात की पुष्टि करता है कि गोलीबारी में प्रयुक्त हथियार देशी निर्मित था। मुख्य अभियुक्त रवि कुमार, जोकि इटिम्हा गांव का रहने वाला है और मृतक व्यवसायी का भतीजा भी है, घटना के बाद फरार हो गया था। पुलिस को मिले गुप्त सूचना और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर उसे 15 जून को गया जिले के फतेहपुर में एक लॉज से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद की गई पूछताछ में रवि कुमार ने पूरे कांड की साजिश का पर्दाफाश कर दिया। मुख्य आरोपी रवि कुमार ने पूछताछ में बताया कि इस वारदात में उसके दोनों भाई नितीश कुमार और रितेश कुमार भी शामिल थे। ये दोनों घटना के दिन 'लाइनर' यानी सहयोगी के रूप में मौजूद थे और घटना को अंजाम देने में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए इन दोनों को भी गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में यह भी सामने आया कि तीनों गिरफ्तार अभियुक्त पंचरत्न कुमार के रिश्तेदार हैं और पूर्व में उनके साथ मिलकर सोने-चांदी का व्यवसाय करते थे। लेकिन पैसे के लेन-देन को लेकर आपसी विवाद बढ़ गया था, जो इस जानलेवा हमले की वजह बना। आपसी रिश्तों और व्यापार में आए तनाव ने इस घटना को जन्म दिया। पुलिस द्वारा की गई प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ कि गिरफ्तार आरोपी पहले भी आपराधिक मामलों में लिप्त रहे हैं। रवि कुमार पर नासरीगंज थाना कांड संख्या 153/23 दिनांक 09 मई 2023 को भारतीय दंड संहिता की धारा 341, 323, 324, 379, 504, 34 के तहत मामला दर्ज है। उनके अन्य आपराधिक इतिहास की जांच भी चल रही है। इस कांड के शीघ्र उद्भेदन और आरोपियों की गिरफ्तारी से न केवल पीड़ित परिवार को न्याय की ओर एक कदम मिला है, बल्कि आमजन में पुलिस के प्रति भरोसा भी बढ़ा है। स्थानीय व्यापारियों और समाज के लोगों ने पुलिस की तत्परता की सराहना करते हुए उम्मीद जताई है कि अपराधियों को कड़ी सजा दिलाई जाएगी। पुलिस अब इस मामले में चार्जशीट की प्रक्रिया तेजी से पूरी कर रही है।

मारपीट मामले में पांच लोग गिरफ्तार

निज संवाददाता | दिनारा (रोहतास)

दिनारा प्रखंड के चितांव गांव में पारिवारिक विवाद ने सोमवार को हिंसक रूप ले लिया, जब पति-पत्नी के आपसी विवाद में दखल देते हुए पत्नी के मायके पक्ष ने पति की बेरहमी से पिटाई कर दी। घटना में पीड़ित पति सुनील साह गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, दिनारा में भर्ती कराया गया। फिलहाल उसकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, सुनील साह और उसकी पत्नी के बीच पिछले कुछ समय से पारिवारिक कलह चल रही थी। इसी सिलसिले में पत्नी ने अपने मायके वालों को सूचना दी, जिसके बाद वे लोग चितांव गांव पहुंचे। दोनों पक्षों के बीच पहले कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। पीड़ित सुनील साह के अनुसार, उसकी पत्नी ने जानबूझकर विवाद को तूल दिया और अपने साथियों के साथ मिलकर उस पर हमला करवाया। घायल सुनील साह ने दिनारा थाना में आवेदन देकर अपनी पत्नी सहित पांच लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है। थानाध्यक्ष के अनुसार, सभी आरोपितों को तत्काल गिरफ्तार कर लिया गया है और उनसे पूछताछ जारी है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आईपीसी की संगत धाराओं के तहत केस दर्ज किया है और आगे की कानूनी कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पति-पत्नी के झगड़े में तीसरे पक्ष की दखल अक्सर स्थिति को और बिगाड़ देती है।

डार्क वेब से साइबर ठगी का रैकेट संचालित करने वाले गैंग का पर्दाफाश, पांच गिरफ्तार

- एक शिकायत से बड़ा रैकेट का खुलासा
- लाखों की नकदी और हथियार बरामद

निज संवाददाता | मोतिहारी

मोतिहारी जिले से संचालित हो रहे एक हाईटेक साइबर ठग गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई की। यह गिरोह डार्क वेब के माध्यम से देशभर में ठगी की घटनाओं को अंजाम दे रहा था। पुलिस ने 5 सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जबकि गिरोह का मास्टरमाइंड समेत तीन अन्य आरोपी अब भी फरार हैं। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने 30 लाख भारतीय रुपये, 1 लाख नेपाली रुपये, दो देसी रिवॉल्वर, नोट गिनने की मशीनें, दर्जनों बैंक दस्तावेज और मोबाइल फोन बरामद किए हैं। यह कार्रवाई साइबर थाना प्रभारी अभिनव पराशर के नेतृत्व में की गई, जिसने पूरे गिरोह की गतिविधियों को तकनीकी निगरानी से ट्रैक किया। पूरे मामले की शुरुआत उत्तर प्रदेश से आई एक शिकायत से हुई, जिसमें 50 हजार रुपये की साइबर ठगी की बात थी। जांच के बाद मोतिहारी के रघुनाथपुर निवासी दीपांशु की पहचान हुई, जिसे गिरफ्तार कर पूछताछ की गई। पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि दीपांशु एक सप्ताह में करीब 70 लाख रुपये कमा चुका था। उसकी निशानदेही पर गिरोह के अन्य सदस्यों सुमित, सत्यम, आयुष, यश और अंश के नाम सामने आए। सुमित के घर से भारी मात्रा में नकदी, नोट गिनने की मशीनें और बैंक दस्तावेज बरामद हुए, जबकि सत्यम के घर से देसी रिवॉल्वर मिले। मीना बाजार से एक अन्य आरोपी दया शंकर को भी पुलिस ने हिरासत में लिया। इस मामले में सबसे चौंकाने वाला नाम पुरुषोत्तम का है, जो घोड़ासहन में जियो मार्ट चला रहा था।

उसकी गिरफ्तारी के बाद यह सामने आया कि उसका पिता भी 2014-15 में साइबर अपराध में जेल जा चुका है। पुरुषोत्तम के पास से 14 लाख रुपये नकद और 1 लाख नेपाली मुद्रा बरामद हुई है। इससे यह स्पष्ट हो गया कि गिरोह लंबे समय से सुनियोजित ढंग से अपराध में लिप्त था। जांच के दौरान पुलिस को यह भी जानकारी मिली कि इस गिरोह का नेटवर्क दिल्ली से ऑपरेट होता था। दिल्ली में सत्यम के रिश्तेदार भाई आयुष, यश और अंश इस नेटवर्क का तकनीकी प्रबंधन करते थे। ये लोग ठगी के जरिए कमाए गए पैसे को 'रियल स्टेट नेटवर्क (RSN)' और क्रिप्टोकरेंसी के जरिए सफेद कर रहे थे। डार्क वेब और वर्चुअल नेटवर्क का इस्तेमाल कर यह गिरोह अपने ठगी के पैसे की ट्रैकिंग को लगभग असंभव बना देता था। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यह गिरोह न केवल आर्थिक रूप से बल्कि तकनीकी रूप से भी अत्यंत विकसित था, जो देश के विभिन्न राज्यों में सक्रिय था। फिलहाल फरार मास्टरमाइंड और अन्य साथियों की तलाश में छापेमारी तेज कर दी गई है। साइबर थाना प्रभारी अभिनव पराशर ने भरोसा दिलाया है कि बहुत जल्द इस पूरे नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया जाएगा। यह मामला न केवल बिहार, बल्कि देशभर में डार्क वेब के माध्यम से हो रही संगठित साइबर ठगी के खतरनाक स्वरूप को उजागर करता है, जिसमें तकनीक, बैंकिंग प्रणाली और अपराध का एक त्रिकोणीय गठजोड़ है। साइबर अपराध की इस नई लहर से निपटने के लिए पुलिस को और भी उन्नत तकनीकी सहायता, प्रशिक्षण और संसाधनों की आवश्यकता है।

मीटर बाईपास कर विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर चार लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

निज संवाददाता | दावथ (रोहतास)

रोहतास जिले के दावथ प्रखंड में विद्युत ऊर्जा चोरी के मामलों को गंभीरता से लेते हुए बिजली विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। गुप्त सूचना के आधार पर दावथ कनीय विद्युत अभियंता अर्जुन कुमार के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल का गठन किया गया, जिसने क्षेत्र में छापेमारी कर बिजली चोरी के मामले का खुलासा किया। जांच के दौरान चार उपभोक्ताओं के खिलाफ मीटर बाईपास कर अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा उपयोग करने के प्रमाण पाए गए, जिसको लेकर संबंधित थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जांच दल की कार्रवाई पंचायत गीधा के नकटोली गांव में की गई, जहां निरीक्षण के दौरान पाया गया कि उपभोक्ताओं ने अपने परिसर में लगे मीटर की सर्विस तारों को काटकर उनमें अतिरिक्त तार जोड़ते हुए मीटर को पूरी तरह बाईपास कर दिया था। इस तकनीकी छेड़छाड़ के कारण वास्तविक बिजली खपत का पठन नहीं हो रहा था, जिससे विभाग के राजस्व को सीधी क्षति हो रही थी। इस मामले में बिजली विभाग ने धरशीला देवी पर 29,598, राज कुमार चौधरी पर 12,961, शिवजी सिंह पर 20,453 और अवधेश सिंह पर 6,059 का जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही चारों के खिलाफ बिजली चोरी अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर विधिक प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। विभागीय अधिकारियों ने यह स्पष्ट किया है कि बिजली चोरी को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बिक्रमगंज के सहायक विद्युत अभियंता राज कुमार ने जानकारी दी कि पूरे अनुमंडल क्षेत्र में विद्युत चोरी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत उपभोक्ताओं के परिसरों में जाकर सर्विस तार, मीटर की सील, मीटर रीडिंग, टेम्परिंग, मीटर बाईपास और बकाया बिलों की विस्तृत जांच की जा रही है। यदि किसी उपभोक्ता के परिसर में मीटर की सील टूटी हुई पाई जाती है, टेम्परिंग या बाईपास का प्रमाण मिलता है, तो उसके खिलाफ तुरंत प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने आगे बताया कि जिन उपभोक्ताओं के ऊपर बिजली बिल बकाया है, उनसे विभाग लगातार संपर्क कर भुगतान की अपील कर रहा है। बावजूद इसके यदि समय पर बिल का भुगतान नहीं किया गया तो विभाग की टीम उनके घर जाकर विद्युत कनेक्शन काट रही है। साथ ही यह चेतावनी भी दी जा रही है कि यदि लाइन कटने के बाद बिना भुगतान और रिकनेक्शन चार्ज जमा किए उपभोक्ता स्वयं से बिजली चालू करते हुए पाए गए, तो उनके खिलाफ आर्थिक दंड के साथ संबंधित थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी। बिजली विभाग की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है।

घर में घुसा चोर रंगेहाथ धराया गृहस्वामी ने पुलिस को सौंपा

करगहर (रोहतास) (नि.सं.)। बड़हरी थाना क्षेत्र में एक चोर को गृहस्वामी ने रंगेहाथ पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। यह घटना बड़हरी बाजार स्थित मंगरु पासवान के घर में घटी, जहां देर रात एक युवक घर में घुसकर चोरी का प्रयास कर रहा था। इस संबंध में थाना प्रभारी विश्वजीत कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि पकड़े गए युवक की पहचान उबधी गांव निवासी श्यामलाल पासवान के पुत्र रुदल पासवान उर्फ रुद्र कुमार (23 वर्ष) के रूप में की गई है। युवक मंगरु पासवान के घर में चुपके से घुस गया और घर में रखे सामानों की चोरी करने लगा। लेकिन तभी गृहस्वामी की नींद खुल गई और उसने तुरंत सतर्कता दिखाते हुए चोर को पकड़ लिया। इसके बाद परिजनों ने बिना देरी किए पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही बड़हरी थाना की टीम मौके पर पहुंची और आरोपी को अपनी हिरासत में ले लिया। पुलिस ने चोर को थाने ले जाकर पूछताछ की और प्राथमिक दर्ज करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

सासाराम में स्मार्ट प्रीपेड मीटर की ओर तेजी से बढ़ा रुझान, 59 हजार से अधिक उपभोक्ताओं ने अपनाया आधुनिक प्रणाली

निज संवाददाता | सासाराम (रोहतास)

रोहतास जिले के सासाराम विद्युत आपूर्ति प्रमंडल में उपभोक्ताओं द्वारा स्मार्ट प्रीपेड मीटर को तेजी से अपनाया जा रहा है। अब तक ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों को मिलाकर कुल 59,690 से अधिक उपभोक्ता इस आधुनिक मीटरिंग व्यवस्था का हिस्सा बन चुके हैं। यह बदलाव न केवल उपभोक्ताओं को पारंपरिक बिजली बिलिंग प्रणाली की झंझटों से राहत दे रहा है, बल्कि उन्हें अपने बिजली खर्च पर बेहतर नियंत्रण का अनुभव भी करा रहा है। विद्युत कार्यपालक अभियंता, सासाराम ब्रवीम के अनुसार, पूरे विद्युत आपूर्ति प्रमंडल को चार उपखंडों में विभाजित किया गया है, जहां पर स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने का कार्य क्रमशः दो प्रतिष्ठित एजेंसियों को सौंपा गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह कार्य इंटेलीस्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी के माध्यम से और शहरी क्षेत्रों में ईडीएफ इंटरनेशनल कंपनी के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। अब तक की प्रगति पर यदि नजर डालें तो बिक्रमगंज उपखंड के ग्रामीण इलाकों में 15,311 मीटर, कोचस क्षेत्र में 10,481, सासाराम ग्रामीण क्षेत्र में 12,098 और बिक्रमगंज तथा सासाराम शहरी क्षेत्रों में कुल 21,800 स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जा चुके हैं। स्मार्ट मीटर को लेकर लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए विद्युत विभाग की ओर से व्यापक स्तर पर जनसंपर्क और प्रचार-प्रसार की रणनीति अपनाई गई है। विभाग के कर्मी घर-घर जाकर लोगों को न केवल स्मार्ट मीटर की उपयोगिता के बारे में जानकारी दे रहे हैं, बल्कि नुक्कड़ नाटक, ऑडियो संदेश और लोक संवाद के जरिए भी उपभोक्ताओं को जागरूक किया जा रहा है। विभाग का उद्देश्य है कि अधिक से अधिक लोग इस सुविधा से जुड़ें और पारंपरिक बिजली बिलिंग की समस्याओं से मुक्ति पाएं। इस अभियान का सबसे प्रभावी पहलू यह है कि उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर के साथ मोबाइल एप्लीकेशन की सुविधा भी प्रदान की जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों के उपभोक्ताओं के लिए 'बिहार ऊर्जा स्मार्ट मीटर ऐप' और शहरी क्षेत्रों के लिए 'बिहार बिजली स्मार्ट मीटर ऐप' उपलब्ध कराया गया है। इन एप्स के माध्यम से उपभोक्ता अपनी बिजली खपत की रोजाना निगरानी कर सकते हैं, रिचार्ज का हिसाब रख सकते हैं और बची हुई राशि की जानकारी भी पल भर में पा सकते हैं। इसके अलावा अगर बिजली सेवा में किसी प्रकार की बाधा आती है या कोई तकनीकी समस्या उत्पन्न होती है, तो उसकी शिकायत भी इसी एप के माध्यम से दर्ज कर समाधान प्राप्त किया जा सकता है। स्मार्ट प्रीपेड मीटर की एक अनोखी विशेषता यह भी है कि इसमें एक 'पुश बटन' सुविधा दी गई है। यह बटन उन परिस्थितियों में बेहद उपयोगी साबित होता है जब उपभोक्ता रिचार्ज करना भूल जाते हैं और बिजली आपूर्ति बंद हो जाती है। ऐसे में उपभोक्ता जैसे ही रिचार्ज कराते हैं लेकिन बिजली तुरंत बहाल नहीं होती, तो वह मीटर में लगे काले रंग के पुश बटन को 20 सेकंड तक दबाकर बिजली की आपूर्ति को पुनः चालू कर सकते हैं। यह सुविधा आपातकालीन परिस्थितियों में उपभोक्ताओं के लिए बहुत सहायक सिद्ध हो रही है। बिजली उपभोक्ताओं के लिए यह स्मार्ट मीटर न केवल सुविधा का साधन बन रहा है, बल्कि यह वित्तीय रूप से भी लाभकारी साबित हो रहा है।

विश्व रक्तदान दिवस पर नारायण मेडिकल कॉलेज जमुहार द्वारा दो दिवसीय रक्तदान शिविर आयोजित

निज संवाददाता | सासाराम (रोहतास)

विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर 14 और 15 जून को नारायण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, जमुहार के सामुदायिक चिकित्सा विभाग की ओर से दो दिवसीय स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य आम जनमानस को रक्तदान के प्रति जागरूक करना और समाज में मानवीय सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करना रहा। इस अभियान के तहत शहरी स्वास्थ्य एवं प्रशिक्षण केंद्र, सासाराम और ग्रामीण स्वास्थ्य एवं प्रशिक्षण केंद्र, अंकोढ़ीगोला में अलग-अलग शिविर लगाए गए। कार्यक्रम का नेतृत्व सामुदायिक चिकित्सा विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. निपेंद्र आनंद, शहरी केंद्र प्रमुख डॉ. श्वेता सुमन और ग्रामीण केंद्र प्रमुख डॉ. भरत ने किया। इन दोनों शिविरों में कुल 16 चिकित्सा कर्मियों एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। रक्तदान करने वालों में प्रमुख रूप से डॉ. निपेंद्र आनंद, डॉ. भरत, डॉ. दीप्तांशु, डॉ. विशाल, डॉ. पुष्पराज, डॉ. संस्कार किशोर, डॉ. सौरभ पटेल, डॉ. अमितेश रंजन, डॉ. अभय शक्ति, डॉ. अंकित कुमार, डॉ. मुकेश चौरसिया, डॉ. रितेश राज, डॉ. प्रिंस, डॉ. बिट्टू, अंकित कुमार और सुधीर कुमार सिंह शामिल रहे। शिविर के दौरान उपस्थित चिकित्सकों ने रक्तदान के चिकित्सकीय लाभों को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि रक्तदान से शरीर में नए रक्त कोशिकाओं का निर्माण होता है, जिससे रक्त संचार प्रणाली मजबूत होती है। यह हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है और रक्त में आयरन की अधिकता से उत्पन्न संभावित समस्याओं को भी दूर करता है। साथ ही रक्तदान से पहले किए जाने वाले निःशुल्क स्वास्थ्य जांच के जरिए रक्तचाप, हीमोग्लोबिन और शरीर की सामान्य स्थिति की जानकारी भी मिलती है। डॉक्टरों ने कहा कि आज के समय में थैलेसीमिया, कैंसर, बड़ी सर्जरी और दुर्घटनाओं में घायल मरीजों के लिए रक्तदान किसी वरदान से कम नहीं होता। जरूरतमंदों के जीवन को बचाने में रक्तदाताओं की भूमिका अमूल्य होती है। कार्यक्रम के समापन पर विभाग की ओर से सभी रक्तदाताओं और आयोजन में सहयोग करने वालों को प्रशस्ति पत्र और घड़ी भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सामुदायिक चिकित्सा विभाग ने समाज के सभी वर्गों से अपील की कि वे आगे आकर नियमित रूप से रक्तदान करें और इस मानवीय कार्य को जनांदोलन का रूप दें। विश्व रक्तदान दिवस पर आयोजित इस आयोजन ने सासाराम और आसपास के क्षेत्रों में रक्तदान के प्रति नई चेतना और उत्साह का संचार किया, जो आने वाले समय में चिकित्सा सेवाओं को सशक्त बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

पुलिस ने एक एनबीडब्ल्यू वारंटी को किया गिरफ्तार

काराकाट (रोहतास) (नि. सं.)। स्थानीय पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए न्यायालय से फरार चल रहे एक वारंटी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। थाना अध्यक्ष भागीरथ कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान रामपुर टोला गच्छई गांव निवासी स्वर्गीय राम एकबाल सिंह के पुत्र श्रीभगवान सिंह के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ व्यवहार न्यायालय बिक्रमगंज से गैर जमानती गिरफ्तारी वारंट (एनबीडब्ल्यू) निर्गत था और वह लंबे समय से फरार चल रहा था। पुलिस को सूचना मिली कि श्रीभगवान सिंह अपने गांव में छिपकर रह रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस की एक टीम गठित कर उसके घर पर छापेमारी की गई, जहां से उसे गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी से पूछताछ की गई और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के उपरांत उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

वज्रपात से 18 घंटे तक गुल रही बिजली

निज संवाददाता | काराकाट (रोहतास)

रविवार को आए तेज तूफान और बारिश के साथ हुई आकाशीय बिजली गिरने से काराकाट प्रखंड क्षेत्र के दर्जनों गांवों और बाजारों में बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। आकाशीय बिजली गिरने की घटना के कारण गोडारी, कारूप, इटिम्हा, तेनुआ, बहुआरा, मोथा, लोरीबांध, चिल्हा, बाद और सुकहरा सहित कई गांवों में करीब 18 घंटे तक अंधेरा पसरा रहा। बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण भीषण गर्मी में ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। रविवार देर शाम आई तेज हवाओं और मूसलधार बारिश के बीच जब बिजली की गड़गड़ाहट के साथ बज्रपात हुआ, तो बिजली विभाग की आपूर्ति लाइनें क्षतिग्रस्त हो गईं। इस दौरान गोडारी सेक्शन में 18 और सकला सेक्शन में 14 इनसुलेटर पूरी तरह पंचर हो गए, जबकि गोडारी में एक किलोमीटर तक का कंडक्टर जमीन पर गिर गया। विभागीय अधिकारियों के अनुसार गोडारी में कुल 30 किलोमीटर और सकला में 40 किलोमीटर लंबा फीडर फैला हुआ है, जिसकी मरम्मत चुनौतीपूर्ण साबित हुई। इस घटना के बाद प्रखंड के गांवों में अफरा-तफरी का माहौल रहा। उमस भरी गर्मी में बिजली गुल रहने से बच्चों और बुजुर्गों की हालत अत्यंत खराब हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि पूरी रात गर्मी में तड़पते हुए गुजरी। पंखा, कूलर और पानी की मोटर ठप पड़ जाने से लोग गर्मी और बेचैनी से बेहाल दिखे।

खासकर छोटे बच्चे और बीमार लोगों को अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि इलाके में हर बार हल्की बारिश या हवा में भी बिजली बाधित हो जाती है। विभाग द्वारा लाइन की स्थायित्व और मरम्मत पर ध्यान नहीं देने के कारण ऐसी समस्याएं बार-बार होती हैं। कई लोगों ने यह भी कहा कि बिजली व्यवस्था की अनियमितता उनके रोजमर्रा के जीवन को बार-बार प्रभावित करती है। वहीं बिजली विभाग के एसडीओ राजू कुमार ने बताया कि बज्रपात के कारण दो बड़े सेक्शनों को नुकसान पहुंचा है, लेकिन विभाग की टीम ने बिना देर किए सोमवार सुबह कनिष्ठ अभियंता और तकनीकी कर्मचारियों को मौके पर भेजा, जहां टूटे कंडक्टर और पंचर इनसुलेटर की मरम्मत कर आपूर्ति बहाल की गई। जैसे ही बिजली बहाल हुई, ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। एसडीओ ने यह भी कहा कि क्षेत्र में बिजली संरचना को मजबूत और अधिक टिकाऊ बनाने की दिशा में विभाग लगातार प्रयास कर रहा है, ताकि भविष्य में इस तरह की समस्याओं को न्यूनतम किया जा सके। हालांकि, ग्रामीणों की मांग है कि बिजली की लाइनों की नियमित जांच और पूर्व मरम्मत की व्यवस्था की जाए, ताकि छोटी-छोटी घटनाएं भी बड़ी समस्या न बनें।

दो लीटर शराब के साथ महिला गिरफ्तार

निज संवाददाता | दिनारा (रोहतास)

जिले के दिनारा थाना क्षेत्र के चितांव गांव में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को एक अहम सफलता मिली है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में पुलिस ने एक महिला शराब कारोबारी को गिरफ्तार कर उसके पास से दो लीटर देसी महुआ शराब बरामद की है। गिरफ्तार महिला की पहचान सोनी कुमारी, पति छोटेलाल मुसहर के रूप में हुई है। दिनारा थाना अध्यक्ष विनय कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि चितांव गांव में एक महिला द्वारा अवैध रूप से देसी शराब की बिक्री की जा रही है। त्वरित कार्रवाई करते हुए टीम ने छापेमारी कर महिला को मौके से गिरफ्तार कर लिया। बरामद शराब को जब्त कर लिया गया है और महिला के विरुद्ध बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि थाना क्षेत्र में अवैध शराब के धंधे पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए पुलिस प्रतिबद्ध है। लगातार छापेमारी अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शराब कारोबार में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वह पुरुष हो या महिला। सभी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की इस कार्रवाई से चितांव समेत आसपास के इलाकों में अवैध शराब कारोबारियों में दहशत का माहौल है। स्थानीय ग्रामीणों ने भी पुलिस की सक्रियता की सराहना की है और उम्मीद जताई है कि ऐसे अभियान से गांवों में चल रहे अवैध धंधे पर पूरी तरह लगाम लगेगी। थानाध्यक्ष विनय कुमार ने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि यदि किसी को अपने आसपास अवैध शराब के निर्माण, भंडारण या बिक्री की जानकारी हो, तो तत्काल पुलिस को सूचना दें।

40 लीटर देसी महुआ शराब बरामद

निज संवाददाता | संझौली (रोहतास)

जिले के संझौली थाना क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार के विरुद्ध पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने चरपुरवा गांव में छापेमारी कर 40 लीटर देसी महुआ शराब बरामद की है। हालांकि, पुलिस की दबिश की भनक मिलते ही अवैध शराब कारोबारी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने बरामद शराब को कब्जे में लेकर संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। वहीं फरार कारोबारी की पहचान कर ली गई है और उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। थानाध्यक्ष शिव कुमार मंडल ने बताया कि अवैध शराब के खिलाफ छेड़े गए विशेष अभियान के तहत संझौली थाना क्षेत्र में लगातार कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि शराब कारोबार से जुड़े किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस सूत्रों के अनुसार, क्षेत्र में लंबे समय से अवैध रूप से देसी शराब निर्माण और बिक्री की शिकायतें मिल रही थीं। इसी क्रम में चरपुरवा गांव में एक विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। जब पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तो वहां बड़ी मात्रा में देसी महुआ शराब तैयार की गई अवस्था में बरामद हुई, जिसे मौके पर ही जब्त कर लिया गया। जबकि शराब कारोबारी पहले ही फरार हो चुका था। थानाध्यक्ष ने कहा कि शराबबंदी कानून का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने और अवैध धंधे पर पूर्ण विराम लगाने के लिए पुलिस तत्पर है। उन्होंने आम जनता से भी अपील की है कि यदि कहीं अवैध शराब का निर्माण, भंडारण या बिक्री हो रही है तो इसकी सूचना पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

सीपीआई रोहतास का 16वां जिला सम्मेलन संपन्न

निज संवाददाता | करगहर (रोहतास)

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) का 16वां जिला सम्मेलन रविवार को देर शाम करगहर के ऐतिहासिक शिवमंदिर प्रांगण में धूमधाम से आयोजित किया गया। इस जनसम्मेलन में जिले भर से सैकड़ों कार्यकर्ता और प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत शहीद बेदी पर झंडोत्तोलन और पुष्प अर्पण से हुई, जिसके बाद बाइक रैली निकाली गई, जिसमें पार्टी कार्यकर्ताओं ने अपनी एकजुटता और मांगों को लेकर हुंकार भरी। सम्मेलन के दौरान आयोजित प्रतिनिधि सभा में वक्ताओं ने वर्तमान सरकार की जनविरोधी नीतियों पर सवाल उठाते हुए विभिन्न मुद्दों पर अपनी बातें रखीं और करगहर एवं रोहतास के सर्वांगीण विकास की मांग की। प्रतिनिधियों ने करगहर में मेडिकल कॉलेज खोलने, कोचस को अनुमंडल और परसथुआ को प्रखंड का दर्जा देने, सभी सीएससी को सीएचसी में अपग्रेड करने, महिला डॉक्टर, सर्जन और स्पेशलिस्टों की नियुक्ति सुनिश्चित करने, साथ ही बेहतर दवा व्यवस्था लागू करने की मांग की। रेल सुविधा को लेकर सासाराम-बक्सर और मुण्डेश्वरी रेलवे लाइन निर्माण, साथ ही बंद पड़े डालमियानगर रेल कारखाना को दोबारा शुरू करने की मांग रखी गई। किसानों को लाभकारी मूल्य और एमएसपी को कानूनी दर्जा देने, मजदूरों के लिए 44 पुराने श्रम कानून बहाल करने तथा मनरेगा के तहत साल में 200 दिन काम और 700 रुपये दिहाड़ी सुनिश्चित करने की मांग की गई। जर्जर सड़कों के पुनर्निर्माण, करगहर-पटना बस सेवा शुरू करने, करगहर बाजार में सामुदायिक शौचालय और मार्केट कॉम्प्लेक्स बनाने, स्टेडियम निर्माण, बिजली फीडर को अलग करने और 200 यूनिट बिजली हर माह मुफ्त देने जैसी लोकहितकारी मांगें भी जोर-शोर से उठाई गईं। वृद्धा, विधवा और दिव्यांग पेंशन को 3000 प्रतिमाह, बेरोजगारों को 10000 बेरोजगारी भत्ता, भूमिहीनों को पांच डिसमिल जमीन और पक्का मकान, सोन जलाशय निर्माण और नहरों के आधुनिकीकरण की मांगें भी रखी गईं। साथ ही व्यवसायियों की सुरक्षा को लेकर एक आयोग गठन की भी मांग की गई। सम्मेलन की अध्यक्षता सीपीआई अंचल सचिव महेन्द्र प्रसाद गुप्ता ने की। मुख्य अतिथि के रूप में सीपीआई बिहार के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय उपस्थित रहे, जिनका स्वागत चांदी का मुकुट पहनाकर किया गया। अन्य प्रमुख उपस्थितियों में राज्य कार्यकारिणी सदस्य रविन्द्र नाथ राय, बिहार किसान सभा प्रदेश अध्यक्ष सीताराम शर्मा, एआईवाईएफ के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव विजेन्द्र केशरी, पूर्व राज्य अध्यक्ष डॉ. सुधीर कुमार, जिला सचिव ब्रजमोहन सिंह और खेत मजदूर यूनियन के जिलाध्यक्ष श्रीराम राय शामिल थे। सम्मेलन के अंत में कार्यकर्ताओं ने यह संकल्प लिया कि वे जनहित के मुद्दों पर संघर्ष जारी रखेंगे और स्थानीय जनता की मांगों को लेकर सरकार पर दबाव बनाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

गंगा नदी पर बना पीपा पुल बंद

पटना (नि.सं.)। हर साल की तरह इस साल भी गंगा नदी पर बने करोड़ों रुपए की लागत से तैयार पीपा पुल को मानसून को देखते हुए बंद करने का फैसला लिया गया है। आज वैशाली में बिदुपुर राघोपुर को जोड़ने वाली बिदुपुर प्रखंड क्षेत्र के चकौसन-जिमदारी घाट गंगा नदी पर स्थित पीपा पुल को 16 जून 2025 से बंद करने का नोटिस जारी किया गया है। यह नोटिस बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड (बीआरपीएनएल) के वरीय परियोजना अभियंता, मुजफ्फरपुर ने जारी किया है। यह पुल बिदुपुर से राघोपुर होते हुए पटना जाने का सुगम मार्ग है। पुल बंद होने के बाद यात्रियों को गांधी सेतु पुल के रास्ते से पटना जाना होगा। स्थानीय ग्रामीणों ने चिंता जताई है कि पीपा पुल के बंद होने से गांधी सेतु पुल पर यातायात का दबाव बढ़ेगा। पहले पीपा पुल की वजह से गांधी सेतु पर जाम की स्थिति कम रहती थी। इसी पीपा पुल से हर गाड़ी जैसे कार, ऑटो और बाइक से लोग गुजरते थे। हर साल मानसून के कारण नदी में जलस्तर बढ़ जाता है। जिसके कारण पीपा पुल पर किसी हादसे को रोकने के लिए इसे कुछ महीनों के लिए खोल दिया जाता है। अधिकारियों ने बताया कि पुल को एक-दो दिन बाद हटाया जा सकता है। पुल को बाद में दोबारा खोलने की प्रक्रिया की जाएगी। बीआरपीएनएल द्वारा जारी नोटिस (दस्तावेज संख्या BRPNNL/MUZ/C029/745, प्रकाशन संख्या 005822 (8&C) 25-26) में यात्रियों से वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करने का अनुरोध किया गया है।

सांसद का लापता बेटा सकुशल बरामद

मधुबनी (नि.सं.)। बिहार में मधुबनी सांसद डॉ. अशोक यादव का बेटा उनके बंगालीटोला स्थित आवास से लापता 24 वर्षीय बेटा विभुति यादव को पुलिस ने सकुशल बर्मद कर लिया औअर 24 घंटे के अंदर घर पहुंच है। विदित हो कि रविवार की सुबह मधुबनी सांसद के लहेरियासराय थाना क्षेत्र में बंगालीटोला स्थित आवास से उनका पुत्र लापता हो गया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, उनका 24 वर्षीय बेटा विभूति यादव दिल्ली में रहकर पढ़ाई करता है। परसों रात ही वह अपने पिता के साथ दरभंगा लौटा था। रविवार की सुबह वह काले रंग का हाफ पैंट और टीशर्ट पहन कर अपने आवासीय परिसर में टहल रहा था। सुबह करीब 8:00 बजे सांसद के आवास का गार्ड किसी काम से बाजार निकला और जल्द ही लौटकर आ गया। इसी बीच विभूति गायब हो गया। उसका पर्स और मोबाइल भी घर में ही रखा था। पहले तो परिजनों ने इंतजार किया और फिर अपने स्तर से खोजबीन का प्रयास किया। अंत मे थककर पुलिस को सूचना दी गई।

बिहार में 1172 अपराधी चिन्हित

पटना (नि.सं.)। बिहार पुलिस ने अवैध संपति अर्जित करनेवाले अपराधियों की लिस्ट तैयार कर ली है। जिसमें 11 सौ से ज्यादा लोगों के नाम हैं। आज डीजीपी विनय कुमार ने बताया कि लिस्ट पर कार्रवाई को लेकर कोर्ट के पास प्रस्ताव भेजा गया है। कोर्ट से अनुमति मिलते ही पुलिस की कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी। आज पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने बिहार में अपराध के ग्राफ, संपत्ति जब्ती को लेकर पुलिस की तैयारी के साथ सिवान में प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर बात की। अपराधियों के संपत्ति जब्ती को लेकर उन्होंने कहा कि सभी जिले से रिपोर्ट आ गई है और अभी तक 1172 अपराधी चिन्हित किए गए हैं। इन लोगों ने संपत्ति का अर्जन किया है। जिनमें 188 अपराधियों के संपत्ति जब्त को लेकर न्यायालय में प्रस्ताव भेजा जा चुका है। 4 अपराधियों के संपत्ति जप्त को लेकर न्यायालय ने आदेश पारित कर दिया है। डीजीपी ने बताया कि विभाग में भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम जारी है। निगरानी के द्वारा अभी तक दो दर्जन से अधिक भ्रष्टाचार पुलिस पदाधिकारी को पकड़ा जा चुका है। यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। बिहार में एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया में तेजी आई है. पिछले साल के मुकाबले इस साल प्रथमिक दर्ज ज्यादा हुए हैं। साथ ही स्पीडी ट्रायल काफी तेजी से कराए जाने का प्रयास किया जा रहे हैं। डीजीपी ने कहा कि आर्म्स एक के तहत जो अपराधी जमानत पर बाहर निकले हैं और अपराध करते हैं तो उनकी जमानत रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। साइबर फ्रॉड को लेकर के भी लगातार काम किया जा रहा है लोगों को चिन्हित किया जा रहा है कि कौन-कौन से लोग इस फ्रॉड में शामिल हैं उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है सभी जिलों में साइबर थाना को ले जाने के लिए कार्रवाई की जा रही है डीजीपी ने बिहार के क्राइम ग्राफ पर सफाई देते हुए बताया कि 2004 की तुलना में हत्या के मामलों में गिरावट हुई है। उन्होंने बताया कि 2004 के आसपास 4000 हत्याएं हुई। आज के डेट में 2400 हत्याएं हुई। हत्या को 2004 से 2024 से कंपेयर कीजिए तो वो कम है। संख्या के दृष्टिकोण से हत्याएं कम हुई हैं। एक भी हत्या साल में होगा तो सहने लायक नहीं है। सबको जीने का अधिकार है। Undesirable है ये। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर बीजेपी का बड़ा बयान कहां पूरी तैयारी चल रही है सुरक्षा के सभी स्तर पर इंतेजामत किया जा रहे हैं। पुलिसकर्मियों के साथ-साथ अधिकारियों के प्रति नियुक्ति भी की जा रही है।

जमीन विवाद में भतीजे की हत्या

पूर्णिया (नि.सं.)। पूर्णिया के टीकापट्टी थाना क्षेत्र के गोरियार गांव में एक कट्ठा जमीन को लेकर चल रहे 15 साल पुराने विवाद में चाचा ने भतीजे को कुदाल से काट डाला। चाचा ने भतीजे पर धारदार कुदाल से एक के बाद एक कई जानलेवा वार किए, जिसमें अस्पताल ले जाने के क्रम में भतीजे की मौत हो गई। चाचा वारदात को अंजाम देने के बाद से फरार है। मृतक की पहचान टीकापट्टी थाना क्षेत्र के गोरियार गांव निवासी आमोद यादव के बेटे छोटू यादव (23) के रूप में हुई है। घटना की जानकारी देते हुए मृतक के पिता आमोद यादव ने बताया कि गांव की एक कट्ठा जमीन को लेकर पिछले 15 साल से आमोद यादव और उनके छोटे भाई दीपेश यादव के बीच विवाद चल रहा है। इसी बात में दीपेश यादव ने उनके ऊपर कुदाल से हमला कर दिया था। इसके बाद 2014 में उसने पत्नी पर हमला कर दिया था, जिससे वो गंभीर रूप से घायल हो गई थी। दोनों ही घटनाओं में पंचायत बैठी। इसके बाद पंचायत में आपस में सुलह कर मामले को रफा दफा करने का निर्णय हुआ। पिछले कुछ दिनों से एक बार फिर से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था, जिसमें उनके छोटे बेटे ने अपने चाचा का विरोध किया था। रविवार रात उनका छोटा बेटा छोटू यादव छत पर सोया था। तभी मेरे छोटे भाई दीपेश यादव ने उसके चेहरे पर धारदार कुदाल से हमला कर दिया। उसने एक के बाद एक कई जानलेवा वार किया। बेटे की चीखने व चिल्लाने की आवाज सुनकर वे लोग जब तक छत पर पहुंचे, दिनेश यादव भाग चुका था। बेटे की नाजुक हालत को देखते हुए वे आनन - फानन में GMCH पूर्णिया लिए पहुंचे, जहां अस्पताल पहुंचने से पहले ही बेटे ने दम तोड़ दिया। इधर वारदात के बाद से परिजनों में चीख पुकार मची है।

सुविधाओं के लिए ग्रामीणों का धरना शुरू

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

अनुमंडल कार्यालय परिसर के बाहर हरदिया पंचायत स्थित फुलवरिया डैम के पार चोरडीहा, कोसदरिया, झराही, पिछली टोला जमुनदाहा, चरघरवा, सुअरलेट, कुंभियातरी, मरमो, पिपरा, परतौनिया एवं डेलवा के लगभग 500 से अधिक ग्रामीणों ने सोमवार को बिजली, पानी, सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं से संबंधित 11 सूत्री मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किए। धरना प्रदर्शन से पूर्व सभी ग्रामीण महिला, पुरुष व बुजुर्ग के साथ छोटे-छोटे बच्चे भीषण गर्मी में प्रखंड कार्यालय में एकत्रित हुए, उसके बाद नारेबाजी करते हुए वे अनुमंडल कार्यालय के समीप पहुंचे। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे चोरडीहा गांव निवासी रामबालक प्रसाद यादव ने बताया कि आजादी के 75 वर्ष बीत जाने के बावजूद प्रखंड मुख्यालय से महज़ 20 से 25 किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित डैम पार के 10 गांवों में बुनियादी सुविधाओं की घोर कमी है। ऐसा नहीं है कि ग्रामीणों द्वारा पहली बार अपने गांव के विकास की मांग उठाई जा रही है। उन्होंने बताया कि मुखिया, बीडीओ, एसडीओ, डीडीसी, डीएम, विधायक एवं सांसद समेत बिहार सरकार के ग्रामीण मंत्री तक को ग्रामीण मिलकर बीते 10 वर्षों से पत्राचार पर पत्राचार किए जा रहे हैं। किंतु अबतक किसी प्रकार का समाधान नहीं निकाला गया है, इससे लगभग 11000 ग्रामीण विकास की दौड़ में काफी पीछे छूट गए हैं। उन्होंने कहा कि उक्त गांवों के बच्चों ने अबतक बिजली भी नहीं देखी है। साथ ही बताया कि बीते वर्ष 2018 में एल एंड टी कंपनी के द्वारा सोलर प्लेट और बैटरी लगाकर अंधेरा दूर करने का प्रयास किया गया था, किंतु बैटरी खराब होने के बाद उसे बनाने वाला कोई नहीं है और ना ही रजौली बाजार में उनकी खराबियों को दूर किया जा सकता है। इस बात की भी शिकायत बिजली अधिकारी समेत अन्य अधिकारियों को दी गई थी, किंतु ग्रामीणों की आवाज को अनसुना करके पदाधिकारी और प्रतिनिधि हमसभी को पुनः अंधेरे में धकेल दिए हैं। वहीं धरना प्रदर्शन के सचिव अशोक घटवार समेत विनोद मांझी, नीरज सिंह, रामबिलास सिंह, शंभू मांझी, लक्ष्मण मांझी, गौरवा देवी एवं मंग़री देवी ने बताई कि बीते 20 वर्षों से बिहार में नीतीश कुमार की सुशासन की सरकार है। साथ ही बताया कि अभी राज्य एवं देश में एनडीए के साथ नीतीश सरकार है। किंतु उनकी शोषणकारी नीतियों के चलते गरीब और गरीब होते जा रहे हैं एवं आम जनता परेशान है। हमारे गांवों में सड़क, बिजली, पेयजल, अस्पताल, राशन, सिंचाई के साधन एवं बच्चों की शिक्षा को लेकर 16 जून से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं।

गांव का विकास शादी में बन रहा है बाधाः

फुलवरिया डैम पार के गांवों में सड़क एवं बिजली की घोर समस्या है। इसके सड़क नहीं होने से ग्रामीणों को अपना इलाज करवाने से लेकर अन्य जरूरी कार्यों से मुख्यालय आनेजाने में एक दिन का समय बर्बाद हो जाता है। इससे नौनिहालों के पठन-पाठन तो प्रभावित होता ही है। इसके अलावे गांव के युवक-युवतियों की शादी में भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीण मंगरी देवी ने बताई कि उनकी बेटी के लिए एक जगह रिश्ता तय हुआ था, किंतु गांव में बुनियादी सुविधाओं की कमी को देखकर रिश्ता टूट गया। उन्होंने कहा कि गांव के कई युवकों का भी रिश्ता गांव में व्याप्त बदहाली के कारण अच्छे घरों में नहीं हो पा रहा है।

क्या है मांगे :

धरना प्रदर्शनकारियों की 11 सूत्री मांगों में सभी गांवों में बिजली, पेयजल व सिंचाई, सुअरलेटी व चोरडीहा में जनवितरण प्रणाली द्वारा राशन वितरण, चोरडीहा से नावाडीह होते हुए झराही तक 5 किमी की पक्की सड़क, चोरडीहा से डेलवा स्टेशन व झराही स्टेशन तक 5 किमी की पक्की सड़क, सतगीर से पिछली जमुनदाहा तक 10 किमी की पक्की सड़क, महादलित परिवारों को 4-4 डिसमिल जमीन, एयरटेल टावर एवं झराही ललमटिया में रेलवे हॉल्ट का निर्माण के अलावे सभी गांवों के बीच एक उच्च विद्यालय की स्थापना शामिल है।

मांगे नहीं पूरा होने पर विधानसभा चुनाव का किया जाएगा बहिष्कार :

धरना प्रदर्शन में शामिल महिलाओं एवं पुरुषों ने कहा कि हमारी मांगों को पूरा नहीं किए जाने पर आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में डैम पार स्थित मतदान केन्द्रों डेलवा, पिछली जमुनदाहा एवं सुअरलेटी में एक भी मत ग्रामीणों द्वारा नहीं दिया जाएगा। मतदान केंद्र डेलवा में 900 से अधिक, पिछली जमुनदाहा में 650 से अधिक एवं सुअरलेटी में 700 से अधिक मतदाताएं हैं।

जिलाधिकारी के आश्वासन के बाद भी ग्रामीणों ने किया धरना प्रदर्शन :

इसी माह के 4 तारीख को चोरडीहा गांव में डॉ. अम्बेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत महादलित टोला में एक शिविर का आयोजन किया गया था। इस शिविर में प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों के विभिन्न 22 टेबलों पर ग्रामीणों द्वारा कुल 181 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें 98 का निष्पादन ऑन द स्पॉट कर दिया गया था। शेष का निष्पादन अतिशीघ्र किए जाने की बात कही गई थी। इस दौरान जिलाधिकारी नवादा रवि प्रकाश शिविर के औचक निरीक्षण में पहुंचे थे, जहां उन्होंने आमलोगों से बातचीत कर बुनियादी सुविधाओं को लेकर आश्वासन भी दिया गया था। किंतु आश्वासन के बाद 10 दिनों तक किसी भी प्रकार की प्रतिक्रिया नहीं देख ग्रामीणों ने अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करने को मजबूर हो गए। ग्रामीणों को अपना कम किंतु अपने बच्चों के भविष्य की ज्यादा चिंता है। लोग कहते नजर आए कि हमसभी तो अपनी जिंदगी जैसे-तैसे काट लिए, लेकिन हमारे बच्चों का भविष्य उज्ज्वल हो, इसके लिए हमलोगों को ही आगे आना होगा।

दखल देहानी मामले में बांके मोड़ में चला प्रशासन का बुलडोजर

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

थाना क्षेत्र के बांके मोड़ स्थित एक भूमि पर दखल देहानी मामले में सोमवार को सीओ मो. गुफरान मजहरी एवं थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार के नेतृत्व में पर्याप्त संख्या में महिला-पुरुष बलों के साथ बुलडोजर के सहयोग से कार्रवाई की गई। किंतु द्वितीय पक्ष के अत्यधिक विनती किए जाने पर पदाधिकारियों ने दखल देहानी मामले में पूर्णतः कार्रवाई नहीं किया और द्वितीय पक्ष को एक सप्ताह अतिरिक्त समय दिया गया। सीओ ने बताया कि अंचल क्षेत्र के बांके मोड़ स्थित मौजा रामदासी, थाना संख्या 182, खेसरा संख्या 152 के एक भूमि पर बाजार के दो लोगों सुखदेव साव और दयानंद साव के बीच विवाद था। भूमि पर दखल दिलाने हेतु बेदखली वाद संख्या 01/2023-24 चलाया गया। किंतु कब्जाधारी द्वारा कब्जा वाली भूमि को कब्जा से मुक्त नहीं किए जाने पर दखल दिलाने हेतु दंडाधिकारी और पुलिस बलों की प्रतिनियुक्ति की गई थी।

बारिश से पूर्व ही एन.एच-20 के बगल के खेतों और आवासीय परिसर में जल जमाव से लोग परेशान

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

नगर पंचायत क्षेत्र के बाईपास से लेकर कलाली मोड़ तक एनएच-20 के बगल से गुजरने वाली नाली में हो रहे रिसाव के कारण खेती और आवासीय परिसर में विगत कई महीनों से जल का जमाव हो चुका है। इसको लेकर नगर पंचायत प्रशासन से लेकर एसडीओ तक को लिखित आवेदन दिया जा चुका है। बावजूद अबतक किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं हुई है। ऐसे में सीमांत किसानों की भूमि जल-मग्न होने पर उन्हें आर्थिक नुकसान सहना पड़ रहा है। पुरानी बस स्टैंड के विक्की कुमार, प्रकाश कुमार, विजय चौधरी समेत अन्य लोगों ने बताया कि उनके खेत एन.एच-20 के बगल में है। एन.एच द्वारा बनाई गई नालियों में बरती गई अनियमितता के कारण शुरुआती दिनों से रिसाव हो रहा है। इस रिसाव के कारण उनके खेतों में पानी भर गया है, जिसके कारण उन्हें अपनी खाली भूमि में मूंग, अरहर समेत अन्य फसलों के उत्पादन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं तरवन्ना मोहल्ला के लोगों ने कहा कि उनके आवासीय परिसर के समीप गंदे पानी के जमाव से उनका जीवन नरकीय हो गया है। वे जलजनित विभिन्न रोगों के प्रभाव में आ रहे हैं। बच्चों में उल्टी और दस्त के अलावे टायफायड एवं डेंगू जैसे गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं। वहीं भीषण गर्मी में जब वे ठंड के लिए खिड़की खोलते हैं, तो शुद्ध और ठंडी हवा के बजाय बदबूदार हवाएं घर में फैल जाती है। इसको लेकर नगर पंचायत प्रशासन द्वारा किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की गई है। हालांकि नगर पंचायत रजौली में बेहतरीन ड्रेनेज सिस्टम को लेकर सोशल मीडिया पर तरह तरह की खबरें देखने और सुनने को तो मिलती है। लेकिन जमीन पर योजनाएं कब तक आएंगी, इसका इंतजार लोग बहुत ही बेसब्री से कर रहे हैं।

क्या कहते हैं पदाधिकारी :

इस बाबत नगर पंचायत पदाधिकारी राजेश ने बताया कि आवेदन प्राप्त हुआ है, जेई को जांच के लिए निर्देशित किया गया है। जांच-पड़ताल के बाद प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार उचित कार्रवाई की जाएगी।

सड़क की बदहाली पर ग्रामीणों में रोष, घोटाले का आरोप

निज संवाददाता | रजौली

रजौली प्रखंड के पचम्बा गांव से गिरगी चपहेल गांव तक की ग्रामीण सड़क की बदहाली को लेकर ग्रामीणों में गहरा रोष व्याप्त है। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क निर्माण में अनियमितताएं बरती गई हैं और मरम्मती के नाम पर लाखों रुपये का गबन किया गया है। यह सड़क आज भी जर्जर हालत में है, जिससे स्थानीय लोगों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सड़क की बदहाली और भ्रष्टाचार के आरोपः

ग्रामीणों सुरेश यादव, कपिलदेव यादव, नारायण यादव, भानु यादव, सत्येंद्र कुमार और समाजसेवी जयपाल यादव ने बताया कि ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता अरविंद कुमार ने 19 नवंबर 2019 को संवेदक विकास कुमार द्वारा पचम्बा से गिरगी चपहेल तक अलकतरा युक्त पक्की सड़क का निर्माण करवाया था। इस कार्य की समाप्ति 18 अगस्त 2020 को हुई थी। हालांकि, ग्रामीणों का आरोप है कि 19 अगस्त 2020 से 18 अगस्त 2025 तक के मरम्मती कार्य के लिए आवंटित सरकारी धन का कार्यपालक अभियंता और ठेकेदार ने मिलकर घोटाला कर लिया है। ग्रामीणों के अनुसार, सड़क निर्माण के एक साल के भीतर ही जर्जर हो गई और आज तक उसकी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। इस जर्जर सड़क के कारण आवागमन में तो कठिनाई हो ही रही है, कई गंभीर सड़क दुर्घटनाएं भी हुई हैं। बारिश के दिनों में यह सड़क कीचड़ युक्त हो जाती है, जिससे ग्रामीणों को रजौली मुख्यालय स्थित अस्पताल, बैंक, थाना और प्रखंड कार्यालय तक पहुंचने में भी काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

शिकायत और कार्रवाई की मांगः

समाजसेवी जयपाल यादव ने बताया कि उन्होंने इस मामले को लेकर अनुमंडलीय लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी के पास शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत पर सुनवाई करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी स्वतंत्र कुमार सुमन ने बीते 31 मई को कार्यपालक अभियंता को एक माह के भीतर सड़क की मरम्मती करवाने का निर्देश दिया है। हालांकि, आदेश के 15 दिन बाद भी पचम्बा से गिरगी चपहेल वाली सड़क में किसी प्रकार का मरम्मती कार्य शुरू होता नहीं दिख रहा है। धमनी पंचायत के दर्जनों ग्रामीणों ने भी अपनी पंचायत की सड़कों की बदहाली का जिक्र किया है। उनका कहना है कि कई सड़कें एक बार बनकर जर्जर हो चुकी हैं और मरम्मती का इंतजार कर रही हैं। ग्रामीणों ने उच्चाधिकारियों से इस मामले की जांच की मांग की है, ताकि बड़े पैमाने पर हुए गबन का पर्दाफाश हो सके।

रोजाना की जद्दोजहद में रहता है दुर्घटनाओं का जोखिमः

इस जर्जर सड़क के कारण ग्रामीण क्षेत्र का जीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है। आवागमन में तो भारी कठिनाई हो ही रही है, लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं ने ग्रामीणों को डरा दिया है। विशेष रूप से बारिश के दिनों में यह सड़क कीचड़ और बड़े-बड़े गड्ढों से भर जाती है, जिससे पैदल चलना भी दूभर हो जाता है। ग्रामीणों को रजौली मुख्यालय स्थित अस्पताल, बैंक, थाना और प्रखंड कार्यालय तक पहुंचने में घंटों मशक्कत करनी पड़ती है। आपातकालीन स्थिति में मरीजों को अस्पताल ले जाना किसी चुनौती से कम नहीं है, जिससे कई बार जान का जोखिम भी बढ़ जाता है। किसानों को अपनी फसल बाजार तक पहुंचाने में भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान भी हो रहा है।

क्या कहते हैं कार्यपालक अभियंता :

इस संबंध में ग्रामीण पथ निर्माण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता ई.अरबिन्द कुमार ने बताया कि इस प्रकार की सड़क के बारे में हमें जानकारी नहीं है। पहले सड़क के बारे में जानकारी लेते हैं, उसके बाद ही कुछ कह सकते हैं। जबकि लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी सह अनुमंडल दंडाधिकारी स्वतंत्र कुमार के द्वारा 31 मई को मरम्मती कराने का आदेश पारीत किया गया। बावजूद उनका यह अधूरा और गोलमोल जवाब ग्रामीणों के आरोपों को और बल देता है। उनकी चुप्पी कई अनसुलझे सवालों को जन्म देती है, और यह संदेह पैदा करती है कि क्या वे इस कथित भ्रष्टाचार में संलिप्त हैं या केवल प्रशासनिक लापरवाही के शिकार हैं।

बस से शराब के साथ एक युवक गिरफ्तार, 15 शराबी भी हिरासत में

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

थाना क्षेत्र के चितरकोली स्थित समेकित जांच चौकी पर उत्पाद बलों ने जांच के क्रम में बस पर सवार एक युवक के पास से एक बोतल शराब बरामद किया। उत्पाद अधीक्षक अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि जांच चौकी पर उत्पाद एसआई राजेश कुमार पटेल के नेतृत्व में झारखंड की ओर से आनेवाली प्रत्येक छोटी एवं बड़ी वाहनों की सघन जांच उत्पाद बलों के सहयोग से की जाती है। सोमवार की सुबह जांच के क्रम में एक यात्री बस की जांच उत्पाद एएसआई राज किशोर के द्वारा की जा रही थी। इसी बीच बस में सवार एक यात्री के पास से 600 एमएल के एक बोतल शराब बरामद किया गया। वहीं शराब के साथ गिरफ्तार युवक की पहचान अकबरपुर थाना क्षेत्र के रूनीपुर गांव निवासी उमेश मांझी के पुत्र योगेन्द्र मांझी के रूप में हुई है। वहीं दूसरी ओर विभिन्न यात्री एवं निजी वाहनों में शराब पीकर बिहार प्रवेश करने वाले 15 लोगों को हिरासत में लिया गया। सभी लोगों के शराब पिए होने की पुष्टि ब्रेथ एनलाइजर मशीन से हुई। उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि शराब के साथ गिरफ्तार युवक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। वहीं शराब के नशे में रहे लोगों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां सभी ने जुर्माना राशि जमा किया और अपने-अपने घर चले गए। इस मौके पर उत्पाद एएसआई धर्मेंद्र कुमार समेत गृहरक्षक जवान मौजूद रहे।

नरहट में अनुदानित दर पर धान मक्का एवं अरहर बीज उपलब्ध

निज संवाददाता | नरहट (नवादा)

किसानो के लिए खरीफ फसल में धान, मक्का, एवं अरहर, का बीज उपलब्ध है एवं हाइब्रिड धान का बीज आने पर किसानों को सूचना प्रदान कर दी जाएगी। जानकारी देते हुए प्रखण्ड कृषि समन्वयक अमरेन्द्र कुमार भारती ने बताया कि बीज लेने के लिए किसानों की पहले अपने कृषि समन्वयक एवं किसान सलाहकार मिलकर पहले रजिस्ट्रेशन कराना है। रजिस्ट्रेशन के बाद किसान के नम्बर पर ओटीपी जाएगा। उसके बाद किसान डीलर के पास जाएंगे। डीलर द्वारा बायोमेट्रिक से अंगूठा लगाना है। फिर ओटीपी आएगा और डीलर दोनों ओटीपी को डालेगा तब आप को बीज मिलेगा। यह सभी प्रक्रिया आधार कार्ड से लिंक मोबाइल नंबर से होगा। आगे उन्होंने बताया कि किसानों के लिए धान का बीज सबौर संपना 22 प्रति केजी के हिसाब से 6 केजी एवं 12 केजी का पैकेट है उपलब्ध है। अरहर का बीज 4 केजी का पैकेट है, जिसका अनुदान काट कर 34 प्रति केजी के हिसाब से 136 रुपया लगेगा। उसके साथ मक्का का हाइब्रिड डीएमआरएच् 1308 प्रभेद 4 केजी का पैकेट है इसका अनुदान काटकर 135 रुपए केजी के हिसाब से 4 केजी का 540 रुपया किसान को लगेगा। मक्का का बीज के साथ अरहर बीज लेना अनिवार्य है। हाइब्रिड धान का बीज 6444 गोल्ड या जेकेआरएच् -3333 एवं जेकेआरएच् -2154 प्रभेद आने की संभावना है। ढैचा का बीज 42 प्रति केजी के हिसाब से 20 केजी का पैकेट उपलब्ध है। इच्छुक किसान इस अनुदानित बीज का लाभ उठा सकते हैं।

ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने की पहल:कौशल प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन, बांटे गए प्रमाण पत्र

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

अनुमंडल क्षेत्र के सिरदला प्रखंड के खटांगी पंचायत अन्तर्गत सिमराटांड ग्राम में हैंड इन हैंड इंडिया एवं जॉकनिक फाउंडेशन के सौजन्य से ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने के पहल के तहत चलाए जा रहे पांच दिवसीय चूड़ी एवं बाला बनाने के कौशल प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन किया गया। कार्यशाला मे 38 स्थानीय ग्रामीण महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यशाला में ग्रामीण महिलाओं ने विभिन्न प्रकार के चूड़ी एवं बाला बनाकर अपनी कला का प्रदर्शन किया। साथ ही वित्तीय साक्षरता एवं बाजार जुड़ाव से सम्बन्धित जरूरी प्रशिक्षण सत्र से जानकारियां भी अर्जित की। इस अवसर पर वार्ड सदस्य कांति देवी, हैंड इन हैंड संस्था के डीजीएम रवि रंजन, सहायक परियोजना प्रबंधक डॉ. अभय कुमार एवं इंटरप्राईजेज को-ओर्डिनेटर पवन कुमार के द्वारा परिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान संस्था के डीजीएम रवि रंजन के द्वारा बताया गया कि महिलाओं को सशक्त बनाकर पूरे समाज को सशक्त किया जा सकता है, उद्योगों को बढ़ाने से ही देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी एवं ग्रामीण महिला स्वरोजगार स्थापित कर आत्मनिर्भर बन सकेंगी। प्रशिक्षण समाप्ति के बाद फील्ड समन्वयक रविंद्र कुमार ने बताया की संस्था विगत कई वर्षों से नवादा, गया एवं नालंदा के पिछड़े क्षेत्रों मे बाल मैत्रीपूर्ण और एकीकृत समुदाय को बढ़ावा प्रदान करने एवं महिला सशक्तिकरण की पहल करती आ रही है। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों द्वारा कार्यशाला मे अपने पांच दिनों के अनुभव को साझा किया एवं संस्था को कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए धन्यवाद दिया। मौके पर प्रशिक्षक आशिफ् अली, मोबिलाईजर संतोष रजक व गुड़िया कुमारी एवं सीएलसी शिक्षक अभिमन्यु कुमार मौजुद रहे।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

22 जून को हसन बाजार में श्रद्धांजलि सभा

आरा। बिहार कुम्हार प्रजापति समन्वय समिति की बैठक, रविवार को जीरो माइल विश्वकर्मा भवन में हुई। अध्यक्षता समिति के जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश पंडित ने की। बैठक में वैश्य चेतना सभा के पदाधिकारी कर्मू साह, भारतीय विश्वकर्मा महासंघ के जिला अध्यक्ष अमीर चंद शर्मा और वैश्य महासभा के सचिव मदन साह मौजूद रहे। बैठक में 22 जून को हसन बाजार थाना क्षेत्र में गोल्डी कुमारी की श्रद्धांजलि सभा आयोजित करने का निर्णय लिया गया। मौके पर जिला सचिव उमाशंकर पंडित, कोषाध्यक्ष सतेंद्र पंडित, हरेंद्र पंडित, प्रवक्ता दिनेश पंडित, अखिलेश पंडित, रामाकांत पंडित, मिथलेश पंडित, विद्या पंडित, श्रवेंद्र कुमार, शशि महेंद्र आदि थे।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए प्रशिक्षण शुरू

आरा। आरा वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय परिसर में सात दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत हुई। कार्यक्रम का उद्घाटन राष्ट्रीय सेवा योजना की समन्वयक डॉ. साधना रावत के नेतृत्व में दीप प्रज्वलित कर किया गया। उद्घाटन समारोह में समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. अवध बिहारी सिंह, विश्वविद्यालय के वित्तीय सलाहकार अरुण श्रीवास्तव, डॉ. साधना रावत और प्राकृतिक योगपीठ ट्रस्ट के संस्थापक स्वामी विक्रमादित्य मौजूद रहे। डॉ. साधना रावत ने बताया कि 27 सितम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 69वें सत्र में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योग को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया। इसके बाद 11 सितम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 193 सदस्य देशों में से 177 देशों ने समर्थन दिया। 21 जून 2015 को नई दिल्ली के राजपथ से पहला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। तब से वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय और इसके महाविद्यालयों में राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से योग दिवस मनाया जा रहा है। योग प्रशिक्षक स्वामी विक्रमादित्य ने कहा कि योग भारत की प्राचीन परंपरा और संस्कृति की अमूल्य देन है। योग शरीर और मन, विचार और कर्म, आत्मसंयम और पूर्णता के बीच संतुलन स्थापित करता है। यह केवल व्यायाम नहीं, बल्कि स्वयं, विश्व और प्रकृति के साथ एकत्व का भाव है। प्रशिक्षण की शुरुआत वैदिक प्रार्थना से हुई। उन्होंने कहा कि हम सभी प्रेम से मिलकर चलें। योग करते छात्र व शिक्षक।

पर्यावरण को समर्पित हैं अमित सैनी, लोगों को दे रहे रोजगार

बक्सर। जिले के चुरामनपुर गांव निवासी अमित सैनी पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक मिसाल बन चुके हैं। उनके द्वारा संचालित 'नर्सरी मदन वाटिका' न सिर्फ बक्सर, बल्कि उत्तर प्रदेश, रोहतास और कैमूर जैसे जिलों में भी हरियाली का संदेश दे रही है। अमित बीते दो दशकों से इस व्यवसाय को पूरी निष्ठा और लगन से चला रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस नर्सरी की स्थापना लगभग 50 वर्ष पूर्व उनके पिता द्वारा की गई थी। उनके पिता के निधन के बाद पिछले 12 वर्षों से वह पूरी जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। आज मदन वाटिका न सिर्फ पौधों का एक बड़ा केंद्र बन चुकी है, बल्कि पर्यावरण प्रेमियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। अमित सैनी ने बताया कि गर्मी के मौसम में प्रतिदिन 8000 से 12000 पौधों की बिक्री होती है, जबकि बरसात के दिनों में यह संख्या 30 से 40 हजार तक पहुंच जाती है। इन पौधों में आम, नींबू, अमरूद, आंवला से लेकर सजावटी और औषधीय पौधे भी शामिल हैं। उनके कार्य को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा उन्हें लगातार पिछले 10 वर्षों से सम्मानित किया जा रहा है। कृषि मेलों में उनकी नर्सरी की प्रदर्शनी को बार-बार प्रथम पुरस्कार मिल चुका है। हरियाली फैलाने के साथ-साथ अमित सैनी ने रोजगार सृजन की दिशा में भी सराहनीय पहल की है। वर्तमान में उनकी नर्सरी में लगभग 52 महिला और पुरुष कार्यरत हैं। जो पौधों की देखरेख से लेकर बिक्री तक में लगे रहते हैं। उनका कहना है कि पर्यावरण की रक्षा और हरियाली का विस्तार ही उनका उद्देश्य है, और वे इसे एक सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में निभा रहे हैं। अमित सैनी सचमुच समाज के ऐसे सारथी हैं, जो अपने कार्य से दूसरों को भी प्रकृति प्रेम की राह पर चलने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों व कर्मियों को एसपी ने किया सम्मानित

बक्सर। बक्सर स्थित कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित मासिक अपराध गोष्ठी के दौरान एसपी शुभम आर्य ने जिले के विभिन्न थानों में अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। बता दें कि इस अवसर पर एसपी ने सभी पुरस्कृत अधिकारियों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी इसी प्रकार निष्ठा और कर्तव्यपरायणता के साथ कार्य करते रहने हेतु प्रोत्साहित किया। गोष्ठी के दौरान एसपी ने अपराध नियंत्रण, लंबित कांडों के त्वरित निष्पादन, महिला एवं बच्चों से संबंधित मामलों में संवेदनशीलता, तथा क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने को लेकर विशेष निर्देश दिए। उन्होंने थानाध्यक्षों को अपने-अपने क्षेत्र में नियमित गश्ती, आपराधिक तत्वों पर निगरानी, और जनसंपर्क बढ़ाने पर बल दिया। इस अवसर पर जिले के सभी डीएसपी, इंस्पेक्टर, थानाध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य जिले में अपराध नियंत्रण की स्थिति की समीक्षा करना और कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाना रहा। एसपी ने कहा कि बेहतर पुलिसिंग से ही जनता का विश्वास अर्जित किया जा सकता है और यही पुलिस का मुख्य ध्येय होना चाहिए।

एमएसीपी सूची व प्रधानाध्यापक पद की प्रोन्नति को मिली स्वीकृति, शिक्षकों ने जताया आभार

बक्सर। जिला प्राथमिक शिक्षक संघ, बक्सर की एक महत्वपूर्ण बैठक आज जिला अध्यक्ष वेदपाल सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जिले के सभी कोटि के नियमित शिक्षकों को एमएसीपी की फाइनल सूची तथा मध्य विद्यालयों में प्रधानाध्यापक पद पर प्रोन्नति हेतु औपबंधिक सूची को जिला शिक्षा स्थापना समिति सह स्क्रीनिंग समिति द्वारा स्वीकृति दिए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की गई। इस उपलब्धि के लिए समिति के सभी सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। प्रधान सचिव राम अवतार पांडेय के नेतृत्व में शिक्षकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला शिक्षा पदाधिकारी से मुलाकात कर शिक्षकों की बहुप्रतीक्षित प्रोन्नतियों को स्वीकृति दिए जाने पर विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वर्षों से लंबित मामलों में कार्रवाई होने से शिक्षक समुदाय में उत्साह है। बैठक में शिक्षक हितों से जुड़े कई गंभीर मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में बताया गया कि एमएसीपी 2010 के प्रावधान के तहत 30 सितंबर 2024 तक 10, 20 या 30 वर्षों की सेवा पूरी कर चुके मैट्रिक प्रशिक्षित, स्नातक कोटि एवं 34540 कोटि के शिक्षकों को प्रोन्नति की स्वीकृति प्रदान की गई है, जो लंबे समय से लंबित थी। इसी प्रकार, मध्य विद्यालयों में प्रधानाध्यापक पद के लिए स्नातक प्रशिक्षित शिक्षकों की औपबंधिक सूची प्रकाशित की गई है। आपत्तियों के निराकरण के बाद शीघ्र ही फाइनल सूची जारी कर प्रधानाध्यापक के पद पर पदस्थापन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त बैठक में राघवेंद्र शर्मा बनाम बिहार राज्य सरकार से संबंधित केस में न्यायालय के आदेशानुसार बिहार राजकीयकृत शिक्षक प्रोन्नति नियमावली 1993 के तहत भूतलक्षी प्रभाव से प्रोन्नति देने हेतु औपबंधिक सूची का प्रकाशन होने पर संतोष व्यक्त किया गया। इस सूची पर पंद्रह दिनों के अंदर प्राप्त आपत्तियों का निवारण कर अंतिम प्रोन्नति दी जानी है।

सनातन धर्म का मूल आधार है वर्ण और आश्रम : कृष्णानंद पौराणिक

बक्सर। सर्वजन कल्याण सेवा समिति, सिद्धाश्रम धाम की ओर से श्री रामेश्वर नाथ मंदिर में 17वां धर्म आयोजन के तीसरे दिन आचार्य श्री शास्त्री कृष्णानंद पौराणिक जी ने मार्कंडेय पुराण कथा का श्रवण कराया। उन्होंने कहा कि यद्यपि इस तथ्य को समझना कठिन है, तथापि हम सभी समझने का प्रयास करेंगे कि सनातन धर्म का मूल आधार है वर्ण एवं आश्रम। चार वर्ण में ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र और चार आश्रम में ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ, सन्यास। वर्ण तथा आश्रम के लिए वेद, स्मृति, पुराण, महाभारत तथा धर्मशास्त्र आदि ग्रंथ में बताया गया है कि वर्ण का क्या काम है तथा आश्रम का क्या कर्तव्य है। सनातन धर्म में धर्म शब्द कर्म का पर्यायवाची है। धर्म को ही कर्म तथा कर्म को ही धर्म कहा जाता है। आचार्य श्री ने कहा कि वर्ण का जो कर्म है वही उसका धर्म भी है।

बक्सर जिले में आकाशीय बिजली से 4 की मौत, 4 झुलसे

निज संवाददाता। बक्सर

♦ बारिश होने पर पेड़ के नीचे छिपे थे सभी, घायल बोला- ठनका गिरते ही बेहोश हो गए

बक्सर में सोमवार को अलग-अलग इलाके में आकाशीय बिजली गिरने से चार लोगों की मौत हो गई। घटना चौसा बाजार के पास गंगा नदी किनारे हुई। जहां आकाशीय बिजली की चपेट में आने से तीन अन्य भी लोग झुलसकर घायल हो गए। मृतकों की पहचान चौसा बाजार के मिथलेश राम (22), नरबतपुर के श्रीभगवान उर्फ झोला सिंह (60) और चौसा बाजार के वीरेंद्र गोंड (45) के रूप में हुई हैं। वहीं घायलों की पहचान नीरज कुमार (16), अमित चौधरी (30) और सोनू कुमार (18) के रूप में हुई हैं। सभी मजदूर वर्ग से हैं। राजपुर थाना क्षेत्र के देवढ़िया में भी दो लोग आकाशीय बिजली की चपेट में आ गए। जिसे राजपुर से बक्सर सदर अस्पताल रेफर किया गया। जहां देवढ़िया निवासी प्रेम जीवन राम के बेटे अंकुश राम (12) मौत हो गई है। जबकि माधव राम के बेटे अन्नत राम (30) गंभीर रूप से घायल हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार ये लोग आम के बगीचे में गए हुए थे। जहां आकाशीय बिजली की चपेट में आ गए। सभी घायलों सदर अस्पताल इलाज जारी है।

बारिश होने पर पेड़ के नीचे छिपे थे सभी: घायल नीरज कुमार ने बताया कि दोपहर के समय सभी लोग गंगा किनारे बैठे थे। अचानक मौसम खराब हुआ और तेज बारिश के साथ बिजली गिरने लगी। जिसके बाद सभी एक पीपल के पेड़ के नीचे छुप गए। तभी तेज आवाज के साथ आकाशीय बिजली उनके पास गिरी। इस हादसे में मधु राम की एक गाय भी मर गई और सभी बेहोश हो गए। बताया कि मृतक वीरेंद्र गोंड और श्रीभगवान सिंह अपने मवेशियों को चराने गए थे। घटना की सूचना पर पहुंचे मुफस्सिल थाना अध्यक्ष शंभू कुमार भगत ने घायलों को अस्पताल भिजवाया। अस्पताल में सभी की मौत की पुष्टि के मुफस्सिल थाना की पुलिस शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी में जुट गई है।

मुआवजे की मांग की: चौसा के पूर्व मुखिया बृज बिहारी सिंह ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने प्रशासन से घायलों के इलाज और मृतकों के परिजनों को मुआवजे की मांग की है।

भोजपुर जिले में अपराधियों ने ज्योतिषी को मारी गोली

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर में 15 डिसमिल जमीन विवाद में अपराधियों ने ज्योतिषी पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। विरोध करने पर गोली मार दी। बुलेट पेट में लगी है। हालत गंभीर बनी हुई है। इलाज के लिए अस्पताल में एडमिट कराया गया है। घायल की पहचान चासी गांव निवासी विनोद कुमार पांडेय(55) के तौर पर हुई है। पिछले 10 साल से नवादा इलाके के बाजार समिति में रह रहे हैं। वहीं से ज्योतिषी का काम करते हैं। घटना नारायणपुर थाना क्षेत्र की है।

ऑपरेशन करके बुलेट निकाला: सर्जन डॉ. विकास सिंह ने बताया कि गोली लगने से लिवर और छोटी आंत बुरी तरह से डैमेज हुआ है। ऑपरेशन करके बुलेट निकाल दिया गया है। अभी मरीज को ऑब्जर्वेशन में रखकर इलाज किया जा रहा है।

घर के पास घात लगाकर बैठे थे: अस्पताल में भर्ती घायल विनोद कुमार पांडेय ने बताया, '15 डिसमिल जमीन को लेकर गांव के ही पिंटू कुमार पांडेय, धर्मेंद्र पांडेय और शैलेंद्र कुमार पांडेय से दो महीने से विवाद चल रहा है। दबंगई के बल पर जमीन हड़पना चाहते हैं। गर्मी की छुट्टी में बच्चे गांव गए हैं। उसी से मिलने के लिए रविवार को बाजार समिति से गांव जा रहा था।' घर के पास पहुंचते ही घात लगाकर बैठे तीन लोगों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। इसके बाद पेट में गोली मार दी। खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़ा। गोली की आवाज सुनकर परिवार के सदस्य मौके पर पहुंचे। आनन-फानन में प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया।

जांच में जुटी पुलिस: विनोद कुमार पांडेय ने पिंटू कुमार पांडेय, धर्मेंद्र पांडेय और शैलेंद्र पांडेय पर जमीन विवाद में गोली मारने का आरोप लगाया है।

भोजपुर में एनडीपीएस एक्ट में फरार आरोपी पर एक्शन

निज संवाददाता। आरा

आरा में एनडीपीएस एक्ट में 5 साल से फरार चल रहे आरोपी बहादुर पासवान के घर पर कोर्ट का इश्तेहार चिपकाया। सरेंडर नहीं करने पर कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की जाएगी। मामला नावादा थाना क्षेत्र के बबुरा गांव का है। दरअसल, 29 जनवरी 2020 में गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने पश्चिमी गुमटी के पास से शाहपुर गांव निवासी जगरनाथ तेली उर्फ ललक तेली को गिरफ्तार किया गया था। 2.38 ग्राम हेरोइन और चार लाख रुपए कैश बरामद हुआ था। पूछताछ के दौरान उसने बताया कि बहादुर पासवान को हेरोइन देने जा रहा था। जिसके बाद तत्कालीन थानाध्यक्ष संजीव कुमार के बयान पर दोनों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई थी। उसी समय से आरोपी फरार चल रहा था।

विशेष छापेमारी अभियान में 52 गिरफ्तार: इसके आलावा एसपी राज के आदेश पर विशेष छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। पिछले 24 घंटे के अंदर 52 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है? डकैती, पॉक्सो एक्ट, हत्या, हत्या के प्रयाय मामले में गिरफ्तारी हुई है। अभियान के दौरान पांच अवैध शराब की भट्ठियों को तोड़ा गया। करीब 251 लीटर देसी और 30 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद किया गया। शराब पीने के मामले में 23 और बेचने पर 6 लोगों को पकड़ा गया। 21 जमानतीय और चार जमानतीय वारंटों का निष्पादन किया गया। 335 वाहनों की जांच की गई। एक लाख 72 हजार रुपए का जुर्माना वसूला गया।

बक्सर जिले में प्राथमिक स्कूल के शिक्षक की संदिग्ध मौत

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर के महात्मा गांधी नगर में नावानगर प्रखंड के खरगपुरा प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक अजय कुमार सिंह (45) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। रविवार की देर रात शिक्षक का शव उसके घर में मिला। पड़ोसियों ने देर रात घर से कोई हलचल न देखकर परिजनों को सूचित किया। मृतक के छोटे भाई ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया। उसने कमरे के फर्श पर अजय कुमार का शव पाया। पुलिस को तुरंत सूचना दी गई।

3 साल पहले हुआ था तलाक: शिक्षक पिछले कुछ वर्षों से मानसिक तनाव में था। 3 साल पहले उसका तलाक हो गया था। तब से वो अकेले रह रहा था। परिजनों के अनुसार, वो अधिकतर गुमसुम रहता था और किसी से बातचीत नहीं करता था।

मृतक के कमरे से दवाइयां और दस्तावेज जब्त: पुलिस ने बताया कि शव पर किसी प्रकार के बाहरी चोट के निशान नहीं हैं। पुलिस ने मृतक के कमरे से कुछ दवाइयां और दस्तावेज भी जब्त किए हैं, जिनकी जांच की जा रही है।

परिवार और पड़ोसियों से पूछताछ जारी: नगर थाना प्रभारी मनोज सिंह ने बताया कि, 'आत्महत्या या सामान्य मौत, फिलहाल कुछ भी कहना जल्दबाज़ी होगी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की सटीक जानकारी मिल सकेगी। परिवार और पड़ोसियों से पूछताछ की जा रही है।' शिक्षक जगत और स्थानीय लोग अजय कुमार सिंह की मृत्यु पर गहरा दुख जता रहे हैं। फिलहाल पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है।

बक्सर में 21 से 27 जून तक होगा शस्त्र सत्यापन

बक्सर। बिहार विधानसभा आम चुनाव 2025 को शांतिपूर्ण और पारदर्शी बनाने के लिए बक्सर जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। प्रशासन ने सभी शस्त्र लाइसेंसधारकों के हथियारों और कारतूसों का सत्यापन करने का निर्णय लिया है। सत्यापन 21 से 27 जून तक जिले के सभी थानों में सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक होगा। दंडाधिकारी और थानाध्यक्ष की मौजूदगी में यह कार्य किया जाएगा। प्रत्येक दिन का सत्यापन प्रतिवेदन उसी दिन शाम 5 बजे तक जिला शस्त्र शाखा को भेजना होगा। लाइसेंसधारकों को अपने हथियार, कारतूस और लाइसेंस बुक के साथ खुद उपस्थित होना अनिवार्य है। लाइसेंस पर लगी फोटो से पहचान की जाएगी। किसी और के द्वारा हथियार लाने पर वह जब्त कर लिया जाएगा। 70 वर्ष से अधिक उम्र के लाइसेंसधारकों की शारीरिक स्थिति की जांच की जाएगी। यह देखा जाएगा कि वे हथियार चलाने में सक्षम हैं या नहीं।

आरा में योग, यज्ञ और सत्संग से वैराग्य की साधना का दिए गए संदेश

निज संवाददाता। आरा

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मद्देनजर रविवार को आर्य समाज भवन, आरा में विशेष योग, यज्ञ एवं सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंत्रोच्चारण एवं यज्ञ के साथ हुआ। इसके बाद उपस्थित विद्वानों ने वैराग्य साधना के विभिन्न पहलुओं पर विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर सत्यार्थ प्रकाश का पाठ तथा शांति पाठ कर कार्यक्रम का समापन किया गया। यह कार्यक्रम आर्य समाज के मंत्री प्रकाश रंजन एवं प्रधान अवध बिहारी मेहता के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। यज्ञ में आचार्य सुखलाल प्रसाद मुख्य यजमान के रूप में शामिल हुए। आर्य समाज के उप प्रधान महावीर विद्यासागर ने कहा कि वैराग्य का अर्थ इन्द्रियों द्वारा देखे, सुने और अनुभव किए गए विषयों की तृष्णा से मुक्त होना है। उन्होंने कहा कि महर्षि पतंजलि ने योगशास्त्र में वैराग्य को "वशीकरण संज्ञा वैराग्यम्" कहा है। जब मनुष्य के मन में सांसारिक विषयों की आकांक्षा समाप्त हो जाती है, तभी उसका ध्यान परमात्मा की ओर जाता है। वैराग्य की यह अवस्था अत्यंत ऊंची है, जहां पहुंच पाना सभी के लिए संभव नहीं होता। लेकिन यदि व्यक्ति प्रतिदिन प्रातः एवं सायं ईश्वर का ध्यान कर यह अनुभव करे कि संसार के सभी पदार्थ नाशवान हैं, तो धीरे-धीरे उसमें निर्भयता का विकास होता है। कार्यक्रम में मंत्री प्रकाश रंजन, प्रधान अवध बिहारी मेहता, ज्ञानेश्वर प्रसाद पुस्तकाध्यक्ष, महावीर विद्यासागर उप प्रधान, नीरज कुमार कोषाध्यक्ष, विनोद कुमार आर्य, प्रियांशु कुमार, शालिनी कुमारी, ओमप्रकाश गुप्ता सहित आर्य समाज के अनेक सदस्य उपस्थित थे। सभी ने योग, यज्ञ एवं सत्संग के महत्व पर चर्चा कर इसे जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

डुमरांव में एपवा ने लगाई महिला अदालत

♦ भाजपा-जदयू सरकार की नीतियों पर महिलाओं ने मांगा जवाब, विधायक भी रहे मौजूद

निज संवाददाता। बक्सर

डुमरांव में अखिल भारतीय प्रगतिशील महिला एसोसिएशन (एपवा) ने महिला अदालत का आयोजन किया। इस दौरान भाजपा-जदयू सरकार पर झूठी घोषणाओं और महिला विरोधी नीतियों के आरोप लगे। कार्यक्रम में डुमरांव विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। एपवा की राष्ट्रीय महासचिव मीना तिवारी ने कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में हिस्सा लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रेखा देवी ने की, जबकि संचालन पूजा यादव ने किया। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा की मनुवादी सोच महिलाओं को चारदीवारी में कैद करना चाहती है। महिला अदालत में माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के आतंक और स्कीम वर्कर्स के शोषण का मुद्दा उठा। बेटियों की शिक्षा से वंचित होने और बढ़ते महिला अपराधों पर सरकार की चुप्पी पर सवाल उठे। सचिव संध्या पाल, सीमा देवी, लीला देवी, फूला देवी, फूलझरिया देवी और गीता देवी समेत कई महिला प्रतिनिधियों ने अपने अनुभव साझा किए। विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह ने कहा कि माले पार्टी महिलाओं के सम्मान और आजीविका की लड़ाई लड़ती रही है। उन्होंने महिलाओं से आगे बढ़कर अपने हक की लड़ाई खुद लड़ने का आह्वान किया। साथ ही कहा कि 20 वर्षों की भाजपा-जदयू सरकार से हिसाब मांगने का समय आ गया है।

महरौरा में दो पक्षों में मारपीट

निज संवाददाता। बक्सर

डुमरांव थाना क्षेत्र के महरौरा में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट हुई। दोनों पक्षों से अलग-अलग थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। पहले पक्ष के मुन्ना राजभर ने बताया कि वह गाजीपुर के जमानियां के सोहरिया गांव के रहने वाले हैं। वह कुछ दिनों के लिए डुमरांव स्थित पैतृक घर आए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पड़ोसी ललन राजभर ने दो साथियों के साथ उनके परिवार पर लाठी-डंडे से हमला किया। इस हमले में उनकी बहन, मां और पिता घायल हो गए। दूसरे पक्ष से हीरालाल राजभर ने शिकायत में कहा कि पड़ोसी दीपक राजभर तीन साथियों के साथ उनके घर आया। गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस हमले में उनके परिवार के लोग घायल हुए। थाना प्रभारी मतेंद्र कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों की शिकायत पर अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की गई है। एक आरोपी ललन राजभर को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बक्सर पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर पुलिस प्रशासन ने सोमवार को एक साथ 47 पुलिस अधिकारियों का तबादला कर दिया है। यह तबादला दो अलग-अलग आदेश—966/2025 और 965/2025—के तहत किया गया है। इसका उद्देश्य पुलिस महकमे को अधिक प्रभावी और चुस्त-दुरुस्त बनाना बताया गया है। पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने सभी अधिकारियों को 24 घंटे के भीतर नए पदस्थापन स्थल पर योगदान देने का निर्देश दिया है।

20 अनुभवी अफसरों को बदला, 27 प्रशिक्षुओं को मौका: पहले आदेश में 20 अनुभवी पुलिसकर्मियों को जिले के अलग-अलग थानों में स्थानांतरित किया गया है। वहीं, दूसरे आदेश में 27 प्रशिक्षु अवर निरीक्षकों को व्यवहारिक प्रशिक्षण के बाद नई तैनाती दी गई है। सभी को 24 घंटे के भीतर योगदान करने का निर्देश जारी किया गया है। सभी अधिकारी निर्धारित समय सीमा के भीतर नई जगह पर योगदान करें और अनुशासन के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। यह तबादला जिले की कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ करने तथा प्रशासनिक कार्यप्रणाली में नई ऊर्जा का संचार करने के लिए किया गया है। - शुभम आर्य, पुलिस अधीक्षक, बक्सर

इन सीनियर अधिकारियों का तबादला: ट्रांसफर किए गए प्रमुख अधिकारियों में विनीत कुमार सिंह को इटाढ़ी से नावानगर, संजय कुमार को नावानगर से मुरार, आशीष कुमार यादव को मुरार से इटाढ़ी, शुशील सिंह को चौगाईं से कोरानसराय और मुकेश कुमार को कोरानसराय से चौगाईं भेजा गया है। कई अधिकारियों की तैनाती नगर थाना और मुफस्सिल थाना में की गई है। इसके अलावा कई अधिकारियों की तैनाती नगर थाना और मुफस्सिल थाना जैसे प्रमुख स्थानों पर की गई है।

24 घंटे के भीतर नए जगह योगदान के आदेश: प्रशिक्षु अवर निरीक्षकों में अवदेश कुमार, प्रीति कुमारी, ममता कुमारी, संजय कुमार, रविशंकर कुमार, नीतू कुमारी, प्रियंका कुमारी और अमर किशोर चौधरी शामिल हैं। इन्हें थानों में प्रायोगिक जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। हालांकि यह तैनाती SHO के रूप में नहीं है, बल्कि यह व्यावहारिक प्रशिक्षण का हिस्सा है।

मां आरण्य देवी मंदिर के गुंबद का पूजन संपन्न

आरा। मां आरण्य देवी मंदिर के जीर्णोद्धार कार्य के तहत रविवार को पुराने गर्भगृह के गुंबद का विधिवत पूजन हुआ। यह पूजन मंदिर परिसर के द्वितीय तल पर पांच ब्राह्मणों की टीम ने संपन्न कराया। यजमान पीठाधीश्वर सह ट्रस्ट के उपसचिव मनोज कुमार पांडेय अपनी पत्नी के साथ मौजूद रहे। ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी कृष्ण कुमार ने बताया कि गुंबद तोड़ने से पहले उसका पूजन जरूरी था। गुंबद में रखी भगवान की मूर्ति को पहले ही निकालकर दूसरे तल पर स्थापित कर दिया गया है। अब प्रतिदिन पूजा और आरती वहीं होगी। इसके बाद दूसरे तल की फिनिशिंग का काम शुरू होगा। मंदिर के पांचवें फ्लोर की ढलाई पूरी हो चुकी है। छठे फ्लोर के आधे हिस्से की ढलाई बाकी है। इसके बाद नए गुंबद का निर्माण किया जाएगा। मौके पर ट्रस्ट के सचिव अरविंद कुमार पांडेय, संतोष कुमार सिंह, नवीन सिंह, गजेन्द्र सिंह, अशोक सिंह, अभिषेक कुमार मिश्र उर्फ गोलू बाबा आदि मौजूद थे।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

11 स्कूलों में लगेगा रेन वाटर हार्वेस्टिंग

भागलपुर| जिले के 11 स्कूलों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाए जाएंगे। जल जीवन हरियाली योजना के तहत राज्य सरकार ने वर्षा जल संचयन के लिए तीन करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है। इसमें से एक करोड़ 32 लाख रुपए का आवंटन जारी कर दिया गया है। पहले चरण में राज्य भर के 375 स्कूलों में यह सिस्टम लगाया जाएगा। इसके लिए 1976 स्कूलों से प्रस्ताव भेजे गए थे। जिले के 122 स्कूलों को वर्ष 2024-25 के बजट में चिह्नित कर प्रस्ताव भेजा गया था। वर्ष 2019-20 में जिले के 123 स्कूलों में यह सिस्टम लगना था। इनमें से 80 प्रतिशत स्कूलों में यह अभी क्रियाशील है। डीईओ राजकुमार शर्मा ने बताया कि जलस्तर लगातार गिर रहा है। जल संचयन को लेकर छात्र-छात्राओं को जागरूक किया जा रहा है। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी से दो-दो स्कूलों की सूची मांगी गई है। इनमें से 11 स्कूलों का रैंडम चयन होगा। इंजीनियरिंग विभाग के अनुसार एक सिस्टम बनाने में 10 लाख रुपए खर्च होंगे। चयन उन्हीं स्कूलों का होगा जिनकी छत कम से कम 3000 वर्ग फीट की होगी। मुख्यालय से पत्र मिला है। स्कूलों के नाम आने के बाद इंजीनियरिंग टीम जांच करेगी। फिर वहां काम शुरू होगा।

इंटर्नशिप करेंगे बीसीई और पॉलिटेक्निक के छात्र

भागलपुर| बीसीई और पॉलिटेक्निक कॉलेजों के छात्र-छात्राएं अब सरकार के विभिन्न विभागों के अधीन निगम, बोर्ड, सोसाइटी और विकास परियोजनाओं में इंटर्नशिप करेंगे। इसके लिए विज्ञान, प्रावैधिकी और तकनीकी शिक्षा विभाग ने बैठक में निर्णय लिया है। विभाग ने इंटर्नशिप के लिए एक पोर्टल तैयार किया है। यह पोर्टल जल्द ही लाइव किया जाएगा। इंटर्नशिप की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी।

हल्की बारिश में ही नाला ओवरफ्लो

भागलपुर| बारिश से सड़क पर कीचड़ की स्थिति रही। जहां-तहां डंप कूड़े और नाला उड़ाही सही से नहीं होने से यह परेशानी हुई। पैदल आने-जाने वालों को परेशानी हुई। निगम का दावा है कि शहर के सभी 51 वार्डों में 90 प्रतिशत नालों की उड़ाही कर ली गई। वार्ड 14 के लाल कोठी में रविवार को पुराना तातारपुर थाना रोड व स्थानीय निवासी टींकू झा के घर के पास नाले का पानी ओवरफ्लो होकर सड़क पर बहने लगा। सिटी मैनेजर विनय कुमार यादव ने बताया कि सप्ताह भर के अंदर निदान हो जाएगा।

छात्रों के लिए ऑटोमोबाइल ओलिंपियाड शुरू

भागलपुर| सीबीएसई ने पहली बार नेशनल ऑटोमोबाइल ओलिंपियाड की शुरुआत की है। इसमें छठी से 12वीं तक के छात्र हिस्सा ले सकते हैं। रजिस्ट्रेशन की आखिरी तारीख 31 जुलाई तय की गई है। प्रतियोगिता तीन स्तरों में होगी। पहले स्तर में छठी से आठवीं, दूसरे में नौवीं और 10वीं, तीसरे में 11वीं और 12वीं के छात्र शामिल होंगे। सीबीएसई ने इस ओलिंपियाड के लिए ऑटोमोटिव स्किल डेवलपमेंट काउंसिल का सहयोग लिया है। बोर्ड ने सभी संबद्ध स्कूलों को पत्र भेजकर छात्रों को इसमें भाग लेने के लिए प्रेरित करने को कहा है। प्रतियोगिता हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में होगी। इसमें सभी शिक्षा बोर्डों के छात्र हिस्सा ले सकेंगे। सीबीएसई ने कहा कि ऑटोमोटिव उद्योग देश की अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभाता है। ओलिंपियाड का उद्देश्य छात्रों में ऑटोमोटिव कौशल को बढ़ावा देना है। इसमें छात्रों को उद्योग विशेषज्ञों से बातचीत का मौका मिलेगा। साथ ही उभरती तकनीकों और करियर की संभावनाओं को जानने का अवसर भी मिलेगा। क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिता अक्टूबर-नवंबर में होगी। राष्ट्रीय स्तर की अंतिम प्रतियोगिता दिसंबर में होगी। सीबीएसई ने स्कूलों से कहा है कि वे छात्रों को ऑटोमोटिव क्षेत्र में व्यावहारिक ज्ञान और कौशल से सशक्त बनाएं।

हमसफर में स्लीपर का किराया तय, 655 रु. में दिल्ली की यात्रा

भागलपुर। अब दिल्ली और अजमेर जाने के लिए यात्रियों को ज्यादा पैसे नहीं खर्च करने पड़ेंगे। रेलवे ने भागलपुर से चलने वाली दो साप्ताहिक हमसफर एक्सप्रेस के स्लीपर कोच का किराया जारी कर दिया है। पूर्व में तीन स्लीपर कोच जोड़े जाने की जानकारी सार्वजनिक की गई थी, लेकिन किराया तय नहीं हो पाया था। पहली यात्रा के लिए ट्रेन में स्लीपर क्लास में वेटिंग भी सामने आ गई है। हमसफर ट्रेन के स्लीपर कोच से रेलवे यात्रियों से दिल्ली के लिए 655 रुपए लेगा। अजमेर जाने के लिए रेलवे 795 रुपए लेगा। अभी रेलवे हमसफर एक्सप्रेस से दिल्ली (आनंद विहार) जाने के लिए 1720 रुपए थर्ड एसी के लिए लेता है। जबकि विक्रमशिला एक्सप्रेस में दिल्ली जाने के लिए रेलवे 1505 रुपए थर्ड एसी में लेता है। अगस्त से विक्रमशिला एक्सप्रेस में भी दिल्ली जाने के लिए दो स्लीपर कोच बढ़ाए जा रहे हैं। बता दें कि अजमेर के लिए पहले साप्ताहिक ट्रेन एलएचबी रैक की ही थी। जिसमें सामान्य, स्लीपर सहित एसी क्लास के कोच थे। लेकिन मार्च से ट्रेन को हमसफर कोच में रेलवे ने अपग्रेड कर दिया। रेलवे ने सप्ताह में एक दिन सोमवार को गोड्डा से दिल्ली जाने वाली साप्ताहिक हमसफर को अजमेर के लिए भी चलाया। जिससे मध्यम व मजदूर वर्ग की समस्या बढ़ गई। पूर्व रेलवे में सामान्य वर्ग की शिकायतों का अंबार पहुंचने लगा। जिसके बाद रेलवे को हमसफर एक्सप्रेस में भी स्लीपर क्लास के कोच जोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। अजमेर और दिल्ली हमसफर के लिए तीन स्लीपर कोच जोड़े जा रहे हैं। दिल्ली जाने वाली हमसफर एक्सप्रेस में 14 जुलाई और अजमेर एक्सप्रेस में 10 जुलाई से स्लीपर कोच जोड़े जाने हैं। (अजमेर जाने वाली हमसफर)

रतनपुर में 11 कुंडी राम महायज्ञ स्थल का मुख्यद्वार बना आकर्षण का केंद्र

बेगूसराय। शहर के वार्ड संख्या 21 के रतनपुर में आयोजित 11 कुंडी राम महायज्ञ में आने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी नहीं हो, इसको लेकर व्यापक व्यवस्था की गई है। एक तरफ जहां गर्मी से राहत दिलाने के लिए नगर निगम की पानी टैंकर से पानी का छिड़काव यज्ञ स्थल के समीप किया जा रहा है। वहीं गर्मी की वजह से श्रद्धालुओं के बीमार पड़ने पर उन्हें तुरंत एंबुलेंस से अस्पताल भेजने की भी व्यवस्था है। इसको लेकर स्वास्थ्य विभाग द्वारा दो एंबुलेंस तैनात किया गया है। लोगों ने बताया कि शनिवार को परिक्रमा करने के दौरान दो महिला बेहोश हो गई थीं, जिसे एंबुलेंस से सदर अस्पताल भेजा गया। जहां प्राथमिक उपचार के उपरांत घर भेजा गया है। इसके साथ ही यज्ञ स्थल पर बने हिमालय नुमा द्वार और उस पर विराजमान शिव और द्वार के आगे बिराजमान बसहा बैल यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनाया हुआ है। इसके साथ ही आयोजकों द्वारा दूर-दूर तक पर्याप्त मात्रा में लगाए गए लाईट एवं साउंड लोगों को बरबस यज्ञ स्थल की ओर आने के लिए आकर्षित करता है।

21 जून तक स्नातक में आवेदन का समय

मुंगेर| मुंगेर विश्वविद्यालय ने डीएसडब्ल्यू सत्र 2025-29 के स्नातक सेमेस्टर-1 में नामांकन के लिए दोबारा आवेदन की प्रक्रिया शुरू की है। यह प्रक्रिया 21 जून तक चलेगी। नामांकन समिति पदाधिकारी सह डीएसडब्ल्यू प्रो. देवराज सुमन ने बताया कि वे विद्यार्थी जो पहले किसी कारणवश आवेदन नहीं कर सके थे, अब विश्वविद्यालय के पोर्टल पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए 100 रुपये शुल्क ऑनलाइन जमा करना होगा।

महादलित टोलों में आयुष्मान कार्ड बनाने को लगाए शिविर

मुंगेर। जिले में प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना और मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत वंचित लाभुकों के लिये रविवार से विशेष शिविर शुरू हो गया। यह शिविर 30 जून तक चलेगा। शिविरों में खासतौर पर महादलित टोलों में आयुष्मान कार्ड बनाए जाएंगे। इसके लिये स्वास्थ्य विभाग ने माइक्रो प्लान तैयार कर लिया है। आयुष्मान भारत योजना की जिला समन्वयक ज्योति कुमारी ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देश पर देशभर में जनजातीय गौरव 2025 मनाया जा रहा है। इसके तहत सरकार ने आयुष्मान कार्ड निर्माण के लिये विशेष शिविर लगाने का निर्देश दिया है। इसी के तहत जिले में 30 जून तक शिविर लगाए जाएंगे। ज्योति कुमारी ने बताया कि महादलित टोलों में विशेष शिविर लगाकर छूटे हुए लाभुकों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाएंगे। इसके लिये माइक्रो प्लान तैयार किया गया है।

बेगूसराय में बेटे के सामने पति की हत्या की थी, दोषी करार

निज संवाददाता। बेगूसराय

बेगूसराय के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने हत्या के एक मामले की सुनवाई करते हुए सोमवार को युवक की हत्या मामले में उसकी पत्नी और प्रेमी को दोषी करार दिया है। दोषी करार देते ही दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। अब 20 जून को दोनों को सजा सुनाई जाएगी। 20 अक्टूबर 2021 की रात वीरपुर थाना क्षेत्र के पर्रा गांव निवासी सत्यनारायण सिंह के बेटे मंतोष कुमार की तेज धारदार हथियार से काटकर हत्या कर दी गई थी। उसकी लाश घर से थोड़ी दूर सागवान के बगीचे में फेंक दिया गया था। 21 अक्टूबर की सुबह लोगों ने जब लाश देखी थी। इसके बाद रिश्तेदारी में गए मृतक के भाई समेत अन्य लोगों को सूचना दी गई। इस मामले में मृतक के भाई संतोष कुमार थाना में मामला दर्ज कराया। अनुसंधान में 2 दिन के अंदर ही पुलिस ने खुलासा कर दिया था कि मृतक की पत्नी नीतू देवी ने प्रेम प्रसंग में अपने प्रेमी के साथ मिलकर हत्या कर दी।

प्रेम प्रसंग में बाधा बन रहा था तो की हत्याः हत्या का कारण था प्रेम प्रसंग में बाधा बनना। नीतू का प्रेम प्रसंग बछवाड़ा थाना क्षेत्र के धर्मपुर नारेपुर के रहने वाले प्रवीण कुमार राय के बेटे गौतम कुमार के साथ चल रहा था। शादी के बाद भी दोनों लगातार मिलते जुलते थे। गौतम बराबर नीतू के ससुराल पर आते रहता था। मंतोष इसका विरोध करता था तो पति-पत्नी में विवाद होता था। 8 साल का बेटा रिशु के होने के बावजूद नीतू पति से अधिक अपने प्रेमी से ही प्यार करती थी और वह शादी करना चाहती थी, जिसके लिए मंतोष को रास्ते से हटाना जरूरी था, लेकिन मौका नहीं मिल रहा था। 20 अक्टूबर को घर के लोग जब रिश्तेदारी में जा रहे थे तो नीतू को भी चलने के लिए कहा, लेकिन उसने बहाना बना दिया।

प्रेमी के साथ मिलकर घर के अंदर ही काटा पति का गलाः इसके बाद घर के सभी लोग चले गए, पति-पत्नी और बच्चा घर में था। इसी बीच नीतू ने 20 अक्टूबर की रात अपने प्रेमी गौतम को सूचना दी तो गौतम एक कातिल के साथ पर्रा पहुंच गया। रात में कमरे में ही नीतू ने प्रेमी और कातिल के साथ मिलकर मंतोष की धारदार हथियार से काटकर हत्या कर दी और लाश को घर से बाहर के बगीचे में फेंक दिया। सुबह नीतू ने पति की हत्या करने का हल्ला मचाया। इन लोगों ने सोचा था कि राज-राज ही रह जाएगा लेकिन कमरे में सोए बेटे रिशु ने पूरी घटना को देख लिया था। जांच के दौरान पुलिस ने जब 8 साल के मासूम रिशु से पूछताछ किया तो उसने पूरी घटना का खुलासा कर दिया। बताया कि मां और दो लोगों ने पापा को मार दिया और घसीट कर ले गए। अपर लोक अभियोजक संतोष कुमार ने बताया कि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ऋषिकांत के न्यायालय में विचारण के दौरान 6 लोगों की गवाही कराई गई। जिसमें घटना सत्य पाए जाने के बाद न्यायाधीश ने आज मृतक की पत्नी नीतू कुमारी एवं नीतू के प्रेमी गौतम को हत्याकांड में दोषी करार देते हुए न्यायिक हिरासत में भेज दिया तथा सजा की घोषणा 20 जून को की जाएगी।

18 तक बिना विलंब शुल्क के भरे जाएंगे परीक्षा फॉर्म| मुंगेर| मुंगेर विश्वविद्यालय ने सत्र 2022-25 के स्नातक पार्ट-1 और पार्ट-2 बैकलॉग विद्यार्थियों के लिए परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया 13 जून से शुरू कर दी है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. अमर कुमार ने बताया कि स्नातक पार्ट-2 बैकलॉग के छात्र 13 से 18 जून तक बिना विलंब शुल्क फॉर्म भर सकते हैं।

भागलपुर में डिब्बा के लिए किसान की हत्या

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में अपराधियों ने फसल की रखवाली कर रहे किसान को गोली मार दी। खून से लथपथ किसान किसी तरह से अपने घर पहुंचे। बेटे से कहा कि कल डिब्बा को लेकर गांव के शंकर यादव से विवाद हुआ था, आज गोली मार दी। इतना कहते ही जमीन पर गिर पड़े। परिजन आनन-फानन में नवगछिया अनुमंडलीय अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक की पहचान मुक्ति साह(53) के तौर पर हुई है। घटना रंगरा थाना क्षेत्र के गोष्ठीपुर दियारा इलाके की है।

पीठ में गोली मारीः मृतक के पुत्र राजेश साह ने बताया, 'दियारा में जमीन कब्जा कर रहे शंकर यादव से रविवार को डिब्बा को लेकर विवाद हुआ था। उसी विवाद में देर रात उसने गोली मार दी। घायलवस्था में जब पिताजी घर पहुंचे तो उन्होंने शंकर यादव का नाम लिया था। पिताजी ने कहा था कि पहले इलाज कराने के लिए अस्पताल लेकर चलो। बाद में डिटेल से बताऊंगा, तब तक उनकी मौत हो गई। पीठ में एक गोली लगी थी।'

जांच में जुटी पुलिसः मामले की सूचना पर पुलिस घटनास्थल पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

गिरिडीह और मधुपुर के बीच एक जोड़ी पैसेंजर ट्रेन रद्द रहेंगी

आसनसोल मंडल के मधुपुर-गिरिडीह शाखा में जगदीशपुर और महेशमुंडा स्टेशनों के बीच पुल सं. 17 एवं 18 पर रिगर्डरिंग कार्य के लिए **19.06.2025 (गुरुवार)** को 08 घंटे 30 मिनट (09.30 बजे से 18.00 बजे तक) के लिए ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉक की आवश्यकता होगी। फल स्वरूप, **53517** मधुपुर - गिरिडीह पैसेंजर और **53518** गिरिडीह - मधुपुर पैसेंजर ट्रेनें **19.06.2025** को रद्द रहेंगी। असुविधा के लिए खेद है।

मंडल रेल प्रबंधक, आसनसोल

पूर्व रेलवे

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @ easternrailwayheadquarter

लड़की ने खुद पर पैसे लुटवाए, फिर कहा- प्यार करते हो तो मर के दिखाओ

निज संवाददाता। भागलपुर

बेइंतहा एकतरफा मोहब्बत की यह प्रेम कहानी डराने वाली है। वाकया बड़ी खंजरपुर का है। यहां किराये के मकान में राज दीपक (19) नाम का एक शख्स अपने दोस्त के साथ रहता था। एक माह पहले वह एक शादी समारोह में शामिल होता है। उसकी मुलाकात एक लड़की से होती है, दोनों में नजदीकियां बढ़ती है और फिर प्यार हो जाता है।। दीपक के दोस्त मनीष के मुताबिक दोनों एक माह से भी कम समय से रिलेशन में थे। दीपक पिछले महीने की सात मई को एक रिश्तेदार की शादी में गया था। वहां एक लड़की से मुलाकात हुई थी। लौटने के 10 दिन बाद से दोनों की सोशल मीडिया पर बात होने लगी। दीपक को यह नहीं पता था कि जिस लड़की को वह अचानक से सबकुछ मान बैठा है, वह उसकी जान ले लेगी। लड़की ने इतने दिनों में ही दीपक से करीब 50 हजार रुपए खर्च कराया। इस बीच पिछले कुछ दिनों से लड़की ने बात करना बंद कर दिया था। बात नहीं होने से परेशान दीपक ने मनीष से यह पता लगाने को कहा कि वह क्यों नहीं बात कर रही है। हालांकि मनीष की उस लड़की से बात नहीं हो पाई। राज दीपक बांका के अमरपुर का रहने वाला है। वह वार्ड संख्या 13 निवासी धनंजय मंडल का इकलौता पुत्र था। लड़की के कहने पर उसने जहरीला पदार्थ खा लिया। उसे इलाज के लिए मायागंज अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। दीपक के पिता ने बताया कि हमलोगों को इसका कोई अंदाजा नहीं था। शनिवार को मेरा बेटा अस्पताल से घर लौटा था। तभी वह उल्टी करने लगा। उसके दोस्त ने मुझे कॉल कर इसकी जानकारी दी। पूछने पर बताया कि उसने बाहर कुछ नाश्ता किया था। हमलोग भागलपुर पहुंचे तो वह मायागंज अस्पताल में भर्ती था। जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। हालांकि पिता ने पुलिस को दिए बयान में बेटे की मौत के लिए किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है।

भागलपुर में प्रेमिका से मिलने पहुंचे प्रेमी को ग्रामीणों ने पकड़ा

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में रविवार देर रात प्रेमिका के गांव पहुंचे प्रेमी को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। परिजनों को बुलाकर गांव के मंदिर में दोनों की शादी करा दी। एक साल से अफेयर चल रहा था। प्रेमी की पहचान गुरुदेव कुमार(18) के तौर पर हुई है। प्रेमिका नाबालिग है। दसवीं क्लास में पढ़ती है। मामला भवानीपुर थाना क्षेत्र के मथुरापुर इलाके की है।

चार दिन पहले लड़की को घर लाया थाः जानकारी के मुताबिक चार दिन पहले लड़की को अपने घर भी लेकर गया था। जिसके बाद लड़की के परिजनों ने थाने आवेदन दिया था। शादी करने का दबाव बना रहे थे, लेकिन लड़का पक्ष इसके लिए तैयार नहीं थे। ग्रामीणों के समझाने के बाद तैयार हुए।

अब हम दोनों साथ रहेंगे- प्रेमिकाः लड़की की मां मेस में खाना बनाने का काम करती है। शादी के बाद प्रेमी ने कहा कि हम दोनों काफी खुश हैं, मेरी मर्जी से शादी हुई है। वहीं, लड़की का कहना है कि अब हम दोनों एक साथ रहेंगे। खुशी-खुशी शादी हुई है। इस संबंध में भवानीपुर थानाध्यक्ष महेश कुमार से बात करने की कोशिश की गई, लेकिन उनसे बात नहीं हो पाई।

पूर्व रेलवे

निविदा का निरसन

सहायक संकेत एवं दूरसंचार अभियंता-1, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा पूर्व प्रकाशित **खुली ई-निविदा सं. एसडीएसटीई-केबल-एएसटीई-आरपीएच-25, दिनांक 06.06.2025, खुलने की तारीख 30.06.2025**। कुछ तकनीकी कारण से ऊपर उल्लेखित निविदा निरस्त कर दी गई है।

(HWH-143/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: ओ/एसी/टी/63 से 64/25-26 (ओपन), दिनांक: 13.06.2025; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं (खुली) आमंत्रित की जाती हैं: **क्रमांक 1, केस सं.: ओ-एसी-टी-63-25-26; कार्य का नामः** दिनांक 30.06.2026 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए सम्पूर्ण आसनसोल मंडल में एसएसई/बीआर/सीतारामपुर द्वारा रखरखाव किए जाने वाले पुलों के लिए पुलों के सुपर स्ट्रक्चर के रखरखाव के साथ आनुषंगिक कार्यों के लिए जोनल कार्यों हेतु खुली निविदा। **निविदा मूल्यः** रु. 41,25,000। **बयाना राशिः** रु. 82,500; **क्रमांक 2, केस सं. ओ-एसी-टी-64-25-26; कार्य का नामः** (i) आसनसोल मंडल में यूडीएल, सिउड़ी एवं जेएसएमई यार्ड में एमईएमयू रेकों को रात में ठहराने हेतु रखरखाव के लिए पाथवे तथा अच्छादित ड्रेन का प्रावधान। (i) सीनि. डीईएन/II/एएसएन के अधीन जेएसएमई में नए 10 बिस्तरों वाले आरपीएफ महिला बैरक के साथ शौचालय, रसोईघर, मेस, भोजनालय इत्यादि के निर्माण की शेष बची हुई मात्रा का कार्य। **निविदा मूल्यः** रु. 2,28,83,250.60। **बयाना राशिः** रु. 2,64,400; **कार्य हेतु समापन अवधिः** प्रत्येक के लिए 12 महीने। **बंद होने की तारीख एवं समयः** प्रत्येक के लिए दिनांक 11.07.2025 को 12.00 बजे। परिपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखे जा सकते हैं।

(ASN-87/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, आसनसोल स्टेशन रोड, पिन-713301 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के लिए आईआरईपीएस पोर्टल वेबसाइट www.ireps.gov.in के जरिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है: **(क) आसनसोल मंडल के तहत 5 वर्षों की अवधि के लिए बहुउद्देशीय स्टॉलों (एमपीएस) (6 फीट x 10 फीट = 60 वर्ग फीट) का प्रावधान। नीलामी सूचीपत्र सं.: एएसएन-एमपीएस-25-5, सिक्वेंस सं.; लॉट सं./श्रेणी, स्थान, ई-नीलामी बंद होने की तारीख/समय** क्रमशः निम्नलिखित है: **(एए/1),** एमपीएस-एएसएन-यूकेए-एमपीएस-8-24-1; उखरा रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म सं. 1 पर प्लेटफॉर्म शेड के निकट अनारक्षित (किसी भी व्यक्ति) के लिए चिन्हित, 27.06.2025 को 11.30 बजे। **(एए/2),** एमपीएस-एएसएन-केजेएमई-एमपीएस-7-24-1; काजोराग्राम रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 1 पर स्टेशन मॉस्टर कार्यालय के निकट अनारक्षित (किसी भी व्यक्ति) के लिए चिन्हित, 27.06.2025, 11.40 बजे। **(एए/3),** एमपीएस-एएसएन-केएमएमई-एमपीएस-11-24-1; कुमारधुबी रेलवे स्टेशन में सर्कुलेटिंग क्षेत्र में बगीचे के निकट अनुसूचित जाति के लिए चिन्हित, 27.06.2025, 11.50 बजे। **(ख) आसनसोल मंडल के तहत 5 वर्षों की अवधि के लिए एकल आधार पर वाटर वेंडिंग मशीनों (डब्ल्यूवीएम) की स्थापना एवं संचालन के लिए लाइसेंस की सुपुर्दगी। नीलामी सूचीपत्र सं.: एएसएन-डब्ल्यूवीएम-25-6, सिक्वेंस सं.; लॉट सं./श्रेणी, स्थान, ई-नीलामी बंद होने की तारीख/समय** क्रमशः निम्नलिखित है: **(एए/1),** एमएसएस-एएसएन-एसयूआरआई-डब्ल्यूवीएम-89-25-1; सिउड़ी रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म सं. 2-3 पर ओएचई पी/सं. 54/8 तथा सिउड़ी/1018 के बीच (30 वर्ग फीट), 27.06.2025 को 13.30 बजे। **(एए/2),** एमएसएस-एएसएन-यूडीएल-डब्ल्यूवीएम-26-25-1; अंडाल रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म सं. 3-4 पर ओएचई मॉस्ट सं. 186/36 के निकट, 27.06.2025 को 13.40 बजे। **(एए/3),** एमएसएस-एएसएन-एसटीएन-डब्ल्यूवीएम-90-25-1; सीतारामपुर रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म सं. 2-3 पर पुराने एफओबी के निकट (30 वर्ग फीट), 27.06.2025 को 13.50 बजे। **(एए/4),** एमएसएस-एएसएन-पीएएन-डब्ल्यूवीएम-91-25-1; पानागढ़ रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म सं. 1-2 पर ओएसओपी स्टॉल के बगल में (30 वर्ग फीट), 27.06.2025 को 14.00 बजे। **(एए/5),** एमएसएस-एएसएन-डीजीएचआर-डब्ल्यूवीएम-24-25-1; देवघर रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म सं. 2 पर बैठने की व्यवस्था सं. 4 एवं 5 के बीच शेड के नीचे सबवे के निकट, 27.06.2025 को 14.10 बजे। **(एए/6),** एमएसएस-एएसएन-एमएनएई-डब्ल्यूवीएम-39-25-1; मानकड़ रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म सं. 1-2 पर सीट सं. 16-20 तथा सीट सं. 31-35 के बीच, 27.06.2025 को 14.20 बजे। **(ग) आसनसोल मंडल के तहत 5 वर्षों की अवधि के लिए जनरल माइनर यूनिट (जीएमयू) के अधीन मॉड्युलर कैटरिंग स्टॉल (10'x6'=60 वर्ग फीट) के जरिए कैटरिंग सेवाओं का प्रावधान। नीलामी सूचीपत्र सं.: सीएटीजी-जीएमयू-25-8, सिक्वेंस सं.; लॉट सं./श्रेणी, स्थान, ई-नीलामी बंद होने की तारीख/समय** क्रमशः निम्नलिखित है: **(एए/1),** सीएटीजी-एएसएन-केजेएमई-जीएमयू-15-24-1; काजोराग्राम रेलवे स्टेशन (श्रेणी ई) में प्लेटफॉर्म सं. 1 पर अंडाल छोर के प्लेटफॉर्म शेड के निकट, महिला के लिए चिन्हित, 27.06.2025 को 15.30 बजे। **(एए/2),** सीएटीजी-एएसएन-यूकेए-जीएमयू-14-24-1; उखरा रेलवे स्टेशन (श्रेणी ई) में प्लेटफॉर्म सं. 1 पर सैंथिया छोर के प्लेटफॉर्म शेड के निकट, 27.06.2025 को 15.40 बजे। **(एए/3),** सीएटीजी-एएसएन-ओबाईआर-जीएमयू-23-24-1; वारिया रेलवे स्टेशन (श्रेणी ई) में प्लेटफॉर्म सं. 3-4 पर, 27.06.2025 को 15.50 बजे। **(एए/4),** सीएटीजी-एएसएन-एसटीएल-जीएमयू-76-23-1; सिमुलतला रेलवे स्टेशन (श्रेणी डी) में डाउन प्लेटफॉर्म की शेड के नीचे, 27.06.2025 को 16.00 बजे। **(एए/5),** सीएटीजी-एएसएन-सीएएम-जीएमयू-67-24-1; छोटा अमबोना रेलवे स्टेशन (श्रेणी ई) में डाउन प्लेटफॉर्म पर, 27.06.2025 को 16.10 बजे। **(एए/6),** सीएटीजी-एएसएन-सीएएम-जीएमयू-66-24-1; छोटा अमबोना रेलवे स्टेशन (श्रेणी ई) में अप प्लेटफॉर्म पर, 27.06.2025 को 16.20 बजे।

(ASN-86/2025-26) **वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, आसनसोल**

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

मुंगेर में डबल मर्डर के आरोपी के बेटे की हत्या

मुंगेर । मुंगेर में बदमाशों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान आशीष कुमार (26) के रूप में हुई है। रविवार शाम उसके सीने में दो गोली मारी गई। वो रविवार की शाम हाईवे से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान घर के पास ही घात लगाए 6-7 बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की। इसमें दो गोली उसके सीने में लगी। गोलियों की आवाज सुनकर ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंचे। घायल आशीष को आनन-फानन में निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना बरियारपुर थाना क्षेत्र के महदेवा स्कूल मैदान के गली की है। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों ने बताया कि दो बाइक से बदमाश आए थे। आशीष पर फायरिंग करने के बाद हटिया की ओर फरार हो गए। मृतक की पत्नी प्रेग्नेंट है।घटना की सूचना मिलने के बाद थानाध्यक्ष वीरभद्र कुमार सिंह भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बताया कि आपसी रंजिश में फायरिंग की गई है। पुलिस इस मामले को बरियारपुर बस स्टैंड विवाद में हुए डबल मर्डर से जोड़कर देख रही है। दरअसल आशीष के पिता नेपाली मंडल और चचेरे भाई मुकेश मंडल उर्फ दुलो मंडल डबल मर्डर में नामजद आरोपी था। वर्तमान में दुलो मंडल जेल में है। 13 जून 2023 को बस स्टैंड में वर्चस्व को लेकर विवाद हुआ था। इस विवाद में 2 युवकों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मृतकों में कचहरी टोला निवासी शिवदानी मंडल के बेटे पंकज मंडल और गांधीपुर निवासी विनोद सिंह के बेटे रंजन सिंह शामिल थे। शाम में गोली मारकर एक युवक की हत्या की सूचना मिली है। सूचना मिलने के बाद SHO और SDPO मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की। मृतक के परिजनों से बातचीत हुई है। पुलिस कार्रवाई कर रही है। थानाध्यक्ष वीरभद्र कुमार सिंह ने बताया कि 'अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस इस हत्या को बस स्टैंड बरियारपुर में हुए दोहरे हत्याकांड से जोड़कर देख रही है।' 13 जून, 2023 को बस स्टैंड पर वर्चस्व को लेकर हुए विवाद में कचहरी टोला निवासी शिवदानी मंडल के बेटे पंकज मंडल और गांधीपुर निवासी विनोद सिंह के बेटे रंजन सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

श्रावणी मेला के दौरान ट्रेनों के आवागमन की व्यवस्था

श्रावणी मेला अवधि के दौरान अर्थात **दिनांक** 11.07.2025 **से** 09.08.2025 **तक** यात्रियों की भीड़ को संभालने के लिए, ट्रेन आवागमन में निम्नलिखित व्यवस्था की गई है।

स्पेशल ट्रेनें

● 03480/03479 **जमालपुर–सुलतानगंज–जमालपुर श्रावणी मेला पैसेंजर स्पेशल** ट्रेन, 53480 **किऊल–जमालपुर पैसेंजर** ट्रेन के गठन के अनुसार निम्नलिखित संक्षिप्त समयसूची, ठहराव और आवागमन की तिथियों के अनुसार चलेगी:

जमालपुर–सुलतानगंज पैसेंजर स्पेशल		03480 03479	सुलतानगंज–जमालपुर पैसेंजर स्पेशल	
आ.	प्र.	स्टेशन	आ.	प्र.
–	**09.05**	↓ जमालपुर	**12.40**	–
09.18	09.19	रतनपुर	11.54	11.55
09.28	09.29	बरियारपुर	11.44	11.45
09.35	09.36	कल्याणपुर रोड	11.35	11.36
09.50	09.51	गनगनियाँ	11.22	11.23
10.45	–	सुलतानगंज ↑	–	**11.15**

आवागमन की तिथियाँ: जमालपुर से 03480 और **सुलतानगंज से** 03479–दोनों ट्रेनें दिनांक 11.07.2025 से 09.08.2025 तक **प्रतिदिन** = प्रत्येक 30 ट्रिप चलेंगी। स्पेशल ट्रेन जमालपुर और सुलतानगंज के बीच मार्ग में सभी स्टेशनों पर रुकेगी।

● 03442/03441 **जमालपुर–देवघर–जमालपुर श्रावणी मेला पैसेंजर स्पेशल** ट्रेन, 53442/53441 **जमालपुर– देवघर–जमालपुर पैसेंजर** ट्रेन की समयसूची, ठहराव और गठन के अनुसार निम्नानुसार रविवार को चलेगी:

संक्षिप्त समयसूची :

जमालपुर–देवघर पैसेंजर स्पेशल		03442 03441	देवघर–जमालपुर पैसेंजर स्पेशल	
आ.	प्र.	स्टेशन	आ.	प्र.
–	**05.10**	↓ जमालपुर	**22.05**	–
06.05	06.10	सुलतानगंज	20.10	20.15
06.50	06.55	भागलपुर	19.10	19.20
08.38	08.43	बांका	17.10	17.15
10.10	–	देवघर ↑	–	**15.45**

आवागमन की तिथियाँ: जमालपुर से 03442 और **देवघर से** 03441–दोनों ट्रेनें दिनांक 13/07, 20/07, 27/07, 03/08, 10/08/2025 (रविवार) को = प्रत्येक 05 ट्रिप चलेंगी।

● 03444 / 03443 **देवघर–गोड्डा–देवघर श्रावणी मेला पैसेंजर स्पेशल** ट्रेन, 53444/53443 **देवघर–गोड्डा–देवघर पैसेंजर** ट्रेन की समयसूची, ठहराव और गठन के अनुसार निम्नानुसार रविवार को चलेगी:

संक्षिप्त समयसूची :

देवघर–गोड्डा पैसेंजर स्पेशल		03444 03443	गोड्डा–देवघर पैसेंजर स्पेशल	
आ.	प्र.	स्टेशन	आ.	प्र.
–	**10.45**	↓ देवघर	**15.05**	–
11.46	11.48	हंसडीहा	13.57	13.59
12.40	–	गोड्डा ↑	–	**13.15**

आवागमन की तिथियाँ: देवघर से 03444 और **गोड्डा से** 03443–दोनों ट्रेनें दिनांक 13/07, 20/07, 27/07, 03/08, 10/08/2025 (रविवार) को = प्रत्येक 05 ट्रिप चलेंगी।

टिप्पणी: 03442/03441 और 03444/03443 की रेक लिंक 53442/53441 और 53444/53443 के वर्तमान लिंक के अनुसार चलेंगी।

सुलतानगंज स्टेशन पर ट्रेनों का अतिरिक्त ठहराव

● **सुलतानगंज स्टेशन पर ट्रेनों का अस्थायी ठहराव:**
मेला अवधि के दौरान निम्नलिखित ट्रेनें निर्धारित दिनों में सुलतानगंज स्टेशन पर 02 (दो) मिनट के लिए अस्थायी ठहराव निम्नानुसार प्रदान करेंगी :

ट्रेन नं. और नाम	आ.	प्र.
15619 गया–कामाख्या एक्सप्रेस (साप्ताहिक)	17.45	17.47
15620 कामाख्या–गया एक्सप्रेस (साप्ताहिक)	00.11	00.13
12253 यशवंतपुर–भागलपुर अंग एक्सप्रेस (साप्ताहिक)	08.04	08.06
12254 भागलपुर–यशवंतपुर अंग एक्सप्रेस (साप्ताहिक)	14.08	14.10
13423 भागलपुर–अजमेर एक्सप्रेस (साप्ताहिक)	13.38	13.40
13424 अजमेर–भागलपुर एक्सप्रेस (साप्ताहिक)	13.50	13.52
13429 मालदा टाउन–आनंद विहार एक्सप्रेस (साप्ताहिक)	13.02	13.04
13430 आनंद विहार–मालदा टाउन एक्सप्रेस (साप्ताहिक)	17.55	17.57

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त समाचार

शस्त्रों का सत्यापन 21 जून से

बक्सर (नि.सं.)। बक्सर जिला प्रशासन ने आगामी विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के मद्देनजर स्वच्छ, स्वतंत्र, भयमुक्त, पारदर्शी और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों के हथियारों और कारतूसों का शत-प्रतिशत भौतिक सत्यापन अभियान शुरू करने की घोषणा की है। यह अभियान शस्त्र नियमावली, 2016 के नियम 30 और 112 के तहत 21 जून से 27 जून 2025 तक चलेगा। चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए जिला प्रशासन ने यह कदम उठाया है। सत्यापन के लिए बक्सर जिले के सभी थानों में दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। सत्यापन का समय प्रातः 11:00 बजे से अपराह्न 4:00 बजे तक निर्धारित किया गया है। प्रत्येक अनुज्ञप्तिधारी को अपने शस्त्र, कारतूस और अनुज्ञप्ति पुस्तिका के साथ संबंधित थाने पर उपस्थित होना अनिवार्य है। सत्यापन के बाद दंडाधिकारी और थानाध्यक्ष संयुक्त हस्ताक्षर के साथ डीआर नंबर अंकित करेंगे और एक वर्ष में क्रय किए गए कारतूस का विवरण भी दर्ज होगा। सत्यापन प्रतिवेदन दो दिनों के भीतर जिला शस्त्र शाखा को सौंपना होगा, साथ ही दैनिक अपडेट अपराह्न 5:00 बजे तक जमा करना होगा। 70 वर्ष से अधिक उम्र के अनुज्ञप्तिधारियों की शारीरिक स्थिति का मूल्यांकन कर शस्त्र संचालन की योग्यता का उल्लेख करना अनिवार्य है। एनडीएएल (National Database Arms Licence) में अंकित सूची के आधार पर सत्यापन होगा, लेकिन सूची से बाहर के शस्त्र धारकों की जानकारी भी दर्ज की जाएगी। मृत अनुज्ञप्तिधारियों की सूची और नवीकरण प्रक्रिया में लंबित आवेदनों का भी सत्यापन होगा। अनुज्ञप्तिधारी की फोटो से पहचान सुनिश्चित की जाएगी, और बिना उनकी उपस्थिति में सत्यापन निषेध है। गैर-मौजूदगी में शस्त्र जब्त किए जाएंगे। आदेश का उल्लंघन करने पर आयुध अधिनियम, 1959 के तहत अनुज्ञप्ति निलंबन/रद्दीकरण की कार्रवाई होगी। जानकारी बक्सर जिला वेबसाइट (buxar.nic.in) पर उपलब्ध है। अंचलाधिकारी/प्रखंड विकास पदाधिकारी व्यस्त होने पर अन्य राजस्व अधिकारियों को कार्य सौंप सकते हैं।

बिहार को मिलेगा 'इनलैंड वाटर-वेज हब' का तोहफा

पटना (नि.सं.)। बिहार की अर्थव्यवस्था और परिवहन व्यवस्था को मजबूती देने की दिशा में केंद्र सरकार ने एक बड़ी पहल की है। केंद्रीय बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने घोषणा की है कि बिहार को इनलैंड वाटरवे हब के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 1,390 किलोमीटर लंबे बनारस से हल्दिया तक जलमार्ग को और उन्नत बनाया जाएगा। इसके तहत पटना में दो रो-रो टर्मिनल, गंगा पर जहाजों की मरम्मत और निर्माण केंद्र, और वाटर मेट्रो प्रोजेक्ट्स की शुरुआत की जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि, पटना में जहाज रिपेयरिंग सेंटर बनेगा। जहाज निर्माण केंद्र की भी स्थापना होगी। 16 कम्युनिटी जेटी (JT) बिहार में विकसित किए जाएंगे। कालू घाट को अत्याधुनिक जलमार्ग केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। बिहार में वाटर मेट्रो परियोजनाओं की शुरुआत होगी। गंगा किनारे बसे 12 जिलों में नए प्रोजेक्ट्स आएंगे और साथ ही जलमार्गों की संभावनाओं की पहचान के लिए विशेष टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने इनलैंड वाटर प्रोजेक्ट्स को उपेक्षित किया लेकिन वर्तमान सरकार ने इस दिशा में 6,000 करोड़ रुपये से अधिक निवेश कर जलमार्ग विकास को गति दी है। इसका परिणाम है कि विभाग ने अब तक 700 प्रतिशत की प्रगति दर्ज की है। उन्होंने कहा कि 2029 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा और बिहार इसमें अहम भूमिका निभाएगा। गंगा के किनारे बसे जिलों में जलमार्ग आधारित कनेक्टिविटी और उद्योगों के विकास से प्रदेश में रोजगार, पर्यटन और व्यापार को नया आयाम मिलेगा। इस घोषणा से यह साफ है कि आने वाले वर्षों में बिहार की सड़कों से ज्यादा जलमार्गों पर ध्यान केंद्रित होगा। जिससे ट्रांसपोर्ट तेज, सस्ता और पर्यावरण के अनुकूल बनेगा।

उर्वरक विक्रेताओं के लिए समेकित पोषक तत्व प्रबंधन पर पन्द्रह दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

निज संवाददाता | कौआकोल (नवादा)

प्रखण्ड क्षेत्र के सोखोदेवरा स्थित सर्वोदय आश्रम परिसर में सोमवार को राजेन्द्र भवन में उर्वरक विक्रेताओं के लिए 15 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। यह प्रशिक्षण 'समेकित पोषक तत्व प्रबंधन (INM - Integrated Nutrient Management)' विषय पर केंद्रित है और इसका उद्देश्य उर्वरक विक्रेताओं को तकनीकी रूप से दक्ष बनाना है, ताकि वे किसानों के लिए एक तकनीकी सलाहकार की भूमिका निभा सकें। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन ग्राम निर्माण मंडल के प्रधानमंत्री अरविंद कुमार, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक सह विषय वस्तु विशेषज्ञ रौशन कुमार, अंगद कुमार, कोर्स कोऑर्डिनेटर डॉ. शशांक शेखर सिंह, सुमिता रंजन एवं अनिल कुमार द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र, ग्राम निर्माण मंडल सर्वोदय आश्रम सोखोदेवरा के तत्वावधान में किया गया है। इसमें नवादा, शेखपुरा, जमुई, नालंदा सहित बिहार के विभिन्न जिलों से आए कुल 50 उर्वरक विक्रेता भाग ले रहे हैं।

प्रशिक्षण का उद्देश्य और वक्ताओं का संबोधन

उद्घाटन सत्र के दौरान अपने संबोधन में प्रधानमंत्री अरविंद कुमार ने कहा, आज उर्वरक विक्रेता केवल बिक्री करने वाले व्यापारी नहीं, बल्कि खेतों तक वैज्ञानिक सलाह पहुंचाने वाले 'कृषि तकनीकी सलाहकार' बनने की जिम्मेदारी निभा सकते हैं।" उन्होंने कहा कि समेकित पोषक तत्व प्रबंधन की वैज्ञानिक पद्धति न केवल उत्पादन को बढ़ाती है, बल्कि मिट्टी की उर्वरता और टिकाऊ कृषि को भी सुनिश्चित करती है। कृषि वैज्ञानिकों ने प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त तकनीकी ज्ञान को खेत स्तर पर उतारें और किसानों को सही दिशा में मार्गदर्शन करें। उन्होंने बताया कि उर्वरक विक्रेता किसान के संपर्क में आने वाला पहला व्यक्ति होता है, इसलिए उसका वैज्ञानिक रूप से प्रशिक्षित होना अनिवार्य है।

प्रशिक्षण की उपयोगिता और आगे की योजना

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को उर्वरकों के संतुलित उपयोग, मृदा परीक्षण आधारित सिफारिश, जैविक उर्वरकों का महत्व, और मिट्टी की संरचना बनाए रखने की विधियों की जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम के अंतिम चरण में प्रतिभागियों का मूल्यांकन भी किया जाएगा। इस मौके पर कार्यक्रम में पिंटू पासवान, श्रवण कुमार सहित कई सहयोगी, स्थानीय किसान प्रतिनिधि और ग्राम निर्माण मंडल के पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

ज्ञान के संग विज्ञान की उड़ान, बिहार विश्वविद्यालय अब बनाएगा फिनाइल

निज संवाददाता | पटना

बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय ने अकादमिक जगत की सीमाओं को लांघते हुए नवाचार की दिशा में ऐतिहासिक कदम बढ़ाया है। विश्वविद्यालय अपने पहले स्वनिर्मित उत्पाद फिनाइल, माउथवॉश एवं टूथ पाउडर—को शीघ्र ही बाजार में उतारने की तैयारी में है। यह पहल न केवल शैक्षणिक क्षेत्र में एक नयी परंपरा का सूत्रपात करेगी, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को भी बल प्रदान करेगी। इन उत्पादों के नमूने सूक्ष्मजीव संबंधी परीक्षण हेतु लखनऊ भेजे गए हैं, जिसकी रिपोर्ट इस माह के अंत तक आने की संभावना है। रिपोर्ट के प्राप्त होते ही ये हर्बल उत्पाद बाजार में लांच कर दिये जाएंगे। ये सभी उत्पाद विश्वविद्यालय के पीजी केमेस्ट्री विभाग में डॉ. अभय एन. श्रीवास्तव की देखरेख में तैयार किए गए हैं। बता दें कि ये उत्पाद पूर्णतः हर्बल हैं, जिनमें रासायनिक तत्वों का लेशमात्र भी प्रयोग नहीं किया गया है। नीम, तुलसी एवं मीठी तुलसी जैसे प्राकृतिक अवयवों से युक्त इन उत्पादों में केवल जल का उपयोग हुआ है, जिससे किसी प्रकार के दुष्प्रभाव की आशंका नहीं है। इनकी हर्बल प्रकृति के कारण इनकी आयु सीमित अवश्य होगी, किंतु गुणवत्ता और प्रभावशीलता में कोई कमी नहीं रहेगी। इस अभिनव प्रयास के माध्यम से बिहार विश्वविद्यालय राज्य का पहला ऐसा उच्च शिक्षण संस्थान बनने जा रहा है, जिसका कोई स्वदेशी उत्पाद जनसामान्य के लिए बाजार में उपलब्ध होगा। छात्रों एवं शिक्षकों के मध्य इस प्रयास को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है, जिससे विश्वविद्यालय में नवाचार और उद्यमिता की भावना को नई गति मिलेगी। यह सबकुछ संभव हो सका है विश्वविद्यालय में स्थापित इन्क्यूबेशन सेल की स्थापना के बाद। कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय के मार्गदर्शन में गठित इस प्रकोष्ठ के लिए कार्ययोजना तत्कालीन कुलसचिव प्रो. अपराजिता कृष्णा द्वारा तैयार की गई थी।

बिहार का 'स्मार्ट पंचायत' बना मिसाल, मुजफ्फरपुर के जजुआर मध्य ने जीता राष्ट्रपति पुरस्कार

निज संवाददाता | मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर जहां बिहार के कई पंचायतों में विकास के नाम पर केवल 'लूट-खसोट' की शिकायतें आती हैं, वहीं मुजफ्फरपुर जिले के कटरा प्रखंड का जजुआर मध्य पंचायत एक अनोखी मिसाल पेश कर रहा है। इस पंचायत ने बिहार के मुख्यमंत्री के स्मार्ट पंचायत बनाने के सपने को न सिर्फ साकार किया है, बल्कि अपनी अत्याधुनिक सुविधाओं और मुखिया के ईमानदार प्रयासों के चलते राष्ट्रपति पुरस्कार भी जीता है। जजुआर मध्य पंचायत ने तकनीक और जनकल्याण का बेहतरीन संगम प्रस्तुत किया है। पूरे पंचायत को सीसीटीवी कैमरों से लैस कर दिया गया है, जिससे हर गतिविधि पर पैनी नज़र रखी जा सके। इस कदम से आपराधिक घटनाओं पर काफ़ी हद तक लगाम लगी है। इसके साथ ही, पंचायत ने अपने नागरिकों के स्वास्थ्य का भी पूरा ध्यान रखा है। बीमार लोगों को अस्पताल पहुँचाने के लिए पंचायत का अपना एम्बुलेंस है, जो 24 घंटे उपलब्ध रहता है। अब पंचायत के लोगों को सरकारी एम्बुलेंस का इंतज़ार नहीं करना पड़ता, बस एक कॉल पर एम्बुलेंस उनके दरवाज़े पर खड़ी मिलती है। पेयजल की समस्या को दूर करने के लिए पंचायत के अलग-अलग स्थानों पर आरओ मशीनें लगाई गई हैं, ताकि लोगों को शीतल और शुद्ध पानी मिल सके। जजुआर मध्य पंचायत को 'स्मार्ट पंचायत' का रूप देने और पंचायती राज के सपने को पूरा करने का श्रेय मुखिया सुमन नाथ ठाकुर को जाता है, जिन्हें इसी असाधारण कार्य के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। लगातार दूसरी बार चुनाव जीतने वाले मुखिया सुमन नाथ ठाकुर ने बताया कि पंचायत का विकास तभी संभव है जब पंचायत प्रतिनिधि एकजुट होकर ईमानदारी से काम करते हैं। यह उपलब्धि और भी सराहनीय है क्योंकि जजुआर मध्य पंचायत एक बाढ़ प्रभावित इलाका है। इसके बावजूद, गाँव के हर टोले में पक्की सड़कें बनाई गई हैं, और हर घर तक समय पर पानी पहुँच रहा है। लोगों को सही माप के साथ राशन मिल रहा है, और शाम होते ही सोलर लाइटों से पूरा गांव शहर की तरह रोशन हो जाता है। युवाओं और बच्चों के शारीरिक विकास के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है। लोगों को फिट रखने के लिए एक फिटनेस पार्क बनाया गया है, और युवाओं को डे-नाइट मैच खेलने के लिए हाई मास्क लाइट वाला स्टेडियम भी तैयार किया गया है। मुखिया ठाकुर ने बताया कि राष्ट्रपति पुरस्कार से मिली राशि का उपयोग कर ही पंचायत ने अपना एम्बुलेंस खरीदा है और स्टेडियम का निर्माण कराया है, ताकि गाँव के बच्चे इधर-उधर भटकने की बजाय खेलकूद में अपनी ऊर्जा लगा सकें।जजुआर मध्य पंचायत ने वास्तव में बिहार के अन्य पंचायतों के लिए एक मिसाल कायम की है, यह साबित करते हुए कि यदि इरादे नेक हों तो सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ जनता तक पहुँचाया जा सकता है।

बिहार में सीट के लिए भिड़ गए दो यात्री, चलती ट्रेन में शुरु हुआ महाभारत

निज संवाददाता | भागलपुर

भागलपुर रेलवे स्टेशन पर किऊल-मालदा इंटरसिटी में उस वक्त हड़कंप मच गया जब सीट को लेकर दो यात्री आपस में भीड़ गए। बताया जा रहा है कि ट्रेन में अधिक भीड़ होने के कारण यात्रियों को सीट नहीं मिली जिसके कारण यात्री एक दूसरे से भीड़ गए। मामला इतना बिगड़ गया कि रेल पुलिस को भी हस्तक्षेप करना पड़ा। जिसके बाद रेल पुलिस ने इस विवाद के लिए गजब का तोड़ निकाला। जिसके बाद मामला शांत हुआ। दरअसल, रविवार शाम करीब 4:15 बजे किऊल-मालदा इंटरसिटी ट्रेन जैसे ही प्लेटफॉर्म संख्या-1 पर पहुंची, भीड़ के कारण ट्रेन में बैठने की जगह नहीं मिली। इसी दौरान सीट को लेकर दो यात्रियों के बीच विवाद हो गया। बात इतनी बढ़ गई कि दोनों में हाथापाई की नौबत आ गई। घटना उस बोगी की है जहां अजगैवीनाथ धाम (सुल्तानगंज) निवासी अमरीश पहले से बैठा था। उसी सीट पर किऊल निवासी अफरोज के बैठने को लेकर दोनों में कहासुनी शुरू हो गई। जिसके बाद यात्रियों ने विवाद शांत कराने की कोशिश की लेकिन मामला बढ़ता देख रेल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर गश्त कर रही रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के सिपाही पहुंचे और दोनों यात्रियों की टिकट की जांच की। इसके बाद अमरीश को उसकी निर्धारित सीट पर बैठने दिया गया जबकि अफरोज को उस बोगी से उतारकर दूसरे कोच में भेज दिया गया। ट्रेन में मौजूद यात्रियों ने बताया कि किऊल-मालदा इंटरसिटी में प्रतिदिन भारी भीड़ रहती है। ऐसे में अक्सर सीट को लेकर यात्रियों में कहासुनी हो जाती है। यही हाल गया-रामपुरहाट पैसेंजर ट्रेन का भी है। जिसमें भी चढ़ने-उतरने में यात्रियों को काफी मशक्कत करनी पड़ती है। रेलवे यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अतिरिक्त डिब्बे जोड़ने या बैठने की व्यवस्था बेहतर करने की मांग की जा रही है। ताकि यात्रियों को इस तरह की परेशानी से न गुजरना पड़े।

223 रेलवे क्रॉसिंग पर बनेंगे आरओबी, ट्रैफिक जाम से मिलेगी राहत

निज संवाददाता | पटना

राजधानी पटना तक हर कोने से साढ़े तीन घंटे में सुगम यात्रा अब केवल सपना नहीं, जल्द ही हकीकत बनने जा रही है। बिहार सरकार के इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य में अब तक सबसे बड़ी बाधा बनकर खड़े थे – राज्य के कोने-कोने में फैले रेलवे फाटक, जहाँ घंटों तक वाहनों की लंबी कतारें और समय का अपव्यय आम बात थी।लेकिन अब इस अवरोध को हटाने की दिशा में एक ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अनुरोध पर केंद्र सरकार और रेलवे मंत्रालय ने बिहार के हित में बड़ा कदम उठाते हुए 223 रेलवे क्रॉसिंग पर रोड ओवर ब्रिज (ROB) के निर्माण को सैद्धांतिक मंजूरी प्रदान कर दी है। इस निर्णायक प्रगति की पुष्टि हाल ही में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में हुई, जिसमें पथ निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव मिहिर कुमार सिंह और रेलवे बोर्ड के सदस्य (आधारभूत संरचना) नवीन गुलाटी ने भाग लिया। बैठक में ROB निर्माण को शीघ्र कार्यान्वित करने की दिशा में रणनीतिक समीक्षा की गई। सरकारी सूत्रों के अनुसार, 223 स्वीकृत ROB के अलावा 112 अन्य रेलवे फाटकों पर भी ROB बनाने के लिए डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (DPR) तैयार की जा रही है, जिन्हें अगले महीने तक मंजूरी मिलने की उम्मीद है। इससे यह स्पष्ट है कि आने वाले समय में बिहार की सड़क यातायात प्रणाली एक नई ऊँचाई पर पहुँचेगी। बिहार सरकार ने मार्च से मई के बीच एक विशेष अभियान चलाकर सभी 223 फाटकों पर आरओबी निर्माण के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र (NOC) प्रदान कर दिया है, जो इस योजना की त्वरित प्रगति का संकेत है। यहां तक कि रेलवे ने ग्रामीण संपर्क मार्गों से जुड़े समपार फाटकों पर भी ROB बनाने की अनुमति दे दी है, जिससे गांवों से शहरों की दूरी और भी घटेगी। यह कदम केवल एक इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना नहीं, बल्कि बिहार की आवागमन क्रांति का प्रारंभ है। ROB निर्माण से न केवल यात्रियों के समय की बचत होगी, बल्कि ट्रैफिक जाम, प्रदूषण, दुर्घटनाओं और देरी की समस्याओं से भी राहत मिलेगी।223 ROB की यह स्वीकृति, विकास की वह रेल है जो बिहार को गति, सुरक्षा और समयबद्धता की नई पटरी पर ले जा रही है। राजधानी पटना अब राज्य के हर नागरिक से नज़दीक होगी।

भूमि अधिग्रहण के मुआवज़े में पारदर्शिता की पहल, 50 लाख से ऊपर पर कड़े नियम लागू

निज संवाददाता | पटना।

बिहार की धरती, जो अनगिनत स्मृतियों और स्वामित्व के दावों की साक्षी रही है, अब भूमि अधिग्रहण के मुआवज़े के वितरण में एक नए युग में प्रवेश कर चुकी है। राज्य के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने ऐसे स्पष्ट, कठोर परंतु न्यायसंगत दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जो पारदर्शिता और उत्तराधिकार के सिद्धांतों को नई पहचान देते हैं। बिहार में भूमि अधिग्रहण के बाद मिलने वाले मुआवज़े को लेकर भूचाल आ गया है! अब अंचलाधिकारी की 'चिट्ठी' नहीं, बल्कि कानूनी वारिस प्रमाण पत्र ही चलेगा! सरकार ने 50 लाख से ज़्यादा के मुआवज़े पर सख़्ती दिखाते हुए एक ऐतिहासिक फैसला लिया है, जिससे अतीत में होने वाले करोड़ों के घोटालों पर लगाम लगेगी। अब तक, बड़े-बड़े मुआवज़े भी सिर्फ़ स्थानीय अधिकारियों की कृपा पर मिल जाते थे, लेकिन अब यह पुरानी चालबाज़ी ख़त्म! यह बदलाव सिर्फ़ काग़ज़ी नहीं, बल्कि मुआवज़े की प्रक्रिया में 'पवित्रता' और 'पारदर्शिता' लाने का ब्रह्मास्त्र है! अगर मुआवज़ा 50 लाख से कम भी है, तो भी अंचलाधिकारी को संतुष्ट करना होगा और न्यायिक रूप से वैध उत्तराधिकार प्रमाण पत्र देना अनिवार्य होगा। इतना ही नहीं, सरकार ने इस प्रक्रिया को और भी पुख़्ता बनाने के लिए एक और घातक शर्त जोड़ी हैः 'क्षतिपूर्ति बंध पत्र'! इसमें मुआवज़ा लेने वाले वारिसों को यह क़सम खानी होगी कि अगर भविष्य में कोई असली वारिस सामने आता है, तो वे पूरी या कुछ रकम वापस लौटाएंगे! यह सिर्फ़ एक काग़ज़ी कार्रवाई नहीं, बल्कि 'न्याय की आत्मा' की रक्षा का वचन है! भूमि अधिग्रहण निदेशक कमलेश कुमार सिंह के शेखपुरा मामले में दिए गए निर्देशों ने इन नियमों की गंभीरता को और भी बढ़ा दिया है। अब यह साफ़ है कि राज्य सरकार किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं करेगी। इन क्रांतिकारी बदलावों के पीछे सरकार का मकसद साफ़ हैः धोखाधड़ी पर लगाम और वास्तविक हक़दार को उसका पैसा दिलाना! ख़ासकर उन मामलों में जहाँ मृतक भू-मालिक के कई वारिस होते हैं और रकम बड़ी होती है, यह नई प्रणाली न्याय की नई मिसाल बनेगी। बहरहाल बिहार सरकार का यह कदम न केवल भूमि अधिग्रहण के क्षेत्र में एक नई कानूनी क्रांति लाएगा, बल्कि जनता के भरोसे को भी फिर से बहाल करेगा। यह एक ऐसी पहल है जहाँ संवेदना और क़ानून साथ-साथ चलते हैं, और इसी में छिपा है 'सच्चे हक़दार को उसका हक़ दिलाने' का वादा। नए नियमों के आलोक में, यदि अधिग्रहण उपरांत भूमि स्वामी का निधन हो जाता है और उसके उत्तराधिकारियों को 50 लाख रुपये से अधिक की क्षतिपूर्ति राशि प्राप्त होनी है, तो अब यह केवल अंचलाधिकारी के प्रमाण से नहीं, बल्कि विधिक प्रक्रिया के तहत प्राप्त उत्तराधिकार प्रमाण पत्र से ही संभव होगा। अतीत में यह बड़ी धनराशियाँ भी स्थानीय प्रशासनिक स्तर पर प्रमाणित होकर निर्गत हो जाया करती थीं, परंतु अब इस पद्धति को पूर्ण विराम दे दिया गया है। यह बदलाव मात्र एक औपचारिकता नहीं, बल्कि मुआवज़े की प्रक्रिया को कानूनी पवित्रता और पारदर्शिता प्रदान करने की दिशा में एक ठोस कदम है। यदि क्षतिपूर्ति राशि 50 लाख से कम हो, तब भी संबंधित उत्तराधिकारियों को आवश्यक प्रमाणों के साथ अंचलाधिकारी की संतुष्टि प्राप्त करनी होगी, और न्यायिक रूप से वैध उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

पटना सहित बिहार के 26 जिलों में बारिश का येलो अलर्ट जारी

निज संवाददाता | पटना

बिहार के मौसम में अब बदलाव देखने को मिल रहा है। कई जिलों में बारिश का दौर शुरु हो गया है तो वहीं कई जिलों में अब भी भीषण गर्मी ने लोगों को जीना मुहाल कर रखा है। रविवार को किशनगंज में हुई मूसलधार बारिश को मानसून के प्रवेश का सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। सामान्यतः मानसून किशनगंज, अररिया, पूर्णिया और कटिहार से राज्य में प्रवेश करता है। मौसम विभाग ने सोमवार को भी किशनगंज में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है जबकि पश्चिम चंपारण में भी भारी वर्षा की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने उत्तर बिहार के कई जिलों में सोमवार को ठनका गिरने, बिजली चमकने, तेज हवा चलने और बारिश की संभावना जताई गई है। वहीं, दक्षिण बिहार के अधिकांश हिस्सों में मंगलवार तक गर्मी से राहत की उम्मीद नहीं है। हालांकि, 18 जून से उत्तर बिहार के साथ-साथ दक्षिण बिहार के कुछ हिस्सों में भी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। इसके बाद दक्षिण बिहार में आंशिक राहत मिलने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार, 19 जून से राज्य के अधिकतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की जा सकती है, हालांकि न्यूनतम तापमान में अगले चार दिनों तक विशेष बदलाव के संकेत नहीं हैं। रविवार को किशनगंज जिले के पोठिया में सबसे अधिक 126.6 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई। अररिया, पूर्णिया, कटिहार, मधेपुरा, भागलपुर, गया, रोहतास और पश्चिम चंपारण में भी हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। पूर्वी चंपारण में हवा की गति 35 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंची। उत्तर बिहार में न्यूनतम तापमान में रविवार को 7.5 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई, जबकि दक्षिण बिहार में न्यूनतम तापमान में हल्की बढ़ोतरी देखी गई। पूरे राज्य में अधिकतम तापमान में औसतन 7.2 डिग्री की गिरावट आई है। किशनगंज में सबसे कम तापमान 23.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जबकि सबसे अधिक तापमान रोहतास के डेहरी में 41.8 डिग्री रहा। बक्सर में 40.6 और छपरा में 40.3 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। पटना में सोमवार को गरज-तड़क के साथ हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने 19 जून को पटना समेत आसपास के इलाकों में भारी बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। रविवार को पटना का अधिकतम तापमान 38.7 डिग्री और न्यूनतम 31.9 डिग्री रहा। अधिकतम तापमान में 2.8 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई, लेकिन उमस से राहत नहीं मिली। मौसम विभाग ने सोमवार को राज्य के 12 जिलों के लिए भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट और 26 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। दक्षिण बिहार में देर शाम से मौसम के बदलने की संभावना जताई गई है। कई इलाकों में तेज बारिश और वज्रपात की चेतावनी दी गई है, लेकिन उमस भरी गर्मी से तत्काल राहत मिलने की संभावना कम है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, बिहार में 17 से 20 जून के बीच मानसून के प्रवेश की संभावना है, जबकि 25 जून तक पूरे राज्य में मानसूनी बारिश शुरू हो जाएगी। इस बार सामान्य से अधिक बारिश होने का पूर्वानुमान है। पिछले 24 घंटे में भागलपुर में तेज हवा के साथ बारिश हुई, वहीं औरंगाबाद समेत कई जिलों में बादल छाए रहे। पटना में हल्की धूप के बीच उमस भरी गर्मी ने लोगों को परेशान किया। रविवार को सबसे अधिक गर्म रोहतास रहा, जबकि सबसे कम तापमान बांका में 35.5 डिग्री दर्ज किया गया।

शादी समारोह जा रहे दो दोस्तों को हाइवा ने कुचला, मौके पर दर्दनाक मौत

निज संवाददाता | सहरसा

सहरसा रात के अंधेरे में हुए एक भयानक सड़क हादसे ने दो परिवारों के चिराग बुझा दिए। बैजनाथपुर-सौरबाजार मुख्य मार्ग पर, प्रखंड मुख्यालय गेट के पास, बीती रात लगभग 12 बजे एक तेज़ रफ़्तार हाइवा ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को बेरहमी से कुचल दिया, जिससे दोनों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों की पहचान मधेपुरा जिला के घैलाढ ओपी क्षेत्र के रामनगर गाँव, वार्ड नंबर 13 निवासी अनिल शर्मा के 18 वर्षीय पुत्र राजा कुमार और महा कुमार के 18 वर्षीय पुत्र कृष्ण कुमार के रूप में हुई है। ये दोनों जिगरी दोस्त एक ही बाइक पर सवार होकर अपने गाँव रामनगर से सौरबाजार थाना क्षेत्र के फोरसहा गाँव में एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। नियति को कुछ और ही मंजूर था। प्रखंड मुख्यालय गेट के समीप जैसे ही वे पहुँचे, सामने से आ रहे एक अनियंत्रित हाइवा ट्रक ने उनकी बाइक में ज़ोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवकों को सँभलने का मौका भी नहीं मिला। बारात में साथ जा रहे कुछ लोगों ने हादसे के बाद तुरंत दोनों घायल युवकों को उठाया और आनन-फानन में इलाज के लिए बैजनाथपुर स्थित लॉर्ड बुद्धा कोशी मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल में भर्ती कराया। लेकिन, डॉक्टरों ने जाँच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों के परिजनों ने बताया कि घटना स्थल से हाइवा ट्रक को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है और उसे सौरबाजार थाना ले जाया गया है। इस दुखद ख़बर के बाद दोनों मृतक युवकों के परिवारों में मातम पसरा हुआ है, और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस हादसे ने एक बार फिर रात के समय सड़कों पर भारी वाहनों की रफ़्तार और सुरक्षा नियमों की अनदेखी पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

30 फिट गहरे कुएं में गिरा था लोटा, सूखे कुएं में उतरे बाप-बेटे

कुएं से लोटे को निकालने की कोशिश में एक ही परिवार के दो लोगों की मौत

निज संवाददाता | पलामू

पलामू जिले के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत सहीआरा गांव में सोमवार को एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया। यह हादसा एक सूखे कुएं में हुआ, जहां मामूली एक लोटे को निकालने की कोशिश ने एक ही परिवार के दो लोगों की जान ले ली। इस हृदयविदारक घटना में पिता और पुत्र की मृत्यु हो गई, जिससे गांव में मातम पसरा हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सहीआरा गांव निवासी मुन्ना रजवार (36 वर्ष) का लोटा गलती से गांव के एक पुराने और सूखे कुएं में गिर गया था। यह लोटा उन्हें इतना जरूरी प्रतीत हुआ कि वे उसे निकालने स्वयं कुएं में उतर गए। यह कुआं करीब 30 फीट गहरा था और काफी समय से उपयोग में नहीं लाया गया था। जब मुन्ना कुएं में उतरने के बाद काफी देर तक बाहर नहीं निकले, तो उनके पिता जगत रजवार (60 वर्ष) को चिंता हुई। वह टॉर्च लेकर कुएं के किनारे पहुंचे और नीचे झांक कर देखा, तो बेटे को भीतर फंसा पाया। बेटे को मुसीबत में देख पिता का धैर्य जवाब दे गया और वह भी बिना किसी सुरक्षा उपाय के कुएं में उतर गए, संभवतः यह सोचकर कि वह बेटे की मदद कर पाएंगे। परंतु कुएं की गहराई और निचले हिस्से में जमे कीचड़ में दोनों ही इस कदर फंस गए कि बाहर निकलना संभव नहीं रहा। कुएं में पानी तो नहीं था, लेकिन कई वर्षों से बंद और संकीर्ण होने के कारण उसमें ऑक्सीजन की भारी कमी थी। ग्रामीणों के अनुसार, दम घुटने और कीचड़ में फंसने की वजह से दोनों की मौत हो गई। घटना की जानकारी सोमवार सुबह ग्रामीणों को मिली। कुएं के पास जब लोगों की भीड़ जमा हुई, तो किसी को भी कुएं में उतरने की हिम्मत नहीं हुई। लोगों ने तत्काल स्थानीय प्रशासन को सूचित किया। सूचना मिलते ही हुसैनाबाद एसडीओ गोरांग महतो, सीओ पंकज कुमार, बीडीओ सुनील वर्मा, थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी समेत स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कुएं में ऑक्सीजन सिलेंडर के माध्यम से ऑक्सीजन भेजी गई और हवा के संचार के लिए पंखा लगाया गया। पर्याप्त सुरक्षा प्रबंधों के बाद कुछ ग्रामीणों की सहायता से दोनों शवों को बाहर निकाला गया। यह दृश्य अत्यंत हृदय विदारक था और वहां मौजूद हर व्यक्ति की आंखें नम थीं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से चिकित्सा प्रभारी डॉ. विनेश कुमार और डॉ. विकास कुमार ने दोनों मृतकों के शवों की जांच की और उन्हें पोस्टमॉर्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल भेजा गया। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि दोनों की मौत संकीर्ण कुएं में ऑक्सीजन की भारी कमी के कारण दम घुटने से हुई है। यह हादसा उन सभी के लिए एक गहरा सबक है जो अनजाने में खतरे को नजरअंदाज कर देते हैं।

दो सड़क दुर्घटना में दो लोगों की हुई मौत

निज संवाददाता | पलामू

पलामू जिले में सड़क हादसों ने दो परिवारों की खुशियां छीन लीं। दो अलग-अलग स्थानों पर हुई इन दुर्घटनाओं में एक बुजुर्ग महिला और एक युवा की मौत हो गई। तेज रफ्तार, लापरवाही और अनियंत्रित वाहनों की वजह से सड़कें अब असुरक्षा का प्रतीक बनती जा रही हैं। पहली घटना लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के ढेला गांव की है। यहां 50 वर्षीय फूलपति देवी रोज की तरह अपने घर के बाहर बैठी थीं। दोपहर के समय पांकी की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि फूलपति देवी सड़क पर गिर पड़ीं और गंभीर रूप से घायल हो गईं। परिजनों और स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद गांव में शोक का माहौल व्याप्त हो गया है। दूसरी घटना हरिहरगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत एनएच-139 पर कौवाखोह बीकेएस इंटर कॉलेज के पास हुई। यहां 20 वर्षीय अब्दुल हुसैन, जो कि छतरपुर के मड़वा गांव का निवासी था, अपने रिश्तेदार के घर हरिहरगंज जा रहा था। अचानक उसकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि वह बाइक समेत ट्रक के नीचे जा घुसा और बुरी तरह घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची एनएचएआई की एम्बुलेंस ने अब्दुल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां उसकी हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे औरंगाबाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया, लेकिन वहां इलाज के दौरान उसकी जान नहीं बच सकी। इस घटना से मड़वा गांव में मातम पसरा हुआ है, जहां अब्दुल को एक होनहार और मेहनती युवक के रूप में जाना जाता था। दोनों घटनाओं ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या हमारी सड़कों पर सुरक्षा के मानक अब सिर्फ कागजों में सिमटकर रह गए।

महागामा में आम उत्सव सह बागवानी मेला आयोजित

बागवानी के क्षेत्र में अपार संभावनाएं: बीडीओ

- एक एकड़ से दो लाख तक की आमदनी संभव
- 5 साल की योजना, 4 लाख रुपये तक की लागत

निज संवाददाता | महागामा (गोड्डा)

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत रविवार को महागामा प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में एक दिवसीय आम उत्सव सह बागवानी मेला का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बिरसा हरित ग्राम योजना के अंतर्गत आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य किसानों को बागवानी की ओर प्रोत्साहित करना और उन्हें इस क्षेत्र की संभावनाओं से अवगत कराना था। कार्यक्रम का नेतृत्व प्रखंड विकास पदाधिकारी सोनाराम हांसदा ने किया, जबकि दीप प्रज्वलन कर मेला का विधिवत उद्घाटन अंचलाधिकारी डॉ. खगेन महतो, बीपीओ पुरुषोत्तम कुमार, एजीएम आलोक कुमार, एमओ संजीव कुमार, प्रखंड कांग्रेस प्रभारी सह जिला परिषद प्रतिनिधि याहया सिद्दीकी, नयानगर के मुखिया प्रतिनिधि मोहम्मद शाहिद सहित अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से किया। मेला में आम बागवानी से जुड़े किसानों द्वारा उगाई गई विभिन्न किस्मों के आमों की प्रदर्शनी आकर्षण का मुख्य केंद्र रही। बंबईया, गुलाब खास, आम्रपाली, लंगड़ा, मल्लिका और दूधिया मालदा जैसे प्रजातियों के आमों ने अपने स्वाद, रूप और खुशबू से सबका मन मोह लिया। इन आमों की प्रदर्शनी न सिर्फ दर्शकों के लिए रोचक रही, बल्कि यह इस बात का प्रमाण भी थी कि झारखंड के ग्रामीण इलाकों में बागवानी किस कदर फली-फूली है। मौके पर बिरसा हरित क्रांति योजना के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया, जिससे अन्य किसानों को भी प्रेरणा मिली। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी सोनाराम हांसदा ने कहा कि बागवानी, विशेष रूप से आम की खेती, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने का एक सशक्त माध्यम बन सकता है।

उन्होंने बताया कि आम की बागवानी कर किसान सालाना एक से दो लाख रुपये तक की कमाई कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि महागामा की जलवायु और मिट्टी आम की खेती के लिए अत्यंत उपयुक्त है और सरकार चाहती है कि किसान आत्मनिर्भर बनें। इसी दिशा में यह योजना किसानों को आर्थिक संबल देने का प्रयास है। अंचलाधिकारी डॉ. खगेन महतो ने बताया कि वर्तमान में महागामा प्रखंड में 15 एकड़ भूमि पर आम बागवानी की जा रही है, जिसे आने वाले समय में 50 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल तक विस्तारित करने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि मात्र 50 डिसमिल जमीन पर भी कोई भी किसान आम की खेती कर सकता है और तीन से चार साल के भीतर अच्छा मुनाफा कमा सकता है। इस मौके पर प्रखंड कांग्रेस प्रभारी सह जिला परिषद प्रतिनिधि याहया सिद्दीकी ने किसानों के बीच व्याप्त उस भ्रांति को दूर करने की कोशिश की, जिसमें कुछ लोग यह मानते हैं कि सरकार आम बागवानी के नाम पर किसानों की जमीन हड़प लेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसा बिल्कुल नहीं है। सरकार सिर्फ आर्थिक सहायता देती है, जबकि जमीन पूरी तरह किसानों की ही रहती है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे ऐसे भ्रमों से बाहर निकलें और सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाएं। कार्यक्रम में किसानों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि किस प्रकार सरकारी मार्गदर्शन और योजनाओं के सहारे उन्होंने अपनी बंजर या अनुपयोगी जमीन को हरे-भरे बाग में तब्दील कर दिया। सिमरकित्ता गांव के मोहम्मद मुस्तकीम ने बताया कि उन्होंने प्रशासन के निर्देशानुसार गड्ढे की खुदाई, पौधारोपण, सिंचाई और खाद प्रबंधन का पूरा ख्याल रखा, और अब उनकी बागवानी में पांच किस्म के आम के पेड़ लहलहा रहे हैं। उन्होंने अब तक 20 हजार रुपये के आम बेच दिए हैं और अभी भी बगान में करीब 10 क्विंटल उत्तम गुणवत्ता वाले आम हैं। इसी तरह ग्राम ज्ञानचक की प्रियंका कुमारी, गोरटिया की मौसमी हांसदा, कुशमारा के साह रज्जाक और लहठी की वंदना दास ने भी अपने अनुभव साझा किए कि कैसे उन्होंने बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत आम की बागवानी कर न सिर्फ अपनी आजीविका का बेहतर जरिया बनाया, बल्कि अपने खेतों में हरियाली भी लौटा दी। प्रदान संस्था के प्रतिनिधि आशुतोष कुमार ने बताया कि सरकार इस योजना के तहत एक एकड़ में 112 पौधे लगाने की अनुमति देती है और साथ ही पौधारोपण के बीच में सब्जी की खेती की भी संभावना है।

शराब तस्करी का भंडाफोड़, 466 बोतल अंग्रेजी शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

निज संवाददाता | गिरिडीह

जिले के तिसरी थाना क्षेत्र में पुलिस को शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हाथ लगी है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने चंदौरी मोड़ के पास कार्रवाई करते हुए एक टोयोटा कार से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद की है। पकड़ी गई कार (नंबर DL4CNE-3423) से कुल 466 बोतलें अंग्रेजी शराब की बरामद की गईं, जिन्हें झारखंड से बिहार ले जाया जा रहा था। बताया गया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि सफेद रंग की एक कार में शराब भरकर बिहार की ओर ले जाई जा रही है। सूचना मिलते ही तिसरी थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई और चंदौरी के समीप वाहन की निगरानी शुरू की गई। जैसे ही संदिग्ध वाहन मौके पर पहुंचा, पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया। कार में सवार दो युवक पुलिस को देखकर भागने लगे, लेकिन उन्हें मौके पर ही दबोच लिया गया। जब कार की तलाशी ली गई तो उसमें कुल 15 कार्टून और चार प्लास्टिक के बोरों में भरी शराब की बोतलें बरामद की गईं।

शराब के बोतलों पर 'फॉर सेल इन झारखंड ओनली' अंकित था, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि शराब को अवैध रूप से बिहार भेजा जा रहा था। पुलिस ने जिन दो तस्करों को गिरफ्तार किया है, उनकी पहचान बिहार के दरभंगा जिले के कृष्णा कुमार पासवान और राजन कुमार पासवान के रूप में की गई है। पूछताछ में उन्होंने स्वीकार किया कि वे यह शराब झारखंड के दुमका से लादकर दरभंगा ले जा रहे थे, जहां इसे ऊंचे दाम पर खपाने की योजना थी। इस संबंध में खोरीमहुआ एसडीपीओ राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि बरामद शराब में आइकॉनिक व्हाइट की 68 बोतलें, रॉयल स्टेज की 216 बोतलें, स्टर्लिंग रिजर्व बी7 की 119 बोतलें और इंपीरियल ब्लू की 63 बोतलें शामिल हैं। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

नाग पूजा 22 जून से, सात जुलाई को समापन

गोड्डा (नि.सं.)। सदर प्रखंड के कन्हवारा गांव स्थित नाग मंदिर में नाग देवता की पूजा अराधना 22 जून से आरंभ हो जाएगी। पूजा को लेकर समिति की ओर से मंदिर प्रांगण में बैठक का आयोजन किया गया। आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि पूजा 22 जून से शुरू होकर 15 दिनों तक चलेगी। 07 जुलाई, सोमवार को अंतिम पूजा के साथ इसका समापन होगा। वहीं बताया गया कि 06 जुलाई को खीर भोग का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। वहीं 07 जुलाई को डलिया चढ़ाने की रस्म, ब्राह्मण भोजन तथा मंदिर परिसर में मेला का आयोजन कर पूजा का समापन किया जाएगा। बैठक में प्रदीप कुमार सिंह, ग्राम प्रधान घनश्याम मांझी, पूर्व मुखिया परमानंद साह, जय नारायण मांझी, मुखिया प्रतिनिधि गुड्डु राउत, उपमुखिया अशोक कापरी, वार्ड सदस्य तपेश साह, पंकज कुमार साह, विनोद कुमार माल, चुन्नीलाल सिंह समेत कई ग्रामीण मौजूद थे।

30 जून तक होल्डिंग टैक्स जमा करने पर छूट, एक जुलाई से लगने लगेगा ब्याज

निज संवाददाता | गोड्डा

नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी आशीष कुमार ने होल्डिंग धारियों से अपील की है कि वे 30 जून तक अपना होल्डिंग टैक्स जमा कर दें। समय पर टैक्स जमा करने वालों को 5% से 10% तक की छूट दी जा रही है। यह जानकारी कार्यपालक पदाधिकारी आशीष कुमार ने दी। नगर परिषद क्षेत्र के अंतर्गत कुल 17,576 होल्डिंगधारी हैं, जिनमें से अब तक मात्र 4,633 ने ही होल्डिंग टैक्स का भुगतान किया है। शेष 13,000 से अधिक लोगों से नगर परिषद ने शीघ्र टैक्स भुगतान करने की अपील की है। कार्यपालक पदाधिकारी ने बताया कि 1 जुलाई से बकाया होल्डिंग टैक्स पर ब्याज लगना शुरू हो जाएगा, जिससे लोगों को अतिरिक्त आर्थिक भार बढ़ेगा। साथ ही, जिन होल्डिंगधारियों ने वर्ष 2024-25 से पहले का बकाया टैक्स अब तक नहीं चुकाया है, उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। शहरवासियों की सुविधा के लिए नगर परिषद कार्यालय में टैक्स काउंटर को सक्रिय किया गया है।

रेल प्रोजेक्ट व पेंटिंग प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा, मेधावी हुए सम्मानित

निज संवाददाता | गोड्डा

गोड्डा के उत्क्रमित उच्च विद्यालय रमला में सोमवार को आयोजित एक सम्मान समारोह में छात्रों की प्रतिभा और मेहनत को सराहा गया। यह कार्यक्रम 'रेगुलर एसेसमेंट फॉर इंप्रूव्ड लर्निंग प्रोजेक्ट' के अंतर्गत आयोजित किया गया था, जिसमें जून माह के दौरान वर्ग दशम के छात्रों के लिए बहुविकल्पीय प्रश्नों पर आधारित मूल्यांकन परीक्षा आयोजित की गई थी। परीक्षा कुल पांच विषयों पर आधारित थी और 100 अंकों की थी, जिसमें छात्रों ने अपनी कड़ी मेहनत और तैयारी का बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस परीक्षा में शिवम् कुमार ने सर्वाधिक 87 अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि शिवम् कुमार ठाकुर 79 अंकों के साथ द्वितीय स्थान और दीपक कुमार यादव 76 अंकों के साथ तृतीय स्थान पर रहे। इन विद्यार्थियों की सफलता ने विद्यालय में एक सकारात्मक प्रेरणा का संचार किया। इसी क्रम में निषिद्ध पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता में भी छात्रों ने अपनी कला प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया। दीपक कुमार यादव ने प्रथम, राधा कुमारी ने द्वितीय और ज्योति कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता छात्रों को प्रभारी प्राचार्य जयराम प्रसाद यादव एवं शिक्षिका कुमारी पूनम द्वारा पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए शिक्षक कुमार यदुवंश मणि ने छात्रों को प्रेरित किया कि नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के साथ वे पढ़ाई में निरंतरता बनाए रखें और विद्यालय द्वारा संचालित गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाएं। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक प्रेमलाल पंडित, रमजान अली अंसारी, मो० शकील अहमद, सुभाष दास, शिवनंदन प्रसाद, नीरज कुमार सिंह, तारिक अनवर, अमरजीत दास, शाहीन इकबाल, मनोवर आलम, राहुल कुमार व आशीष कुमार भी उपस्थित रहे।

पुलिस ने चेन पुलिंग कर फरार बेगूसराय के दो बदमाश को किया गिरफ्तार

निज संवाददाता | जामताड़ा

कोलकाता से जयनगर जा रही ट्रेन संख्या 13135 में महिला यात्री से लूट की वारदात सामने आई है। यह घटना सालानपुर आरओबी (रेल ओवरब्रिज) के पास हुई, जब दो बदमाशों ने ट्रेन की चेन खींचकर इमरजेंसी ब्रेक लगाया और चलती ट्रेन से छलांग लगाकर भाग निकले। इसके पहले वे महिला का पर्स छीन चुके थे, जिसमें 10,400 रुपये नकद और एक मोबाइल फोन रखा था। महिला अपने बेटे एमडी अजहर के साथ बी-4 कोच में 42 और 43 नंबर की बर्थ पर यात्रा कर रही थी। घटना की जानकारी मिलते ही कोच में मौजूद यात्री शेख तबरेज ने तत्काल रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर कॉल कर घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही सीतारामपुर आरपीएफ और जीआरपी की टीम सक्रिय हो गई।

जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी विश्लेषण से यह स्पष्ट हुआ कि दोनों बदमाश सीतारामपुर लिंक केबिन के पास ट्रेन से कूद कर फरार हुए थे। इसके बाद इंस्पेक्टर ए.के. सिंह, एसआई नरेंद्र कुमार और एसआई बंटी के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने लिंक केबिन के पास के जंगल क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान चलाया। कुछ ही घंटों में दोनों आरोपियों को पकड़ लिया गया। गिरफ्तार बदमाशों की पहचान बिहार के बेगूसराय जिले के शंभू शाह (32) और सूरज कुमार (26) के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान लूटा गया मोबाइल फोन और नकदी भी बरामद कर ली गई है। दोनों आरोपियों के खिलाफ आसनसोल जीआरपीएस में केस नंबर 45/25 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। रेल पुलिस के अधिकारियों का मानना है कि पकड़े गए बदमाश ट्रेन में यात्रा कर रहे यात्रियों को पहले से निशाना बनाते थे और फिर सुनसान इलाकों में चेन पुलिंग कर लूट की वारदात को अंजाम देते थे। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इनका कोई आपराधिक गिरोह से संबंध तो नहीं है और क्या इससे पहले भी इन्होंने इस तरह की घटनाओं को अंजाम दिया है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे ट्रेन यात्रा के दौरान सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत 139 या 182 हेल्पलाइन नंबर पर दें। साथ ही, कोच में अनजान व्यक्तियों से अधिक मेलजोल न बढ़ाने की भी सलाह दी गई है।

मोस्ट वांटेड अपराधी चांद उर्फ लंगड़ा गिरफ्तार

निज संवाददाता | जमशेदपुर(पूर्वी सिंहभूम)

शहर और आसपास के इलाकों में दहशत फैलाने वाला चेन स्नैचिंग और चोरी का वांछित अपराधी चांद उर्फ लंगड़ा आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गया। जुगसलाई थाना पुलिस ने इस कुख्यात बदमाश को एक विशेष अभियान चलाकर गिरफ्तार किया है। पुलिस को यह सफलता वारदात के महज 48 घंटे के भीतर मिल गई। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ जमशेदपुर और सरायकेला जिले में चेन स्नैचिंग, झपटमारी और घरों में चोरी के 8-10 मामले दर्ज हैं। वह लंबे समय से फरार था और पुलिस की नजर में मोस्ट वांटेड की सूची में शामिल था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसके पास से एक सोने की चेन, सोने का झुमका, चांदी की कुछ वस्तुएं, एक पर्स, एक आईफोन और एक टैबलेट बरामद किया है। जब्त किए गए सभी सामानों को हाल की वारदातों से जोड़ा जा रहा है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि बरामद मोबाइल और टैब चोरी के हैं या खरीदे गए। पूछताछ के दौरान आरोपी चांद ने अपने गिरोह के अन्य सदस्यों की भी जानकारी पुलिस को दी है। सूत्रों के अनुसार, गिरोह का नेटवर्क शहर के विभिन्न हिस्सों में फैला हुआ है और ये लोग मौका देखकर बुजुर्ग महिलाओं व राह चलते लोगों को निशाना बनाते थे। पुलिस अब उसके नेटवर्क को तोड़ने की दिशा में तेजी से कार्रवाई कर रही है और जल्द ही उसके साथियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की योजना बनाई गई है। जुगसलाई थाना प्रभारी ने कहा कि जनता को चाहिए कि चेन, मोबाइल या पर्स खुले में लेकर चलने से परहेज करें और संदिग्ध व्यक्तियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें। उन्होंने बताया कि चांद उर्फ लंगड़ा जैसे अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए पुलिस लगातार निगरानी कर रही है।

धान व्यापारी पर गोलीबारी और लूट का मामले में दो अपराधी गिरफ्तार, हथियार और नकदी बरामद

निज संवाददाता | गुमला

गुमला रायडीह थाना क्षेत्र के कांसीर बाजार में बीते दिनों धान व्यापारी राजकुमार साहू पर हुई गोलीबारी और लूट की सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने महज 48 घंटे के भीतर सफल उद्भेदन कर लिया है। इस हमले में गंभीर रूप से घायल हुए व्यापारी का इलाज फिलहाल रांची के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। इस पूरे मामले को लेकर पुलिस अधीक्षक हारीश बिन जमां ने सोमवार को एक प्रेस वार्ता आयोजित कर घटना से जुड़ी विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि घटना में शामिल दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिनकी पहचान मांझाटोली निवासी दीपक मुंडा और महेंद्र उरांव के रूप में हुई है। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने उनके पास से एक लोडेड पिस्टल, एक देशी कट्टा, तीन जिंदा कारतूस, लूट के 72,580 रुपये नकद, दो मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल जब्त की है, जिसका उपयोग वारदात में किया गया था। पूछताछ में यह भी स्पष्ट हुआ है कि मुख्य आरोपी दीपक मुंडा का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। वह पहले भी कई मामलों में संलिप्त रहा है और पुलिस की निगरानी सूची में शामिल था।

अपराधियों ने व्यापारी को निशाना बनाकर पहले गोली मारी और फिर लूट की घटना को अंजाम दिया। राजकुमार साहू उस समय कांसीर बाजार में अपने व्यापारिक लेन-देन के लिए आए हुए थे। पुलिस का मानना है कि इस आपराधिक घटना को अंजाम देने में दोनों आरोपियों के अलावा और भी लोग शामिल थे, जिनकी पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस टीम संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है और जल्द ही इस गिरोह के अन्य सदस्यों को भी पकड़ लिया जाएगा। एसपी ने इस सफलता का श्रेय जिला पुलिस की त्वरित कार्रवाई और तकनीकी निगरानी को दिया। उन्होंने बताया कि मोबाइल लोकेशन, सीसीटीवी फुटेज और खुफिया सूचना के आधार पर अपराधियों को ट्रेस किया गया। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अपराध से संबंधित सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि अपराध को रोका जा सके।

धनबाद में बर्तन दुकान से लाखों की चोरी

निज संवाददाता | धनबाद

शहर के सरायढेला थाना क्षेत्र अंतर्गत ऐट लेन स्थित श्रीराम बर्तन शॉप एंड ज्वैलर्स में रविवार देर रात चोरी की एक बड़ी वारदात को अज्ञात चोरों ने अंजाम दिया। चोरों ने दुकान का शटर तोड़कर भीतर घुसकर लाखों रुपये के कीमती चांदी के जेवरात और अन्य सामान चुरा लिए। चोरी की यह घटना सोमवार सुबह तब सामने आई जब दुकान मालिक ने शटर टूटा देखा और तत्काल इसकी सूचना दुकान संचालक धनंजय पाल को दी। जानकारी मिलते ही संचालक मौके पर पहुंचे और देखा कि दुकान के भीतर रखा कीमती सामान पूरी तरह से गायब था। उन्होंने तत्काल सरायढेला थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई। संचालक धनंजय पाल के अनुसार, चोर करीब दो किलो चांदी के जेवरात और कुछ सोने की बिछिया चुराकर फरार हो गए। चोरी गए सामानों में चांदी की पायल, कड़ा, ब्रेसलेट, सिक्के, बिछिया और अन्य कीमती वस्तुएं शामिल हैं। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक चोरी का कुल मूल्य लगभग तीन लाख रुपये आंका गया है। धनंजय पाल ने बताया कि उन्होंने यह दुकान महज दो महीने पहले ही शुरू की थी और अब तक उसमें सीसीटीवी कैमरे नहीं लगाए गए थे। रविवार की शाम रोज की तरह दुकान बंद कर वे घर चले गए थे और रात के अंधेरे में चोरों ने मौका पाकर वारदात को अंजाम दिया। घटना की जानकारी मिलते ही सरायढेला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने आसपास के दुकानों और सड़कों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही चोरों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। इस चोरी की वारदात से इलाके में दहशत और नाराजगी का माहौल है।

बिजली चोरी मामले में पांच लोगों पर मुकदमा दर्ज

पथरगामा (नि.सं.)। विद्युत विभाग के वरीय पदाधिकारी के निर्देशानुसार विद्युत अनुमंडल पदाधिकारी कंचन टुडु के द्वारा चलाए गए छापामारी अभियान में टोका लगाकर बिजली चुराने के आरोप में लासोतिया निवासी हरि नारायण माझी, तरडिहा निवासी शत्रुघ्न शर्मा, मटिहानी निवासी निर्मल टुडु, मटिहानी निवासी बाबूलाल टुडू, महेश लिट्टी निवासी कुलदीप महतो को अवैध रूप से टोका फसाकर विद्युत चोरी का अभियुक्त पाया गया। मालूम हो कि विद्युत बिल बकाया रहने के चलते इन सबों का पूर्व में ही विद्युत विच्छेदन कर दिया गया था। कंचन टुडू के लिखित बयान के आधार पर विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। कांड संख्या 101/25 के तहत अंकित कांड के अनुसंधानकर्ता सहायक अवर निरीक्षक अनिल कुमार को बनाया गया है।

बीएसएल की क्वालिटी सर्किल टीमों का कार्यस्थल प्रबंधन की 5-एस प्रणाली के राष्ट्रीय सम्मेलन में उत्कृष्ट प्रदर्शन

निज संवाददाता | बोकारो

केएलएन इंजीनियरिंग कॉलेज, मदुरै में क्यूसीएफआई द्वारा आयोजित "कार्यस्थल प्रबंधन की 5-एस प्रणाली" के राष्ट्रीय सम्मेलन में बोकारो स्टील प्लांट की क्वालिटी सर्किल टीमों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर एक बार फिर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है. इस सम्मलेन में बीएसएल की 14 क्वालिटी सर्किल टीमों ने भाग लिया जिनमें 11 टीमों ने प्रतिष्ठित पार-एक्सीलेंस अवार्ड तथा 03 टीमों ने एक्सीलेंस अवार्ड प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर पर बोकारो स्टील का मान बढ़ाया है. इस सम्मेलन में देश भर से कई प्रतिष्ठित संगठनों की टीमें शामिल हुई थी. बीएसएल के पीईबी विभाग की टीम जिज्ञासा, बीजीएच की टीम गौतम, क्षितिज तथा रूपांतर, हॉट स्ट्रिप मिल की टीम रेडियंस, हैवी मेंटेनन्स विभाग की टीम उद्योग, सीआरएम-III की टीम प्रयास तथा टीम स्तंभ, ईटीएल विभाग की टीम संकल्प, सीओ एंड सीसी विभाग की टीम प्रगति, तथा ट्रैफिक विभाग की टीम सृजन-ज्योति के साथ कुल 11 टीमों ने कार्यस्थल प्रबंधन की 5-एस प्रणाली के पुरस्कार की सर्वोच्च श्रेणी पार-एक्सीलेंस अवार्ड जीता. क्यूसीएफआई द्वारा आयोजित कार्यस्थल प्रबंधन की 5-एस प्रणाली के पुरस्कार की दूसरी सर्वोच्च श्रेणी एक्सीलेंस अवार्ड बीएसएल के नगर प्रशासन के जलापूर्ति विभाग की टीम आकर्षक, एच आर सी एफ विभाग की टीम हिमालय तथा आर सी एल विभाग की टीम कर्ण को मिला. राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने से पहले, उपरोक्त टीमों ने बी एस एल के बिजनेस एक्सीलेंस विभाग द्वारा इन-हाउस आयोजित और संचालित डायरेक्टर-इन-चार्ज 5-एस ट्रॉफी' 2025 में अपने शानदार प्रदर्शन की बदौलत मदुरै के राष्ट्रीय सम्मेलन में अपनी जगह बनाई थी. राष्ट्रीय कॉन्क्लेव में बीएसएल टीमों की तैयारी और सफल भागीदारी की सुविधा बिजनेस एक्सीलेंस विभाग ने प्रदान की थी. बोकारो स्टील प्लांट के शीर्ष प्रबंधन ने सभी पुरस्कार विजेता टीमों को अपने संबंधित कार्य क्षेत्रों और विभागों में कार्यस्थल प्रबंधन की 5-एस प्रणाली की संस्कृति को मजबूत करने में उनके सार्थक प्रयासों की सराहना के साथ बधाई दी है.

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

पति ने पत्नी को प्रेमी संग होटल में अय्याशी करते पकड़ा, फिर कोर्ट से पुलिस तक पहुंचा मामला

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में रहने वाले व्यक्ति ने पत्नी को उसके प्रेमी के साथ होटल में आपत्तिजनक हालत में पकड़ लिया। इस पर पत्नी और उसके परिजन द्वारा कथित तौर पर उसे झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी गई। कोर्ट के आदेश पर शनिवार को महिला समेत अन्य लोगों पर केस दर्ज हुआ है। इंदिरापुरम थानाक्षेत्र में रहने वाले व्यक्ति की शादी साढ़े पांच साल पहले हुई थी। उसने कोर्ट में डाली याचिका में बताया कि पत्नी कुछ समय बाद परिवार से अलग रहने लगी। बेटी के जन्म के बाद भी उसका व्यवहार नहीं बदला। इसी बीच उसे पता चला कि वह किसी युवक से बात करती है। बीते दिनों पत्नी कॉलेज से अपनी मार्कशीट लाने का बहाना बनाकर घर से निकली तो पीड़ित ने पत्नी का पीछा किया। आरोप है कि पत्नी बेटी को रिश्तेदार के घर छोड़कर एक कार में बैठ गई। इसके बाद वह कार एक होटल के बाहर रुकी और फिर दोनों अंदर चले गए। वहां पीड़ित पति ने पत्नी को उसके प्रेमी के साथ होटल के एक कमरे में आपत्तिजनक हालत में पकड़ लिया। आरोप है कि पति जब अपनी पत्नी को घर वापस नहीं आने की बात कह वहां से चला तो प्रेमी ने उसे गायब कराने की धमकी दी। आरोप है कि विरोध करने पर पत्नी और उसके प्रेमी ने धमकी दी। बाद में पत्नी और उसके परिजनों ने भी उन्हें परेशान करना शुरू कर दिया। पति द्वारा पुलिस कमिश्नर ऑफिस में शिकायत की गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद पीड़ित ने कोर्ट में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामले में केस दर्ज कर लिया गया है। पति का आरोप है पत्नी और उसके परिजन उसे झूठे केस में फंसाने का प्रयास कर रहे हैं।

मनाली में जिपलाइन राइड के दौरान टूटी रस्सी, नीचे पत्थरों पर गिरी बच्ची

मनाली, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के मनाली में जिपलाइन राइड के दौरान रस्सी टूटने से महाराष्ट्र के नागपुर की 12 वर्षीय बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। परिवार से जुड़े एक व्यक्ति ने रविवार को यह बताया कि पिछले सप्ताह हुए इस हादसे के बाद से बच्ची अस्पताल में भर्ती है। परिवार के सूत्रों के अनुसार, त्रिशा बिजवे अपने परिवार के साथ मनाली घूमने गई थी। जिपलाइन राइड के दौरान रस्सी टूट गई, जिससे वह नीचे पत्थरों पर गिर गई। इस हादसे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें जिपलाइन की रस्सी टूटने के बाद बच्ची चट्टानों पर नीचे गिरती दिखती है। परिवार से जुड़े व्यक्ति ने बताया कि त्रिशा की हड्डियां टूट गई हैं और कुछ दिन पहले उसकी सर्जरी भी हुई है। त्रिशा के पिता प्रफुल्ल बिजवे ने बताया कि फिलहाल उनकी बेटी की हालत स्थिर है। अधिकारियों के अनुसार, त्रिशा जिपलाइन के बीच में थी, इसी दौरान हार्नेस की रस्सी टूट गई। वह करीब 30 फुट की ऊंचाई से चट्टानों से भरी खाई में गिर गई। इससे उसे गंभीर चोटें आईं। लड़की को तुरंत नजदीकी चिकित्सा सुविधा में ले जाया गया, जहां से उसे चंडीगढ़ पीजीआई ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च में रेफर कर दिया गया। बाद में उसे नागपुर के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया है। अब वहीं उसका इलाज चल रहा है। मनाली के पुलिस उपाधीक्षक केडी शर्मा ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया है। कोई औपचारिक केस दर्ज नहीं किया गया है।

केवल किसानों के लिए बना था पुल, विधायक बोले- पर्यटकों के लोड से ढहा ब्रिज

पुणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के पुणे के मावल तहसील में इंद्रायणी नदी पर बना लोहे का एक पुल रविवार दोपहर ढह जाने से कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 32 अन्य घायल हो गये। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि कुछ लोग नदी में बह गए हैं। एनसीपी विधायक सुनील शेलके के कहना है कि 30 साल पहले यह पुल किसानों के आने जाने के लिए बनाया गया था। हालांकि यह इलाका पर्यटन स्थल के तौर पर विकसित हुआ तो बड़ी संख्या में पर्यटक भी इस पुल पर आने लगे। एनसीपी विधायक ने कहा कि समय-समय पर पुल की रिपेयरिंग होती थी और पर्यटकों को ज्यादा संख्या में इसपर जाने से रोका भी जाता था। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने रविवार को कहा कि इंद्रायणी नदी पर बने लोहे के पुल को जंग लग गया था।

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद अब पर्यटन कारोबार धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है

पहलगाम, एजेंसी।
दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत के करीब दो महीने बाद पर्यटन कारोबार धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है। ईद की छुट्टियों के बाद स्थानीय लोगों और पंजाब से कुछ लोगों ने चरवाहों की घाटी में आना शुरू कर दिया है। ईद के तीसरे दिन घाटी के अन्य भागों से बड़ी संख्या में कश्मीरी पहलगाम पहुंचे, जिससे यहां पर्यटन व्यापार से जुड़े लोग काफी खुशी हैं। यह पर्यटन स्थल श्रीनगर से 100 किलोमीटर दूर है। श्रीनगर के एक युवा नबील भट ने बताया, हम हर साल पहलगाम जाते रहे हैं, भले ही वहां पर्यटकों की भीड़ हो या नहीं। इस साल भी कुछ अलग नहीं था। हालांकि, इस बार हमारा ज्यादा सत्कार किया गया।

नबील भट पहलगाम के स्थानीय लोगों की ओर से पर्यटकों पर दिए जाने वाले विशेष ध्यान और अधिकांश सेवाओं की बेहद कम कीमतों का उल्लेख कर रहे थे। यहां से 6 किलोमीटर दूर बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले के बाद कश्मीर के अधिकांश हिस्सों में पर्यटन गतिविधियां थम गई थीं। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें 25 पर्यटक और एक स्थानीय सेवा प्रदाता शामिल था। श्रीनगर के सिविल लाइंस क्षेत्र की निवासी अलीना जान ने कहा, इस बार सेवा प्रदाता स्थानीय लोगों के प्रति अधिक मित्रवत हैं। पिछले वर्षों में ऐसा नहीं था, जब बड़ी संख्या में पर्यटक यहां आते थे। अधिकांश स्थानीय पर्यटक इस बात से खुश हैं कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने पहलगाम में पार्क खोलने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि इससे इस स्थान पर अधिक लोग आकर्षित होंगे। एक टूरिस्ट हट के मालिक मोहम्मद इशाक ने कहा, मौखिक प्रचार से बेहतर कोई विज्ञापन नहीं है। कश्मीर के विभिन्न हिस्सों से लोग ईद के तुरंत बाद यहां आना शुरू हो गए थे, लेकिन संख्या में ज्यादा वृद्धि नहीं हुई, क्योंकि सभी पार्क बंद होने के कारण उनके पास बैठने के लिए कोई जगह नहीं थी। हमें उम्मीद है कि अब इसमें बदलाव आएगा, क्योंकि उपराज्यपाल ने शनिवार को घोषणा की है कि पार्क फिर से खोले जाएंगे।

छत्तीसगढ़ की नोनी-बाबू स्कीम? टॉपर छात्रों को मुख्यमंत्री ने बनाया लखपति

रायपुर, एजेंसी।
छत्तीसगढ़ की बोर्ड परीक्षाओं में अच्छे नंबर लाओ और सरकार की ओर से इनाम पाओ...। जी हां,छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने श्रमिकों के उन बच्चों को स्कॉलरशिप दिया है, जो पढ़ाई के क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए अच्छे नंबर लेकर हैं। छत्तीसगढ़ श्रम विभाग की मुख्यमंत्री नोनी-बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना से श्रमिकों के मेधावी बच्चों को सरकार की ओर से अच्छे नंबर लाने पर प्रोत्साहन दिया गया। छत्तीसगढ़ बोर्ड परीक्षा के कक्षा दसवीं और बारहवीं के टॉप-10 में आए पंजीकृत श्रमिकों के कुल 31 मेधावी बच्चों को सीएम विष्णु देव साय ने दो-दो लाख रुपये का चेक दिया। चेक पाकर बच्चों के चेहरे खेल गए। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल में 10वीं कक्षा के 26 और 12वीं कक्षा के 5 बच्चों सहित कुल 31 श्रमिक बच्चों को 2 लाख रुपये दिए गए। 1 लाख रुपये दोपहिया वाहन और 1 लाख रुपये अच्छा

पढ़ने के लिए प्रोत्साहन राशि के रूप में दिया गया। इस योजना के लाभ की पहली शर्त यही है कि बच्चा परीक्षा में कम से कम 75 फीसदी नंबर लेकर आए। बोर्ड परीक्षा पास करने वाले के माता-पिता का रोजगार कार्ड में पंजीयन जरूर रहे। परीक्षा में अच्छे नंबर से पास होने वाले श्रमिकों के बच्चे योजना का लाभ उठा सकते हैं। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल ने राज्य के 38200 निर्माण श्रमिकों के लिए 19.71 करोड़ रुपये से ज्यादा की सहायता राशि सीधे उनके बैंक खातों में डीबीटी से जारी कर दिया। छत्तीसगढ़ में नोनी का मतलब होता है लड़की और बाबू का मतलब होता है लड़का...। मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के तहत रजिस्टर्ड निर्माण श्रमिकों के मेधावी बच्चों को आर्थिक मदद देकर उन्हें पढ़ाई में अच्छा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इस योजना के तहत छात्रों को उनकी शैक्षणिक योग्यता के आधार पर अलग-अलग प्रोत्साहन राशि दी जाती है। यह छत्तीसगढ़ सरकार के भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की एक महत्वपूर्ण योजना है। इस योजना का उद्देश्य पढ़ाई-लिखाई में अच्छा करने वाले श्रमिकों के बच्चों को आगे बढ़ने के लिए आर्थिक मदद मुहैया कराना है।

सोनम-राजा केस के बीच एक और मर्डर मिस्ट्री, छह महीने बाद मिला कंकाल

बेंगलुरु, एजेंसी।
एक तरफ देश में राजा रघुवंशी के मर्डर केस की चर्चा है, जहां उसकी पत्नी सोनम ने ही उसे मौत के घाट उतार दिया। वहीं, एक मर्डर मिस्ट्री कर्नाटक से सामने आई है। यहां पर पुलिस को छह महीने की तलाश के बाद एक कंकाल मिला है। आरोप है छह साल के रिश्ते बाद लड़की अपने प्रेमी पर शादी के लिए दबाव बना रही थी। इसके बाद उसने लड़की को मारकर दफना दिया। इस मामले में लड़की छह महीने गायब थी। लड़की के घरवालों की शिकायत के बाद पुलिस ने तलाश शुरू किया तब जाकर इस मर्डर मिस्ट्री का खुलासा हुआ।

जानकारी के मुताबिक कर्नाटक के गडग जिले की 26 साल की अंगाडी छह महीने पहले गायब हो गई थी। इससे पहले अंगाडी का 28 साल के सतीश के साथ प्रेम संबंध था। सतीश वहीं के नारायणपुर गांव का रहने वाला है और पेट्रोल पंप पर काम करता है। दोनों के बीच यह संबंध छह साल से था। जब परिवार के लोगों को उनके रिश्तों की भनक लगी तो उन्होंने अंगाडी को एक रिश्तेदार के यहां भेज दिया। 16 दिसंबर 2024 को उसने अपने रिश्तेदार का घर छोड़ दिया। इसके बाद वह कहां गायब हो गई, किसी को कुछ भी पता नहीं चल पाया। 12 जनवरी 2025 को लड़की के परिजनों ने बेटागेरी पुलिस थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की और मामले का खुलासा किया। इसमें सामने आया कि जिस रात लड़की गायब हुई, सतीश उसे गांव के ही पास एक फॉर्महाउस पर लेकर गया था। पुलिस के मुताबिक वहां लड़की ने सतीश पर शादी के लिए दबाव डाला। इसके बाद दोनों के बीच काफी बहस हुई। इसी दौरान गुस्से में आकर सतीश ने लड़की का गला दबा दिया और नहर के पास दफना दिया। हत्या करने के बाद भी सतीश बिल्कुल सामान्य ढंग से रह रहा था, ताकि किसी को अंदेशा न हो। वह पेट्रोल स्टेशन पर अपनी नौकरी करने जाता था। अंगाडी को लेकर उसने लोगों को कहानी सुनाई कि उसे कस्बे के बाहर छोड़ दिया था। उसने दावा किया वह दोनों की आखिरी मुलाकात थी। हालांकि तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर वह पुलिस के शिकंजे में आ गया। गाडगे के पुलिस अधीक्षक बीएस नामगौड़ा के मुताबिक अंगाडी के फोन की लोकेशन सतीश के बयान से मिल नहीं रही थी। जब तमाम सबूतों की रोशनी में सतीश से कड़ाई से पूछताछ हुई तो उसने सच कबूल कर लिया। इसके बाद वह पुलिस को उस जगह पर लेकर गया जहां उसने अंगाडी को दफनाया था। वहां पर खुदाई के बाद पुलिस ने कंकाल बरामद किया। अब पुलिस फोरेंसिक जांच करा रही ताकि इस बात की पुष्टि हो सके कि यह कंकाल अंगाडी का ही है। पुलिस ने बताया कि सतीश को यकीन था कि अंगाडी की लाश कभी नहीं मिलेगी। शुरू में हमें लगा कि वह किसी के साथ भाग गई। लेकिन न तो उसे ढूंढा जा और कोई डिजिटल एक्टिविटी सामने आ रही थी। इसके बाद हमारा शक गहराया और आखिर हम केस सॉल्व करने में कामयाब रहे।

सुपरटेक के 16 अधूरे प्रोजेक्ट के निर्माण का रास्ता साफ

नोएडा एजेंसी।
नोएडा प्राधिकरण बोर्ड ने सुपरटेक परियोजनाओं में सह निर्माणकर्ता के रूप में एपेक्स के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इससे सुपरटेक की 16 अधूरी परियोजनाओं के निर्माण का रास्ता साफ हो गया। इस निर्णय से 14 हजार से अधिक घर खरीदारों को राहत मिलेगी। एपेक्स ग्रुप ने इन परियोजनाओं को पूरा करने के लिए 700 करोड़ रुपये का प्रस्ताव दिया है।

इस प्रस्ताव में बैंक बकाया और स्थानीय अधिकारियों को बकाया राशि का भुगतान करना शामिल है। एपेक्स ने शुरुआती 500 करोड़ रुपये निवेश करने का वादा किया है। इसका लक्ष्य दो साल के भीतर फ्लैट वितरित करना है। घर खरीदारों को बिना किसी अतिरिक्त बोझ के और विलंबित पैनल्टी के साथ अपना घर मिलेगा। इस संबंध में एक प्रस्ताव सुप्रीम कोर्ट में भेजा गया था। इसकी सुनवाई 13 अगस्त को हो सकती है।

नोएडा प्राधिकरण द्वारा सह निर्माणकर्ता की मंजूरी से नोएडा सहित एनसीआर की सुपरटेक परियोजनाओं में खरीदारों को फायदा होगा। नोएडा प्राधिकरण ने सुपरटेक केपटाउन सेक्टर 74,सुपरटेक रोमानो सेक्टर 118 और सुपरटेक इकोसिटी सेक्टर 137 में सह-विकास के लिए अपनी मंजूरी दे दी है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण और यीडा द्वारा इस महीने ही अपने संबंधित बोर्ड मीटिंग में प्रस्तावों पर निर्णय लेने की संभावना है। हजारों घर खरीदार इन 16 प्रोजेक्ट से जुड़े हैं। इनमें नोएडा में नॉर्थ आई,इकोसिटी,रोमानो और केप टाउन,ग्रेटर नोएडा के इकोविलेज 1, इकोविलेज 3, स्पोर्ट्स विलेज, यमुना एक्सप्रेसवे से अपकंट्री, गुरुग्राम से अराविले और हिलटाउन और बेंगलुरु से मीकासा शामिल हैं।

कमल कौर भाभी के सोशल मीडिया पर लाखों फैन, अंतिम संस्कार में पहुंचे सिर्फ तीन लोग

लुधियाना, एजेंसी। लुधियाना की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कंचन उर्फ कमल कौर भाभी सोशल मीडिया की चकाचौंध से चमकी थी। इंस्टाग्राम पर कंचन के करीब चार लाख फैन थे और दो यूट्यूब चैनलों पर भी उसके अच्छे खासे सबस्क्राबर थे लेकिन जब दुनिया से जाने का वक्त आया तो कोई नहीं आया। उसके अंतिम संस्कार के वक्त सिर्फ तीन लोग ही मौके पर थे। उसकी मां, बहन और एक भाई ही श्मशान में थे, दूसरा भाई नहीं आया। कोई रिश्तेदार भी अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हुआ। यहां तक कि परिजनों ने उसका संस्कार लु??धियाना में नहीं ब?ल्कि ?बठिंडा में ही कर दिया। कंचन लु?धियाना की रहने वाली थी और बठिंडा में उसकी हत्या हुई थी। पोस्टमॉर्टम के बाद परिजन उसके शव को अपने घर लु?धियाना नहीं ले गए और बठिंडा की एक सामाजिक संस्था की मदद से यहीं उसकी चिता को अ?ग्नि दे दी। इंस्टाग्राम क्वीन कमल कौर की दुनिया से गुमनाम विदाई कई सवाल खड़े करती है।

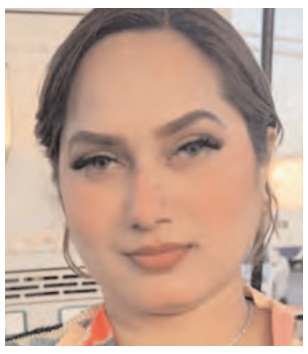

कंचन लुधियाना के ग्यासपुरा इलाके के लक्ष्मण नगर में अपनी मां और बहन के साथ रहती थी। उनके पिता की 7-8 साल पहले बीमारी के कारण मृत्यु हो चुकी थी। उसकी बहन नीतू ने बताया कि कंचन ही घर का पूरा खर्च उठाती थी। मां को उस पर पूरा भरोसा था। कंचन का स्वभाव अच्छा था। वह कम बोलती थी लेकिन मिलने पर सभी से हंसकर बात करती थी। कंचन पिछले सात सालों से सोशल मीडिया पर सक्रिय थी, लेकिन तीन सालों में वह कमल कौर भाभी के नाम से अश्लील और विवादित रील्स बनाकर चर्चा में आई थी। उसके इंस्टाग्राम पर साढ़े तीन लाख से ज्यादा फॉलोअर्स थे। पहले कंचन एक निजी बैंक में नौकरी करती थी, लेकिन कोरोना काल के दौरान उसने नौकरी छोड़ दी और सोशल मीडिया पर ही पूरी तरह से ए?क्टिव हो गई। कंचन महंगे कपड़े पहनने की शौकीन थी और अक्सर बड़े होटलों व सैलून में जाती थी। वह सोशल मीडिया पर अक्सर शॉपिंग और हाई लाइफ स्टाइल से जुड़ी रील्स पोस्ट करती थी। कई बार वह महिलाओं के अंडरगारमेंट्स पर भी कंटेंट बनाकर पोस्ट करती थी। ?डबल मीनिंग पोस्टों को लेकर सात महीने पहले उसे आतंकी अर्श डल्ला से जान से मारने की धमकी भी मिली थी। इसके बावजूद उसने ये काम जारी रखा।

चलती बाइक पर प्यार की सवारी पड़ी महंगी, नोएडा पुलिस ने ठोका मोटा चालान

नोएडा , एजेंसी।
नोएडा के यमुना एक्सप्रेसवे पर कपल को चलती बाइक पर रोमांस करना भारी पड़ गया। नोएडा पुलिस ने बाइक का मोटा चालान ठोक दिया। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल है। बाइक पर बैठे कपल ने न सिर्फ ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उड़ाई, बल्कि अपनी और दूसरों की जान को भी खतरे में डाला।

इस जोड़े की करतूत का वीडियो सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गया। वीडियो में युवक बाइक चलाते हुए और युवती उससे लिपटकर इश्क लड़ाते नजर आए। नोएडा के यमुना

एक्सप्रेसवे पर हुई इस घटना ने नेटिजन्स का ध्यान खींचा और ट्रैफिक पुलिस तक बात पहुंच गई। वीडियो वायरल होने के बाद नोएडा ट्रैफिक पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। जांच में पाया गया कि बाइक चालक ने कई ट्रैफिक नियम तोड़े, जिसमें बिना हेलमेट ड्राइविंग, खतरनाक तरीके से बाइक चलाना और यातायात सुरक्षा को खतरा पैदा करना शामिल था।

पुलिस ने बाइक मालिक के खिलाफ कड़ा कदम उठाते हुए कुल 53,500 रुपये का चालान जारी किया। यह रकम कई उल्लंघनों के लिए तय की गई।

नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा में खेल प्रतिभाओं को लगेंगे पंख, 50 प्ले ग्राउंड बनाएगा सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन

दंतेवाड़ा, एजेंसी।
छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले में अब खेल प्रतिभाओं को नए पंख मिलेंगे। यह क्षेत्र अब अपने ऊपर लगे नक्सल प्रभावित जिले के टैग को हटाकर स्थानीय प्रशासन की अनोखी पहल से स्पोर्ट्स हब के रूप में अपनी नई पहचान बना रहा है। जिला प्रशासन ने सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन और मान देशी फाउंडेशन की मदद से 'मैदान कप' पहल के तहत 50 खेल के मैदान बनाने का फैसला किया है। अब तक, सक्रिय सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से 20 खेल के मैदान पूरे हो चुके हैं, और शेष 30 अक्टूबर तक तैयार होने की उम्मीद है।

दंतेवाड़ा जिले में नक्सलियों का प्रभाव अब धीरे-धीरे कम हो रहा है, इसलिए प्रशासन ने मान देशी फाउंडेशन और सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन के साथ मिलकर 'मैदान कप' की शुरुआत की है। इसके तहत दंतेवाड़ा में खेल संस्कृति और प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए 50 खेल के मैदान विकसित किए जाएंगे।

दंतेवाड़ा के जिला कलेक्टर कुणाल दुदावत ने कहा, यह प्रोजेक्ट केवल खेल के बुनियादी ढांचे के बारे में नहीं है - यह जीवन के

पुनर्निर्माण, युवाओं को सशक्त बनाने और दंतेवाड़ा को एक नया भविष्य देने के बारे में है। उन्होंने कहा कि बस्तर ओलंपिक 2024 से प्रेरित होकर दूरदराज के क्षेत्रों के बच्चों और युवाओं को खेल के माध्यम से मुख्यधारा के अवसरों से जोड़ने के लिए 'मैदान कप' की शुरुआत की गई है। कलेक्टर ने बताया कि पहले चरण में 50 गांवों में खेल के मैदानों का निर्माण किया जाएगा, जिसे बाद के चरणों में पूरे जिले में इसका विस्तार किया जाएगा। स्थानीय सामग्रियों से सरकारी हाई स्कूल, हायर सेकेंडरी स्कूल और पोर्टा-केबिन स्कूलों के परिसरों में खेल के मैदान बनाए जा रहे हैं। जिनमें से प्रत्येक की लागत 4 लाख रुपये से कम है। इनमें रनिंग ट्रैक, शॉटपुट, जेवलिन थ्रो, डिस्कस थ्रो, लॉन्ग जंप, वॉल क्लाइंबिंग आदि जैसी 13 खेल वस्तुओं की सुविधाएं शामिल हैं। स्थानीय बच्चों ने भी चारदीवारी को रंगकर इस जगह को और अधिक जीवंत और व्यक्तिगत बना दिया है। कलेक्टर ने कहा कि इस पहल का मकसद नक्सल प्रभावित और संवेदनशील जिलों की खेल प्रतिभाओं को खेलों के माध्यम से दुनिया से जोड़ना है। इन सुविधाओं के साथ, हम चाहते हैं कि देश की अगली खेल हस्ती बस्तर क्षेत्र से आए। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन स्वयं भी खेल के मैदानों का निर्माण कर सकता था, लेकिन युवाओं और बच्चों को आकर्षित करने के लिए समुदाय और सचिन तेंदुलकर जैसी प्रतिष्ठित हस्तियों को इसमें जोड़ा गया। कलेक्टर ने कहा,''लंबे समय में हम चाहते हैं कि अगला सचिन तेंदुलकर, नीरज चोपड़ा और पीटी उषा बस्तर से आएं।'' अधिकारी ने कहा कि इस पहल के तहत अपने क्षेत्रों में खेल के बेहतरीन मैदान विकसित करने वाली पंचायतों को स्केटिंग पार्क से पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन एक रेजिडेंशियल स्पोर्ट्स सिटी भी बना रहा है, जहां क्षेत्र के पदक जीतने की क्षमता वाले शीर्ष खिलाड़ियों को स्पेशल ट्रेनिंग मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस स्पोर्ट्स सिटी में क्रिकेट, फुटबॉल और हॉकी के मैदान, स्विमिंग पूल और अन्य खेल सुविधाएं होंगी। मान देशी फाउंडेशन की ओर से इस प्रोजेक्ट का नेतृत्व कर रहीं दिव्या सिन्हा ने कहा, कि भारत में पहली बार बच्चों के लिए खेल का मैदान बनाने के लिए सामुदायिक मुहिम चल रही है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि दंतेवाड़ा और बस्तर को वॉल क्लाइंबिंग और स्केटबोर्ड के लिए जाना जाए - संघर्ष के लिए नहीं। दिव्या ने कहा कि उन्होंने कहा कि करीब 70 फीसदी भारतीय स्कूलों में उचित खेल सुविधाओं का अभाव है, और 500 मिलियन से अधिक भारतीयों ने कभी कोई खेल नहीं खेला है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

जांच बताएगी सच

अहमदाबाद में हुए विमान हादसे ने पूरे देश को झकझोर दिया है। हादसे की असल वजह क्या रही, यह जांच का विषय है। इसमें कई दिन और महीने तक लग सकते हैं। अभी राहत और बचाव पर फोकस है। घायलों को सर्वश्रेष्ठ इलाज मिले और मरने वालों की जल्द से जल्द पहचान की जाए। सबसे भयावह- हादसे का शिकार हुए बोइंग 787 में 242 यात्री सवार थे। यह इस सदी का सबसे भयावह भारतीय विमान हादसा है। मई 2010 में मंगलुरू में एयर इंडिया की एक्सप्रेस फ्लाइट 812 क्रैश हुई थी, जिसमें 158 लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। इसके बाद 2020 के कोझिकोड क्रैश को अपवाद माना जाए, तो पिछले लगभग डेढ़ दशक इंडियन एविएशन इंडस्ट्री के लिए शानदार गुजरे। अहमदाबाद हादसे का शिकार हुआ विमान बोइंग का ड्रीमलाइनर था। कंपनी ने इस सीरीज का पहला विमान 2011 में जापान की एयरवेज को दिया था और फिलहाल दुनियाभर में 1100 से अधिक ड्रीमलाइनर उड़ान भर रहे हैं। इस विमान के साथ हुई यह पहली बड़ी दुर्घटना है, लेकिन यह भी सच है कि बोइंग ड्रीमलाइनर को लेकर कुछ सवाल उठाए जाते रहे हैं। कंपनी के एक इंजीनियर ने अमेरिका में सरकारी जांच के दौरान एक टेक्निकल फॉल्ट की ओर ध्यान दिलाया था। तब कंपनी ने आरोपों को खारिज कर दिया था। इस हादसे और इससे पहले के गुणवत्ता से जुड़े विवाद की वजह से बोइंग की छवि पर जरूर आंच आएगी। इसका एक असर तो तुरंत ही कंपनी के शेयरों में गिरावट के रूप में दिख गया। लेकिन, इससे लंबे वक्त में बोइंग की साख को भी धक्का लगा है। इस महीने की शुरुआत में ही रिपोर्ट्स आई थीं कि एयर इंडिया अपने बेड़े को बढ़ाने के लिए एयरबस और बोइंग के साथ 200 विमानों की डील कर सकती है। इससे पहले, 2023 में एयर इंडिया ने रेकॉर्ड 470 विमानों की खरीद का ऑर्डर दिया था। भारत दुनिया का चौथा बड़ा एविएशन मार्केट है। केंद्र की यूडीएएन योजना के तहत छोटे शहरों को भी हवाई मार्ग से जोड़ा जा रहा है। पिछले एक दशक में एयरपोर्ट की संख्या 74 से बढ़कर 159 हो चुकी है और डोमेस्टिक एयर ट्रैवल में इस साल अप्रैल में 10.2 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई थी।

एअर कंडीशनर का नया नियम

भारत के शून्य कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में भी यह पहल महत्त्वपूर्ण साबित हो सकती है। अपने घर या कार्यालय को मनमर्जी के मुताबिक वातानुकूलित करने की प्रवृति अब लोगों को बदलनी होगी। क्योंकि, आने वाले दिनों में एसी (एअर कंडीशनर) की हवा को ज्यादा ठंडा करने का विकल्प ही मौजूद नहीं होगा। ऐसा इसलिए, क्योंकि केंद्र सरकार एअर कंडीशनर के तापमान का मानकीकरण करने वाली है। नए नियमों के तहत इसके तापमान को न्यूनतम 20 डिग्री और अधिकतम 28 डिग्री सेल्सियस के दायरे में ही रखा जाएगा।इससे न केवल बिजली की बचत होगी, बल्कि कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आएगी, जो पर्यावरण संरक्षण के लिए बेहद जरूरी है। कई देशों में इस तरह के नियम पहले से लागू हैं। भारत में भी इसको लेकर काफी पहले से विचार किया जा रहा था, लेकिन कुछ तकनीकी पहलू और सरकारी स्तर पर इच्छाशक्ति का अभाव इसमें रोड़ा बना हुआ था, पर अब सरकार ने इस दिशा में पहल करते हुए नए नियमों के मसविदे को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। देश में वातानुकूलन के लिए तापमान का मानकीकरण इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि गर्मियों के दिनों में बिजली की मांग चरम पर पहुंच जाती है। इसमें सबसे ज्यादा योगदान एअरकंडीशनर और हवा को ठंडा करने वाले अन्य उपकरणों का होता है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर वातानुकूलन के समय तापमान तय सीमा में रखा जाए तो देशभर में सालाना हजारों करोड़ यूनिट बिजली की बचत हो सकती है। इससे कोयला आधारित ऊर्जा संयंत्रों पर भी दबाव कम होगा और कार्बन उत्सर्जन में भी खासी कमी आएगी। भारत के शून्य कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में भी यह पहल महत्त्वपूर्ण साबित हो सकती है। वैसे भी अंतरराष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाना जरूरी हो गया था। जापान, इटली, स्पेन और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में एअर कंडीशनर के तापमान को लेकर पहले से ही सख्त नियम लागू हैं। जापान में तापमान की सीमा 26 डिग्री, जबकि इटली और स्पेन में 23 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रखी गई है।

सड़कें जिन्होंने भारत के विकास की दिशा बदल दी!

नितिन गडकरी

साल 2014 में जब नरेन्द्र मोदी ने भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की, उसी क्षण से भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार बुनियादी ढांचे के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देती आई है। इस दिशा में, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय बुनियादी ढांचे के विकास का केंद्र बिंदु बन गया। मोदी के नेतृत्व में इस मंत्रालय ने न केवल देश के आर्थिक विकास को गति दी है, बल्कि वर्ष 2014 से लेकर इन 11 वर्षों के दौरान इसे एक नया आयाम भी दिया है। पूर्ण हो चुके और बनने वाले दोनों प्रकार के राजमार्गों के निर्माण - ने देश के विकास की दिशा बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कुशल राजमार्ग, जलमार्ग और रेलवे, लॉजिस्टिक्स की लागत में कमी ला सकते हैं और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दे सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत को 'विश्वगुरु' बनाने का सपना देखते हैं। भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। इस सपने को साकार करने के लिए, हमें निर्यात बढ़ाने की जरूरत है, जिसकी बदौलत कृषि, सेवाओं और औद्योगिक क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देगा। पिछले 11 वर्षों में निर्मित सड़कों ने हमारी लॉजिस्टिक्स की लागत को 16त्न से घटाकर 10त्न कर दिया है, और अगले वर्ष, हमारा लक्ष्य इसे और कम करके 9त्न पर लाना है। इससे हमारे निर्यात में वृद्धि होगी, हम अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगे, और भारत को 'विश्वगुरु' बनने की दिशा में और अधिक प्रबल रूप से आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय देशभर में 25 नए ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस हाईवे बना रहा है। बंदरगाहों को जोड़ने और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 3,000 किलोमीटर से अधिक राजमार्ग भी बनाए जा रहे हैं। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में सरकार के प्रयास भी आकार ले रहे हैं। 22,000 करोड़ रुपये की लागत से पूरी हुई बौद्ध सर्किट परियोजना ने दक्षिण एशिया, इंडोनेशिया, मलेशिया, चीन, सिंगापुर और जापान से भगवान बुद्ध की जन्मस्थली आने वाले पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की है।

इसके साथ ही, चार धाम स्थलों - बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री - पर जाने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या तीन गुनी हो गई है। केदारनाथ को जोड़ने के लिए 12,000 करोड़ रुपये की लागत से रोपवे का निर्माण किया जा रहा है। कैलाश मानसरोवर को उत्तराखंड के पिथौरागढ़ से जोड़ने वाली सड़क का लगभग 90त्न काम पूरा हो चुका है। भारत में, खास तौर पर राष्ट्रीय राजधानी में, 'उड़ने वाली बसों' का सपना साकार होने की कगार पर है। इसमें हवा में उड़ने वाली बसें, फ्लैश-चार्जिंग इलेक्ट्रिक बसें और पहाड़ी क्षेत्रों के लिए उड़ने वाली डबल-डेकर बसें शामिल हैं। दिल्ली के धौला कुआं से मानेसर तक स्काईवे सिस्टम पर आधारित उड़ने वाली बस सेवा लगभग अपने अंतिम चरण में है। मुझे पूरा विश्वास है कि यह प्रयोग इस विशेष मार्ग पर यातायात जाम की स्थायी समस्या को हल करने में महत्वपूर्ण होगा। नागपुर में जल्द ही पहली फ्लैश-चार्जिंग इलेक्ट्रिक बस लॉन्च की जाएगी। इसमें 135 सीटें, एग्जीक्यूटिव क्लास, सामने टीवी स्क्रीन और एयर होस्टेस जैसी बस होस्टेस होंगी। इस बस की अधिकतम गति 120 किमी/घंटा होगी और यह अपनी यात्रा को दोबारा शुरू करने से पहले पूरी तरह चार्ज होने के लिए हर 40 किमी पर सिर्फ़ 30 सेकंड के लिए रुकेगी।ऐसा काम केवल दफ़्तर में बैठकर डीपीआर तैयार करने से नहीं हो सकता - इसके लिए जी-जान से प्रयास करने की ज़रूरत होती है!सड़क निर्माण पर आईआईएम-बैंगलोर द्वारा हाल ही में किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) निर्माण पर खर्च किए गए प्रत्येक1 रुपये से भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 3.21 रुपये की वृद्धि हुई है, जो 3.2 गुना का गुणक प्रभाव है। नतीजतन, घरेलू उत्पादन में 9त्न और कार की बिक्री में 10.4त्न की वृद्धि हुई है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा किए गए काम ने न केवल आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया है, बल्कि रोज़गार के कई अवसरों का भी सृजन किया है।

कुछ ध्यान देने योग्य आँकड़े

2014 में, भारत में केवल 91,000 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग थे। 2024 तक, यह नेटवर्क लगभग 60त्न बढ़कर 1.46 लाख किलोमीटर हो गया है। सड़क निर्माण की दैनिक गति 12 किलोमीटर/दिन से बढ़कर 28-30 किलोमीटर/दिन हो गई है। 5.35 लाख करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी भारतमाला परियोजना के तहत, आर्थिक गलियारों, अंतर्राष्ट्रीय सीमा सड़कों और सीमा क्षेत्र कनेक्टिविटी सहित 65,000 किलोमीटर सड़कें बनाने का लक्ष्य है। यह योजना भारत की लॉजिस्टिक्स की लागत में और कमी लाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। 'गति शक्ति' और मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी पहल सड़क, रेलवे, वायु, जलमार्ग और बंदरगाहों को एकल डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म में एकीकृत करती है, जिससे समय पर परियोजना पूर्ण होना सुनिश्चित होने में मदद मिली है। हमारे मंत्रालय ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के माध्यम से भी सड़क विकास परियोजनाओं को लागू करना शुरू कर दिया है, जिसने महत्वपूर्ण निजी निवेश आकर्षित किया है। इस मॉडल के तहत, 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक की सड़क परियोजनाएँ शुरू की गई हैं।

2014 में शुरू हुआ ये सफ़र केवल सड़कों का नहीं है; बल्कि एक तरह से ये भारत की प्रगति की जीवन रेखा बन गया है। राजमार्ग नेटवर्क के विस्तार ने न केवल यात्रा को आसान बनाया है, बल्कि घरेलू व्यापार, उद्योग, पर्यटन और सुरक्षा को भी बढ़ावा दिया है। पहले दिन से ही हमारी सरकार यह सुनिश्चित करने का अथक प्रयास कर रही है कि समावेशी विकास समाज की अंतिम कतार में खड़े हर व्यक्ति तक पहुंचे। हम इस लक्ष्य को जल्द से जल्द प्राप्त करने के लिए आने वाले वर्षों में इस काम को और भी तेज़ गति से करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।अब हमारे पास विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे का निर्माण करने और 2047 तक अपने राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क को अमेरिका से भी बेहतर बनाने का एक स्पष्ट विजन मौजूद है, ताकि भारत एक आर्थिक महाशक्ति बन सके। अमेरिका के पास अच्छी सड़कें इसलिए नहीं हैं क्योंकि वह अमीर है; अमेरिका अमीर इसलिए है, क्योंकि उसके पास अच्छी सड़कें हैं। पूर्व अमेरिकी राष्ट्पति जॉन एफ कैनेडी का यह कथन, जो दिल्ली में परिवहन भवन में मेरे कार्यालय में और इससे पहले महाराष्ट्र में जब मैं मंत्री था, तो वहां लगा हुआ था, यह संयोगवश नहीं है। मोदी जी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों से यह हमारा मार्गदर्शक मंत्र रहा है।हम भविष्य में इस काम को और भी तेजी से आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आने वाले वर्षों में, भारत का सड़क से संबंधित बुनियादी ढांचा अमेरिका से भी बेहतर होगा - यह कोई सपना नहीं, बल्कि हकीकत है, जो आकार ले रही है। गुणवत्ता, गति, पारदर्शिता और पर्यावरण के अनुकूल नीतियों का संतुलन बनाए रखते हुए भारत के राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क को वैश्विक स्तर पर मान्यता मिलेगी।

(लेखक केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री हैं)

केंद्र सरकार के उपक्रम बन रहे कमाऊ पूत

(प्रह्लाद सबनानी)

वित्तीय वर्ष 2024 में केंद्र सरकार के विभिन्न उपक्रमों ने 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित किया है। प्रथम स्थान पर भारतीय स्टेट बैंक है, जिसने 67,085 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया है। आज से एक दशक से अधिक समय पूर्व तक केंद्र सरकार के उपक्रमों को चलायमान बनाए रखने के लिए केंद्रीय बजट में भारी भरकम राशि का प्रावधान करना पड़ता था तथा इन उपक्रमों को केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान की जाती थी। परंतु, आज स्थिति एकदम बदल गई है एवं अब केंद्र सरकार के उपक्रम केंद्र सरकार को लाभांश के रूप में भारी भरकम राशि प्रदान कर रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में केंद्र सरकार के विभिन्न उपक्रमों ने 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित किया है। केंद्र सरकार के उपक्रमों में यह आमूलचूल परिवर्तन केंद्र में ईमानदार सरकार एवं केंद्र सरकार द्वारा निगमित अभिशासन से सम्बंधित नियमों का कड़ाई से अनुपालन कराए जाने के चलते ही सम्भव हो सका है। पूर्व में इन उपक्रमों में पनप रहे भ्रष्टाचार के चलते इन उपक्रमों की लाभप्रदता पर विपरीत प्रभाव पड़ता था परंतु अब उच्च स्तर पर भ्रष्टाचार पर लगभग पूर्णतः अंकुश लगाया जा चुका है। साथ ही, केंद्र सरकार के इन उपक्रमों को नेतृत्व प्रदान कर रहे अधिकारियों पर भी बहुत कुछ निर्भर करता रहा है। केंद्र सरकार के इन उपक्रमों में आज का नेतृत्व कुशल, ईमानदार एवं देश प्रथम की नीति पर चलने के साथ ही देश के प्रति सम्मान का भाव रखने वाला है। वित्तीय वर्ष 2024 में केंद्र सरकार के विभिन्न उपक्रमों ने 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित किया है। प्रथम स्थान पर भारतीय स्टेट बैंक है, जिसने 67,085 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया है। इसके बाद ओएनजीसी ने 49,221 करोड़ रुपए, आईओसी ने 41,730 करोड़ रुपए, भारतीय जीवन बीमा निगम ने 40,916 करोड़ रुपए, भारतीय कोयला निगम ने 37,402 करोड़ रुपए, बीपीसीएल ने 26,859 करोड़ रुपए, एनटीपीसी ने 20,812 करोड़ रुपए, बैंक आफ बड़ोदा ने 18,767 करोड़ रुपए, हिन्दुस्तान पेट्रोलीयम ने 16,015 करोड़ रुपए एवं पावर फाइनैन्स करपोरेशन ने 15,889 करोड़ रुपए की राशि का लाभ अर्जित किया है। इसके अतिरिक्त, पावर ग्रिड, कनारा बैंक, आरईसी लिमिटेड एवं यूनियन बैंक, ने 10,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित किया है। साथ ही, गैस अथॉरिटी इंडिया लिमिटेड, पंजाब नेशनल बैंक, इंडीयन बैंक, जैसे केंद्र सरकार के 42 अन्य उपक्रमों ने भी भारी भरकम राशि का लाभ अर्जित किया है। केंद्र सरकार के उपक्रमों के साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक, जो भारत में एक स्वायत्त संस्था के रूप में कार्य करता है एवं इस पर केंद्र सरकार का नियंत्रण लगभग नहीं के बराबर रहता है, ने भी पूरे विश्व के कई बड़े केंद्रीय बैंकों के बीच सबसे अधिक राशि का लाभ अर्जित किया है। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व को वर्ष 2024 में 7,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुकसान उठाना पड़ा है, इसी प्रकार ब्रिटेन के केंद्रीय बैंक, बैंक आफ इंग्लैंड को 4,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान हुआ है तथा यूरोपीयन यूनियन के केंद्रीय बैंक, ईसीबी को 900 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान हुआ है। वहीं, इन केंद्रीय बैंकों की तुलना में भारतीय रिजर्व बैंक को वित्तीय वर्ष 2024-25 में 3,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर का लाभ हुआ है। जिसके चलते भारतीय रिजर्व बैंक ने केंद्र सरकार को इस वर्ष 2.70 लाख करोड़ रुपए की राशि का लाभांश अदा करने की घोषणा की है। विभिन्न केंद्र सरकार के उपक्रमों ने भी इस वर्ष केंद्र सरकार को भारी भरकम राशि का लाभांश अदा किया है। भारतीय रिजर्व बैंक एवं केंद्र सरकार के उपक्रमों से प्राप्त होने वाली कुल लाभांश की राशि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बजट में किए गए।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5764

	4			1				9
	7			6		1		
1	6	3	9					8
	3					2		
	5		7		2		1	
		6					3	
6					5	8	9	2
		5		2			6	
9				8			4	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5763

6	9	5	4	7	3	2	1	8
7	3	4	8	2	1	5	6	9
2	8	1	6	9	5	7	3	4
8	1	2	5	3	9	4	7	6
4	6	7	2	1	8	9	5	3
3	5	9	7	6	4	8	2	1
1	7	3	9	4	2	6	8	5
9	2	8	1	5	6	3	4	7
5	4	6	3	8	7	1	9	2

वर्ग पहेली 5764

1	2	3		4	5	6	■
7			■	8			9
	■	■	10		■	11	
■	12	13			■	■	
14			■	15		16	
	■	17			■	18	
■	19		■	■	■		■
■	20		■	21			■

संकेत: बाएं से दाएं

1. ये भारतीय सिनेमा के प्रसिद्ध तथा प्रतिभाशाली अभिनेता है जिनका 20 जुलाई 1950 को जन्म दिन है (7)
7. स्वभाव, प्रकृति, जीवन चरित (3)
8. पाठशाला, विद्यालय (4)
10. आला, घात प्रतीक्षा, भांप (2)
11. नजीता, परिणाम (2)
12. रास्ते से भटका हुआ, जो मार्ग भूल गया हो, मार्गभ्रष्ट (4)
14. लेखनी, कर्णिका, हस्तलेख (3)
15. राहनुमा, पथ प्रदर्शक (4)
17. शिक्षा देने की क्रिया या भाव, पढ़ाई, दीक्षा, तलकीन (3)
18. पथ, मार्ग, रास्ता, डगर (2)
19. दो की संख्या, निग्रह, एक कर्मसाक्षी देवता (2)
20. कुपोषण, एक प्रकार का रोग, नाश (2)
21. पश्चिमी अफ्रिका के उभार के तट पर स्थित देश सेनेगल की यह राजधानी है, उदान वायु (3)

ऊपर से नीचे

1. प्रारब्ध, किस्मत, भाग्य (3)
2. खुदकाश्त कृषि, हल (2)
3. ऋतु का अपभ्रंश (2)
4. उपकार न मानने वाला, कृतघ्न, निष्ठाहीन, विश्वासघाती (6)
5. प्रसन्न, हर्षित, खुश, आनंदित (3)
6. अक्षर, वर्ण (3)
9. जन्मदिन, वर्षगांठ, जन्मदिवस (5)
10. बृहस्पति की पत्नी, नक्षत्र, सुषेण की कन्या और बाली की पत्नी का नाम (2)
12. फूल, कुसुम, प्यास की तीव्रता, आंख की फूली (2)
13. ममतापूर्ण, स्वजन भावनापूर्ण, अपनत्व (5)
14. फन, हुनर (2)
16. समकक्ष, जय पराजयहीन, समाकार, समान अंशीय (4)
19. एक देवता जो कुबेर के सेवक और उसकी निधि के रक्षक कहे गए है (2)

वर्ग पहेली 5763 का हल

मं	ग	ल	पां	डे	■	■	ड
ग	ल	त	■	बु	डा	पे	स्ट
ला	■	■	बे	क	ल	■	र
च	■	गु	रू	■	ना	टा	■
र	वा	■	त	क्ष	■	ल	क्ष्य
ण	■	पा	■	मा	लू	म	■
■	ज़ू	■	का	शी	■	टो	टा
नी	ल	क	म	ल	■	ल	ट

आज का राशिफल

मेष

आज भाग्य साथ दे रहा है और दिन योजनाओं को आकार देने और कार्यान्वयन की दिशा में मजबूत कदम उठाने में बीतेगा। जो लोग व्यापार में विस्तार या बदलाव की योजना बना रहे हैं, उनके लिए समय अनुकूल है। किसी देवस्थान की यात्रा से मानसिक शांति मिलेगी,कोई कानूनी विवाद चल रहा है तो उसका समाधान आपके पक्ष में हो सकता है।

वृष

आज दिनभर कार्यक्षेत्र में व्यस्तता बनी रहेगी। जो लोग सरकारी या प्रशासनिक सेवाओं से जुड़े हैं, उन्हें राज्य से विशेष सम्मान या मान्यता मिल सकती है। शाम तक कोई महत्वपूर्ण व्यवसायिक डील या अनुबंध फाइनल हो सकता है, जिससे आर्थिक लाभ की संभावना बन रही है। सामाजिक कार्यों, धार्मिक आयोजनों या मंगलोत्सव में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

मिथुन

आज सतर्कता की विशेष आवश्यकता है। जो लोग व्यापार में नए प्रयोग करने जा रहे हैं, उन्हें जोखिम उठाने के पूर्व पूरी रणनीति पर विचार करना चाहिए। करियर में स्थायित्व के लिए पुराने अनुभवों से सीख लेना उपयोगी रहेगा। धन से संबंधित किसी जरूरतमंद की सहायता करनी पड़ सकती है।

तुला

आज दिन रचनात्मक ऊर्जा से भरा रहेगा। लेखक, कलाकार, डिजाइनर या मीडिया क्षेत्र से जुड़े जातकों के लिए दिन विशेष उपलब्धियों वाला हो सकता है। जिन परियोजनाओं में रुचि है, वे गति पकड़ेंगी और उसमें वरिष्ठों का सहयोग भी मिलेगा। जो व्यवसायी नई योजनाएं या रचनात्मक प्रचार माध्यमों को अपनाना चाहते हैं, उन्हें सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलेगी।

वृश्चिक

आज दिन सामान्य है और आपका दिन बातचीत व समर्पण से कई समस्याओं को सुलझाने वाला रहेगा। कार्यस्थल पर संवाद कौशल से आप प्रतिद्वंद्वियों को भी मित्र बना सकते हैं। साझेदारी के व्यापार में किसी गलतफहमी का समाधान होगा। कोई नया सौदा या अनुबंध फाइनल हो सकता है। पारिवारिक वातावरण में शुभ चर्चा जैसे विवाह या धार्मिक अनुष्ठान की योजना बन सकती है।

धनु

आज मेहनत और प्रतिबद्धता तत्काल परिणाम दे सकती है। अधूरे कार्य पूर्ण होने से मानसिक संतुष्टि मिलेगी। नौकरी में प्रमोशन या टीम लीड करने की संभावना प्रबल है। व्यवसाय में कोई लंबित सौदा फाइनल हो सकता है। आपके नेतृत्व और निर्णय क्षमता से कंपनी या संस्था को लाभ होगा। कार्यस्थल पर माहौल आपके अनुकूल होगा और आपके विचारों को महत्व दिया जाएगा।

कर्क

आज दिन औसत रहेगा, परंतु छोटे-छोटे कार्यों से बड़ी संतुष्टि मिलेगी। साझेदारी में किया गया व्यापार लाभ देगा। व्यवसाय परिवर्तन या विस्तार की योजना पर सोच-विचार कर सकते हैं। घर-परिवार के दायित्वों की पूर्ति में व्यस्तता बनी रहेगी। जो लोग बच्चों की शिक्षा या विवाह से जुड़ा कोई निर्णय लेना चाह रहे हैं, वे स्पष्ट सोच के साथ आगे बढ़ेंगे।

सिंह

आज भाग्य साथ दे रहा है। कार्यस्थल पर कोई नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना है जो आपकी प्रफेशनल ग्रोथ में सहायक होगी। व्यापार में स्थायित्व की ओर बढ़ने के संकेत हैं, किन्तु जल्दबाजी में लिया गया निर्णय नुकसान दे सकता है। शत्रु पक्ष या प्रतियोगी संस्थाएं आपकी नकल करने की कोशिश करेंगी लेकिन आपकी रणनीतिक सोच उन्हें पीछे छोड़ देगी।

कन्या

आज भाग्य साथ देगा। दिन करियर में ऊंचाई और व्यापार में प्रगति लेकर आ सकता है। किसी बड़े सौदे में हां भरने से पूर्व सभी पक्षों की समीक्षा ज़रूरी है। व्यवसाय में जोखिम उठाना लाभकारी सिद्ध होगा, बशर्ते निर्णय व्यावसायिक बुद्धिमत्ता से लिया गया हो।

मकर

आज दिन लाभकारी रहेगा, विशेषकर उन लोगों के लिए जो लॉ, एडमिनिस्ट्रेशन या प्रॉजेक्ट मैनेजमेंट में कार्यरत हैं। कार्य से जुड़े विवादों का समाधान निकल सकता है और आपकी सूझबूझ से नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। व्यापारियों के लिए नया निवेश या साझेदारी के प्रस्ताव पर विचार करना उचित रहेगा। भूमि, भवन या संपत्ति संबंधित मामलों में थोड़ी सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

कुंभ

आज आर्थिक दृष्टि से दिन बहुत अनुकूल है। किसी पुराने निवेश से लाभ हो सकता है और नौकरी में अतिरिक्त आय या बोनस मिलने की संभावना है। व्यापारी वर्ग के लिए दिन विशेष रूप से शुभ है। नए ग्राहक और ऑर्डर मिल सकते हैं। यदि आप नया स्टार्टअप शुरू करना चाहते हैं, तो योजना बनाना के लिए दिन श्रेष्ठ रहेगा। पारिवारिक वातावरण शांतिपूर्ण रहेगा। करियर में नवाचार लाकर आप प्रतिस्पर्धियों से आगे निकल सकते हैं।

मीन

आज दिन काफी व्यस्तता से भरा रहेगा। नौकरी में आपको अपने कामों को लेकर अतिरिक्त सतर्क रहना होगा क्योंकि वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्यों पर नज़र बनाए हुए हैं। करियर में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, लेकिन आप अपने आत्मविश्वास और अनुभव से सफल होंगे। यदि आप शिक्षा या अध्यात्म से जुड़े कार्य कर रहे हैं, तो उसमें गहनता और सफलता संभव है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

दो बच्चों की मां

मारिया बनी क्वींस क्लब टेनिस चैंपियन

लंदन, एजेंसी। स्वप्निल शशांक विंबलडन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर चुकीं विश्व नंबर 86 मारिया का इस टूर्नामेंट में प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में पूर्व विंबलडन विजेता चौथी वरीय एलीना रिबाकीना, तीसरे दौर में छठी वरीय कैरोलिन मुचोवा को पराजित किया।

दो बच्चों की मां और बतौर क्वालिफायर टूर्नामेंट में खेलने वाली जर्मनी की 37 वर्षीय तात्याना मारिया ने प्रेरणा दायक प्रदर्शन करते हुए क्वींस क्लब टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया।

उन्होंने फाइनल में अमेरिका की अमांडा एनिसिमोवा को 6-3, 6-4 से पराजित किया। उन्होंने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलियाई ओपन विजेता अमेरिका की मेडिसन कीज को 6-3, 7-6 से हराया था। मारिया बीते पांच वर्ष में किसी टूर्नामेंट का खिताब जीतने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। इससे पहले 2020 में सेरेना विलियम्स ने 38 वर्ष की उम्र में ऑकलैंड क्लासिक का खिताब जीता था। विंबलडन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर चुकीं विश्व नंबर 86 मारिया का इस टूर्नामेंट में प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में पूर्व विंबलडन विजेता चौथी वरीय एलीना रिबाकीना, तीसरे दौर में छठी वरीय कैरोलिन मुचोवा को पराजित किय

मारिया ने कहा कि वह इस खेल से प्यार करती हैं। वह इन क्षणों के लिए ही जी रही हैं। एनिसिमोवा ने कहा कि उनका परिवार बहुत प्यारा है। वह उनके बच्चों को हर जगह आते देखती हैं।

खेल और सचिन के सहारे दंतेवाड़ा से दूर होगा नक्सलवाद, नक्सल प्रभावित क्षेत्र में बनेंगे 50 खेल मैदान

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वप्निल शशांक दुदावत के मुताबिक 13 विभिन्न खेलों की सुविधाओं के साथ 20 खेल के मैदान विकसित किए गए हैं जिनमें रनिंग ट्रैक, गोला फेंक, भाला फेंक, चक्का फेंक, लंबी कूद, वॉल क्लाइंबिंग शामिल हैं। महान क्रिकेटर सचिन

तेंदुलकर के फाउंडेशन और स्थानीय प्रशासन ने मिलकर ऐसी अनोखी पहले शुरू की है, जिससे छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा पर लगा नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्र का ठप्पा जल्द बीते दिनों की बात होगी। स्थानीय प्रशासन ने सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन और मान देशी फाउंडेशन के साथ मिलकर मैदान कप की शुरुआत की है। इसके तहत दंतेवाड़ा में खेल संस्कृति और प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए 50 खेल के मैदान विकसित किए जाएंगे। दंतेवाड़ा के कलेक्टर कुणाल दुदावत के मुताबिक इस परियोजना के तहत सामुदायिक भागीदारी से अब तक जिले में कम से कम 20 खेल के मैदान विकसित किए गए हैं और अक्टूबर तक 50 मैदान के लक्ष्य को हासिल कर लिया जाएगा। बीते वर्ष राज्य सरकार ने बस्तर क्षेत्र के दंतेवाड़ा और छह अन्य जिलों की खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए बस्तर ओलंपिक 2024 का आयोजन किया था। दुदावत ने बताया कि इसका उद्देश्य नक्सल प्रभावित और संवेदनशील जिलों की खेल प्रतिभाओं को खेलों के माध्यम से दुनिया से जोड़ना था। उन्होंने कहा, इसी तर्ज पर हमने सचिन फाउंडेशन और मान देशी फाउंडेशन के सहयोग से युवाओं को खेल के मैदान उपलब्ध कराने के लिए मैदान कप शुरू करने का फैसला किया। दुदावत ने बताया कि पहले चरण में 50 गांवों में मैदान विकसित किए जाएंगे।

वीवीएस लक्ष्मण नहीं तो कौन? टीम इंडिया के हेड कोच पर चौंकाने वाला खुलासा, सामने आया पूरा सच

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण इन दिनों इंग्लैंड में मौजूद हैं, जो चर्चा का विषय बना हुआ है. दरअसल, टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर टेस्ट सीरीज के शुरू होने से पहले अपने घर वापस लौट आए हैं. उनकी मां नई दिल्ली के अस्पताल में भर्ती हैं. ऐसे में कुछ रिपोर्ट्स में दावा

किया जा रहा है कि वीवीएस लक्ष्मण को बतौर हेड कोच टीम इंडिया के साथ जुड़ा जा सकता है. लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है. यह खबर क्रिकेट प्रेमियों के बीच चर्चा का विषय बन गई है. लेकिन वीवीएस लक्ष्मण को लेकर अब एक बड़ा अपडेट सामने आया है. एक रिपोर्ट के मुताबिक, वीवीएस लक्ष्मण इंग्लैंड में हैं, लेकिन भारतीय टीम के आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए उनकी कोई औपचारिक नियुक्ति नहीं हुई है. हालांकि यह साफ नहीं है कि लक्ष्मण इंग्लैंड में किस उद्देश्य से गए हैं, लेकिन माना जा रहा है कि यह उनकी व्यक्तिगत यात्रा या क्रिकेट से संबंधित किसी दूसरी गतिविधि से जुड़ा हो सकता है. लक्ष्मण, जो वर्तमान में नेशनल क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के हेड हैं, वह कई बार टीम इंडिया के अंतरिम कोच के रूप में काम कर चुके हैं, लेकिन इस बार ऐसा मुश्किल माना जा रहा है. बीसीसीआई के एक सूत्र ने क्रिकबज को बताया, 'लक्ष्मण किसी अन्य उद्देश्य से इंग्लैंड गए हैं, भारतीय टीम के साथ किसी असाइनमेंट पर नहीं. वह लुसाने से लंदन गए हैं. एक दूसरे सूत्र ने कहा, 'लक्ष्य इंग्लैंड में जीतना है, और हो सकता है कि उन्होंने यहां मौजूद कोचों और चयनकर्ताओं से बात की हो, और शायद इंट्रा-स्क्वॉड गेम में भी शामिल हुए हों. लिए रुके. यह हमेशा उनकी योजना का हिस्सा था.'

गौतम गंभीर की जल्द होगी वापसी

दोनों टीमों के बीच इस सीरीज का पहला टेस्ट 20 जून से लीड्स में खेला जाएगा. क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, गंभीर इस मुकाबले से पहले इंग्लैंड लौट सकते हैं. गंभीर के एक करीबी सूत्र ने क्रिकबज को बताया, 'वह निश्चित रूप से पहले टेस्ट से पहले टीम से जुड़ जाएंगे. उन्होंने अपनी मां की हालत के बारे में डॉक्टरों से सलाह ली है. उनकी हालत में सुधार हुआ है, हालांकि वह अभी भी आईसीयू में हैं. लेकिन वह जल्द ही वापसी की योजना बनाएंगे.'

लुईस-होप के बीच 122 रन की साझेदारी, वेस्टइंडीज ने आयरलैंड से जीती टी20 श्रृंखला

ब्रेडी (उत्तरी आयरलैंड), एजेंसी। वेस्टइंडीज ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना दूसरा सर्वोच्च स्कोर बनाया और आयरलैंड को 62 रन से हराकर बारिश से प्रभावित तीन मैचों की श्रृंखला 1-0 से

जीती। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए एविन लुईस (44 गेंदों में 91 रन) और कप्तान शाई होप (27 गेंदों में 51 रन) के बीच पहले विकेट के लिए 10.3 ओवर में 122 रन की साझेदारी की मदद से पांच विकेट पर 256 रन बनाए। वेस्टइंडीज ने कुल 20 छक्के लगाए। लुईस ने आठ जबकि होप और कीसी कार्टी ने चार-चार छक्के लगाए। कार्टी ने 22 गेंदों पर नाबाद 49 रन का योगदान दिया। आयरलैंड इसके जवाब में सात विकेट पर 194 रन ही बना पाया। उसकी तरफ से रॉस अडायर (36 गेंदों में 48 रन) और हैरी टेक्टर (25 गेंदों में 38 रन) ने दूसरे विकेट के लिए 101 रन की साझेदारी की।

महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 का पूरा शेड्यूल जारी

भारत-पाकिस्तान के बीच 05 अक्टूबर को होगा मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। महिला विश्व कप 30 सितंबर से शुरू होगा जिसमें मेजबान भारत श्रीलंका से पहला मुकाबला बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेलेगा।

आठ टीमों का यह टूर्नामेंट राउंड-रॉबिन प्रारूप का होगा जिसमें शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। बहुप्रतीक्षित फाइनल 2 नवंबर खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया अपना अभियान 1 अक्टूबर को इंदौर के होलकर क्रिकेट स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू करेगा।

भारत पाकिस्तान मैच

भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण पाकिस्तान अपने सभी मैच कोलंबो, श्रीलंका में खेलेगा जो बीसीसीआई और पीसीबी द्वारा सहमत हाइब्रिड होस्टिंग मॉडल के तहत होगा। ऐसे में भारत सहित पाकिस्तान के साथ खेलने वाली टीमें कोलंबो जाएंगी, जो एक तटस्थ स्थल है। कोलंबो में 5 अक्टूबर को भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप स्टेज का सबसे प्रतीक्षित मुकाबला 5 अक्टूबर को खेला जाएगा।

टूर्नामेंट दो देशों के पांच प्रमुख स्थानों पर आयोजित किया जाएगा

भारत- बेंगलुरु, गुवाहाटी, इंदौर, विशाखापत्तनम

श्रीलंका-कोलंबो

बेंगलुरु और कोलंबो को फाइनल के लिए संभावित मेजबान के रूप में भी चुना गया है।

(सभी मैच दोपहर 3 बजे)

मंगलवार, 30 सितंबर - भारत बनाम श्रीलंका - बेंगलुरु

बुधवार, 1 अक्टूबर - ऑस्ट्रेलिया बनाम न्यूजीलैंड - इंदौर

गुरुवार, 2 अक्टूबर - बांग्लादेश बनाम पाकिस्तान - कोलंबो

शुक्रवार, 3 अक्टूबर - इंग्लैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका - बेंगलुरु

शनिवार, 4 अक्टूबर - ऑस्ट्रेलिया बनाम श्रीलंका - कोलंबो

रविवार, 5 अक्टूबर - भारत बनाम पाकिस्तान - कोलंबो

सोमवार, 6 अक्टूबर - न्यूजीलैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका - इंदौर

मंगलवार, 7 अक्टूबर - इंग्लैंड बनाम बांग्लादेश - गुवाहाटी

बुधवार, 8 अक्टूबर - ऑस्ट्रेलिया बनाम पाकिस्तान - कोलंबो

गुरुवार, 9 अक्टूबर - भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका - विजाग

शुक्रवार, 10 अक्टूबर - न्यूजीलैंड बनाम बांग्लादेश - विजाग

शनिवार, 11 अक्टूबर - इंग्लैंड बनाम श्रीलंका - गुवाहाटी

रविवार, 12 अक्टूबर - भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया - विजाग

सोमवार, 13 अक्टूबर - दक्षिण अफ्रीका बनाम बांग्लादेश - विजाग

मंगलवार, 14 अक्टूबर - न्यूजीलैंड बनाम श्रीलंका - कोलंबो

बुधवार, 15 अक्टूबर - इंग्लैंड बनाम पाकिस्तान - कोलंबो

गुरुवार, 16 अक्टूबर - ऑस्ट्रेलिया बनाम बांग्लादेश - विजाग

शुक्रवार, 17 अक्टूबर - दक्षिण अफ्रीका बनाम श्रीलंका - कोलंबो

शनिवार, 18 अक्टूबर - न्यूजीलैंड बनाम पाकिस्तान - कोलंबो

रविवार, 19 अक्टूबर- भारत बनाम इंग्लैंड - इंदौर

सोमवार, 20 अक्टूबर - श्रीलंका बनाम बांग्लादेश - कोलंबो

मंगलवार, 21 अक्टूबर - दक्षिण अफ्रीका बनाम पाकिस्तान - कोलंबो

बुधवार, 22 अक्टूबर - ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड - इंदौर

गुरुवार, 23 अक्टूबर - भारत बनाम न्यूजीलैंड - गुवाहाटी

शुक्रवार, 24 अक्टूबर - पाकिस्तान बनाम श्रीलंका - कोलंबो

शनिवार, 25 अक्टूबर - ऑस्ट्रेलिया बनाम श्रीलंका - इंदौर

रविवार, 26 अक्टूबर - इंग्लैंड बनाम न्यूजीलैंड - गुवाहाटी

रविवार, 26 अक्टूबर - भारत बनाम बांग्लादेश - बेंगलुरु

बुधवार, 29 अक्टूबर - सेमीफाइनल 1 - गुवाहाटी/कोलंबो

गुरुवार, 30 अक्टूबर - सेमीफाइनल 2 - बेंगलुरु

रविवार, 2 नवंबर - फाइनल - कोलंबो/बेंगलुरु

'प्रमुख भारतीय क्रिकेटर ने मुझे संन्यास लेने को कहा', करुण नायर के खुलासे ने मचाई सनसनी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली के रिटायरमेंट के बाद इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टेस्ट टीम में करुण नायर की 7 साल बाद वापसी हुई। भारत-इंग्लैंड के बीच पहले टेस्ट मैच से पहले करुण नायर ने सनसनीखेज खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि भारत के एक प्रमुख क्रिकेटर ने उन्हें संन्यास लेने की सलाह दी थी। 2022 के घरेलू सत्र के बाद नायर को कर्नाटक ने सभी प्रारूपों से बाहर कर दिया। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने नॉर्थम्पटनशायर के साथ काउंटी चैंपियनशिप अनुबंध से वापसी करने से पहले लगभग 14 महीने तक कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला। नायर ने खुलासा किया कि इस दौरान एक प्रमुख भारतीय क्रिकेटर ने उन्हें सलाह दी कि टी20 लीग पर ध्यान केंद्रित करने के लिए संन्यास लेने से उन्हें फाइनेंसियल सिक्योरिटी मिलेगी। नायर ने डेली मेल को दिए इंटरव्यू में बताया, मुझे अभी भी याद है कि एक प्रमुख भारतीय क्रिकेटर ने मुझे फोन करके कहा था कि तुम्हें संन्यास ले लेना चाहिए क्योंकि इन लीग में मिलने वाला पैसा मुझे सुरक्षित रखेगा। ऐसा करना आसान होता, लेकिन मुझे पता था कि पैसे की परवाह किए बिना, मैं इतनी आसानी से हार मानने के लिए खुद को कोसता। मैं फिर से भारत के लिए खेलने की कोशिश कभी नहीं छोड़ता। यह सिर्फ दो साल पहले की बात है और देखिए हम अब कहां हैं। यह पागलपन है, लेकिन अंदर से मुझे पता था कि मैं काफी बेहतर हूं।

हाल ही में कैंटरबरी में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ इंडिया ए के मैच में शानदार प्रदर्शन करने के बाद नायर ने फिर से भारतीय टेस्ट टीम की प्लेइंग 11 में जगह बनाने के लिए अपना दावा मजबूत कर लिया है।

5वां केयर्न्स कप शतरंज

फिर जीती हंपी और हरिका, सयुंक्त बढ़त बनाई

सेंट लुइस,यूएसए, एजेंसी। में चल रही दुनिया की सबसे मज़बूत महिला प्रतियोगिताओं में से एक केयर्न्स कप के चौंथे राउंड में भारत की दोनों महिला खिलाड़ी विश्व रैपिड चैम्पियन कोनेरु हम्पी और हरिका द्रोणावल्ली नें एक बार फिर से जीत दर्ज करते हुए खुद को पुनः सयुंक्त बढ़त में शामिल कर लिया है ।

हम्पी नें सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए कजक्सितान की बीबीसारा के खिलाफ सेमी स्लाव ओपनिंग में शुरुआत से दबाव बनाया और मात्र 35 चालों में अपनी जीत सुनिश्चित की । इस जीत के साथ हम्पी लाइव रैंकिंग में एक बार फिर 2550 के पार पहुँच गयी है । हरिका द्रोणावल्ली की दूसरी जीत जॉर्जिया की नंबर एक खिलाड़ी नाना दगनिडजे के खिलाफ आई और उन्होने काले मोहरो से खेलते हुए कुई पान ओपनिंग में हाथी और ऊंट के एंडगेम में 47 चालों में जीत दर्ज की ।

वहीं उक्रेन की मारिया मुजयचूक नें आखिरकार अपनी पहली जीत दर्ज की , सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए उन्होने यूएसए की यिप करिसा को पराजित किया , अन्य दो मुकाबलों में पोलैंड की अलिना कश्लिंस्कया नें जॉर्जिया की नीनों बत्स्विवली से और लगातार दो जीत से शुरुआत करने वाली यूएसए की ली एलिस नें चीन की तान ज़्होंगाई से ड्रॉ खेला ।

बड़े-बड़े क्रिकेटरों से नहीं, तमिलनाडु के अपने साथी खिलाड़ी प्रेरित हैं साई सुदर्शन

बेकेनहैम (यूके), एजेंसी। लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट से पूर्व भारत के उभरते हुए बल्लेबाज साई सुदर्शन ने बताया कि कैसे तमिलनाडु के ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर उनके लिए प्रेरणा रहे हैं जिन्होंने उन्हें आगे बढ़ने और भारतीय टीम की जर्सी पहनने के लिए प्रेरित किया। 20 जून से लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ पहला टेस्ट 23 वर्षीय सुदर्शन के टेस्ट करियर की शुरुआत कर सकता है जिन्होंने अब तक तीन वनडे और एक टी20आई में भारत का प्रतिनिधित्व किया है, जिसमें दक्षिण अफ्रीका में दो वनडे अर्धशतक शामिल हैं।

हाल ही में उन्होंने गुजरात टाइटन्स के लिए इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान सबसे अधिक रनों के लिए ऑरेंज कैप और इमर्जिंग प्लेयर का पुरस्कार जीता जिसमें उन्होंने 16 पारियों में एक शतक और छह अर्धशतकों के साथ 759 रन बनाए। सुदर्शन घरेलू क्रिकेट में सुंदर से जूनियर हैं, इस ऑलराउंडर ने 2016 में 17 साल की उम्र में अपना प्रथम श्रेणी डेब्यू किया था। सुदर्शन ने छह साल बाद 21 साल की उम्र में डेब्यू किया। आईपीएल स्टार बनने से पहले सुदर्शन ने तमिलनाडु प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन किया, जहां वह 30 पारियों में 56.65 की औसत, एक शतक और 13 अर्द्धशतक के साथ 1,303 रन बनाकर शीर्ष रन बनाने वालों में 10वें नंबर पर हैं।

2017 में एक किशोर के रूप में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले और 2021 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार ब्रिस्बेन टेस्ट के दौरान टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले सुंदर को आदर्श मानने के बारे में बात करते हुए सुदर्शन ने कहा कि 25 वर्षीय सुंदर की त्वरित प्रगति ने उनके लिए प्रेरणा और प्रेरक का काम किया। आधिकारिक वेबसाइट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में सुदर्शन ने कहा, जब मैं छोटा था, तब से ही वह मेरी प्रेरणा रहे हैं।

मैंने उनके खिलाफ कुछ मैच खेले हैं, इसलिए यह हमेशा खास होता है। ईमानदारी से कहूं तो हमने उनसे बहुत प्रेरणा ली है। मैंने एक या दो बार (सुंदर के खिलाफ) अभ्यास किया है, जिस तरह से वह आगे बढ़े और जिस तरह से उन्होंने देश के लिए खेला, वह वाकई बहुत तेज था, इसलिए मैंने इसे अपने दिमाग में रखा। उन्होंने आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया और फिर देश के लिए खेले। इसलिए चेन्नई से यह मेरे लिए एक बहुत बड़ी प्रेरणा थी। जब मैं छोटा था, तब से उन्हें जानता हूं, उनके साथ खेलता हूं, यह एक तरह से प्रेरणादायक है। इससे मुझे लगा कि मैं भी उसी तरह से चीजें करना चाहता हूं।

सुंदर भी पिछले कुछ वर्षों में युवा खिलाड़ी के विकास पर बेहद गर्व करते हैं, उनका कहना है कि उन्होंने चेन्नई में पहले से ही बहुत से बच्चों को प्रेरित किया है। सुंदर ने कहा, मैंने उन्हें टीवी पर देखा है। उनसे बहुत कुछ सीखा जा सकता है, उनके पास जो कौशल और कार्य नीति है। उन्होंने चेन्नई में बहुत से बच्चों को प्रेरित किया है और मुझे उम्मीद है कि वह दुनिया भर के बच्चों को प्रेरित करना जारी रखेंगे। उन्होंने मुझे इसके बारे में कई बार बताया है। मेरे कई दोस्तों और कोचों ने भी उनके विकास के बारे में बात की है। पिछले तीन या चार सालों में ही उनका विकास हुआ है और हर साल वे बेहतर होते जा रहे हैं।

इंडिया-इंग्लैंड: यशस्वी जायसवाल के पास इतिहास रचने का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के स्टार बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराने और वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ने के कगार पर हैं। टेस्ट क्रिकेट में 2023 में डेब्यू के बाद से ही यह युवा खिलाड़ी ने अपनी छाप छोड़ी है। उन्हें पहले से ही दुनिया के बेहतरीन युवा खिलाड़ियों में गिना जाता है। बाएं हाथ का यह बल्लेबाज रिकॉर्ड बुक में अपना नाम और दर्ज करा सकता है। उसके पास टेस्ट में सबसे तेज 2000 रन बनाने वाले भारतीय बनने का सुनहरा मौका है।

जायसवाल ने 52.88 के औसत से 1798 रन बनाए

जायसवाल ने फिलहाल 19 मैच की 36 पारियों में 52.88 के औसत से 1798 रन बनाए हैं। इसमें उनके नाम चार शतक और दस अर्द्धशतक हैं।

अगर वह अगली तीन पारियों में 2000 रन का आंकड़ा पूरा करने में सफल हो जाते हैं, तो वह टेस्ट में भारत के लिए सबसे तेज 2000 रन

बनाने के मामले में राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग को पीछे छोड़ सकते हैं। द्रविड़ और सहवाग दोनों ने 40 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। ऐसे में जायसवाल के पास इंग्लैंड में आगामी सीरीज में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने का शानदार मौका होगा।

ये है विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 का शेड्यूल

इंग्लैंड में ओपनिंग करने की चुनौती आसान नहीं

यशस्वी जायसवाल के लिए इंग्लैंड की परिस्थितियों में ओपनिंग करने की चुनौती आसान नहीं होगी। दौरे की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। इंग्लैंड लायंस के खिलाफ अभ्यास मैच में चार पारियों में उन्होंने सिर्फ एक अर्धशतक बनाया।

जायसवाल के साथ केएल राहुल पारी की शुरुआत कर सकते हैं, जिन्होंने दौरे की शुरुआत इंग्लैंड लायंस के खिलाफ शतक के साथ की थी और इंट्रा-स्काड मैच में भी अर्धशतक बनाया था।

विदेशी में जायसवाल का प्रदर्शन अच्छा

विदेशी में जायसवाल का प्रदर्शन अच्छा रहा है। वह बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में 10 पारियों में 43.44 की औसत से 1 शतक और 2 अर्द्धशतक की मदद से 391 रन बनाकर दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। भारतीय टीम उम्मीद करेगी कि वह अपना फॉर्म जारी रखें और इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन करें।

न्यूज बाइट्स

घर से 10 लाख की संपत्ति हुई चोरी

रफीगंज (औरंगाबाद) (नि. सं.)। रफीगंज प्रखंड अंतर्गत मखदुमपुर गांव में अज्ञात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए 10 लाख रुपये मूल्य की संपत्ति की चोरी कर ली। यह वारदात बीते 12 जून की रात की है, जब घर के सभी सदस्य निचले तले पर सोए हुए थे। सुबह उठने के बाद जब पीड़ित ने ऊपरी मंजिल पर जाकर देखा तो गोदरेज खुला पाया गया, जिसमें रखे नकद राशि और कीमती जेवरात गायब थे। घटना की जानकारी देते हुए पीड़ित रंजीत कुमार स्नेही उर्फ पिंटू साव ने बताया कि चोरों ने गोदरेज से 15 हजार रुपये नकद के साथ-साथ सोने की नथिया, चेन, टीका, बाला, दो अंगूठी, लॉकेट आदि समेत करीब 10 लाख रुपये मूल्य के आभूषण चुरा लिए। पीड़ित ने रफीगंज थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। पिंटू साव ने बताया कि घटना की जांच के दौरान उनके मकान के बगल में लगे एक सीसीटीवी कैमरे में फुटेज देखा गया, जिसमें एक व्यक्ति की गतिविधियां संदिग्ध रूप से नजर आई हैं। उन्होंने आशंका जताई है कि यह चोरी मखदुमपुर गांव के ही किसी व्यक्ति द्वारा की गई है, जो उनके घर की गतिविधियों से भलीभांति परिचित था।

अज्ञात महिला का शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

हसपुरा (औरंगाबाद) (नि. सं.)। हसपुरा थाना की पुलिस ने सोमवार को थाना क्षेत्र के दिलावरपुर गांव के बधार से एक अज्ञात महिला का क्षत विक्षिप्त शव बरामद किया है। महिला की उम्र लगभग 40 वर्ष होगी । पुलिस इसकी शिनाख्त के लिए छानबीन कर रही है, लेकिन समाचार लिखे जाने तक महिला की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल औरंगाबाद भेज दिया है। हसपुरा थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने बताया कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। ग्रामीणों की माने तो शव देखने से पता चल रहा है कि उक्त महिला की किन्ही अन्य जगह पर हत्या कर शव को इस जगह फेंक दिया गया है।

अष्टभुजी महोत्सव पिपरा को मिलेगा सरकारी मान्यता

बारूण (औरंगाबाद) (नि. सं.)। पिपरा गांव में हर वर्ष पारंपरिक रूप से आयोजित होने वाला प्रसिद्ध अष्टभुजी महोत्सव अब जल्द ही सरकार के सांस्कृतिक कैलेंडर में अपनी जगह बना सकता है। इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आज प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) ने इस महोत्सव को सरकार के वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम सूची में शामिल करने की अनुशंसा भेज दी है। जानकारी के अनुसार, अष्टभुजी महोत्सव पिपरा क्षेत्र का एक ऐतिहासिक और धार्मिक आयोजन है, जो वर्षों से स्थानीय लोगों की आस्था, संस्कृति और सामुदायिक एकता का प्रतीक रहा है।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

- हरिहरगंज सीएचसी से रेफर होकर औरंगाबाद सदर अस्पताल में हुई मौत।
- इसी वर्ष नवंबर में होनी थी मृतक की शादी, घर में थी तैयारी।
- परिवार में कोहराम, गांव में शोक की लहर।
- परिजनों ने पोस्टमार्टम से किया इनकार, शव सीधे गांव ले गए।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले के हरिहरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत कौवाखोह के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में झारखंड के पलामू जिले के रहने वाले 25 वर्षीय युवक मोहम्मद अब्दुल हुसैन की मौत हो गई। हादसा सोमवार को उस वक्त हुआ जब वह अपने होने वाले साढ़ू से मिलने के लिए बाइक से जा रहे थे। रास्ते में अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत उन्हें हरिहरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां से स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें औरंगाबाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया। लेकिन दुर्भाग्यवश इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही नगर थाना की पुलिस भी सदर अस्पताल पहुंची।

बात यह नहीं बल्कि बेहद दुखद पहलू यह है कि मृतक की इसी साल नवंबर में शादी होने वाली थी। परिवार में खुशी का माहौल था, लेकिन एक हादसे ने सब कुछ तहस-नहस कर दिया। मृतक के छोटे भाई मोहम्मद अयूब हुसैन ने बताया कि अब्दुल हुसैन छतरपुर बाजार में कपड़े का कारोबार करते थे और कुछ ही दिन पहले उनका रिश्ता तय हुआ था। वे अपने होने वाले साढ़ू से मिलने निकले थे, तभी यह दुर्भाग्यपूर्ण हादसा हो गया। हादसे के बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मां-बाप और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। शादी की तैयारियों के बीच इस हादसे ने पूरे गांव को शोक में डुबो दिया है।

बताया जा रहा है कि परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया और बिना कानूनी प्रक्रिया के ही शव को लेकर अपने गांव रवाना हो गए। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और अज्ञात वाहन की पहचान करने की दिशा में जांच शुरू कर दी है।

यह हादसा एक बार फिर से सड़क सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े करता है। ग्रामीण इलाकों में बेतरतीब वाहनों की आवाजाही और तेज गति से चलने वाले वाहन अक्सर इस तरह के हादसों का कारण बनते हैं। प्रशासन से मांग की जा रही है कि क्षेत्र में सख्ती से ट्रैफिक नियमों का पालन कराया जाए और दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जाए। इस हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं और एक नई जिंदगी शुरू करने जा रहे युवक की जान ले ली। गांव और क्षेत्र में शोक की लहर है।

बाल श्रम के विरुद्ध कड़ा रुख, युवाओं के कौशल विकास पर विशेष बल

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद।

ज़िले में बाल श्रम उन्मूलन और युवाओं के समग्र विकास को लेकर प्रशासनिक स्तर पर ठोस पहल की जा रही है। जिलाधिकारी श्रीकान्त शास्त्री की अध्यक्षता में श्रम विभाग, जिला नियोजन कार्यालय और डीआरसीसी की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस महत्वपूर्ण बैठक में बाल श्रम के विरुद्ध चल रहे अभियान की समीक्षा की गई, साथ ही युवाओं के कौशल विकास को लेकर आगे की रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक में जानकारी दी गई कि अब तक जिले में 6 बाल श्रमिकों को मुक्त कराया गया है और दोषी नियोजकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की गई है। साथ ही 20,000 की राशि पुनर्वास कोष में जमा की गई है ताकि मुक्त बच्चों के भविष्य को संवारने में कोई कमी न रहे। जिलाधिकारी ने निर्देश देते हुए कहा कि बाल श्रम उन्मूलन के लिए निरंतर जन-जागरूकता अभियान चलाया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मुक्त किए गए बच्चों का पुनर्वास सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। इस दिशा में हर स्तर पर निगरानी और कार्यवाही ज़रूरी है।

बैठक में कुशल युवा कार्यक्रम (केवाईपी) की प्रगति की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि इस कार्यक्रम के तहत उत्तीर्ण युवाओं को न केवल शैक्षणिक बल्कि व्यवहारिक कौशल से भी लैस किया जाए। विशेष रूप से आईटीआई के प्रशिक्षुओं को ऑन-जॉब ट्रेनिंग से जोड़ने की योजना बनाई जा रही है, जिससे वे सीधे रोजगार के अवसरों से जुड़ सकें। डीआरसीसी के माध्यम से संचालित डॉ. अंबेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत लंबित आवेदनों के त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया गया। साथ ही 'सात निश्चय योजना' को शिविर मोड में प्रभावी ढंग से लागू करने पर ज़ोर दिया गया। इस समीक्षा बैठक में टास्क फोर्स के सदस्य सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

शॉर्ट सर्किट से कर्मा रोड स्थित दुकान में लगी आग

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

शहर के कर्मा रोड स्थित वन विभाग के सामने एक गली में रविवार की देर शाम उस समय अफरातफरी मच गई जब एक इंटीरियर डेकोरेशन की दुकान में अचानक आग लग गई। दुकान से धुआं और आग की तेज लपटें उठती देख स्थानीय लोगों ने तुरंत अग्निशमन विभाग को सूचना दी। जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि तब तक दुकान में रखा प्लाईवुड, कूलर और अन्य कीमती सामग्री जलकर पूरी तरह राख हो चुका था। अनुमानतः कुल 25 से 30 लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

घटना के समय दुकान के मालिक राजीव कुमार और उनके कुछ कर्मचारी दुकान में ही मौजूद थे। आग लगते ही उन्होंने किसी तरह से भागकर अपनी जान बचाई। राजीव कुमार ने बताया कि उन्होंने यह दुकान महज छह महीने पहले शुरू की थी। वह मकानों के इंटीरियर का काम करते थे और मौसमी मांग को देखते हुए गर्मी में कूलर की बिक्री भी कर रहे थे। राजीव ने बताया कि दुकान में बड़ी मात्रा में प्लाईवुड, कूलर, फर्निशिंग सामग्री और इलेक्ट्रिकल उपकरण रखे थे, जो देखते ही देखते आग की चपेट में आ गए। उनका कहना है कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी हो सकती है।

स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली कि फायर ब्रिगेड समय पर पहुंच गई, वरना आग आसपास की दुकानों और रिहायशी इलाकों तक फैल सकती थी। अगल-बगल स्टेशनरी, किराना और कपड़े की दुकानें थीं, जहां तक आग पहुंचती तो जानी नुकसान भी हो सकता था। अग्निशमन अभियान में अग्निशमन दल के कर्मियों सोनू कुमार, सुजीत कुमार, रामनाथ कुमार, प्रधान अग्निक सतीश कुमार, कुंदन कुमार, सूरज कुमार, भृगु शंकर रजक, रंजीत पासवान, संजय कुमार राय, चंदन कुमार और छैला कुमार ने अहम भूमिका निभाई। उनकी तत्परता के कारण आग को नियंत्रित कर लिया गया और एक बड़े हादसे को टाल दिया गया।

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर स्वीप की समीक्षा बैठक सम्पन्न, सौ प्रतिशत मतदान जागरूकता का लक्ष्य तय

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के मद्देनज़र औरंगाबाद समाहरणालय में सोमवार को स्वीप कार्यक्रम की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी श्रीकान्त शास्त्री ने की। बैठक का उद्देश्य जिले में मतदाता जागरूकता को बढ़ाना और हर वर्ग के नागरिक को मतदान के लिए प्रेरित करना था। बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि प्रत्येक प्रखंड और पंचायत स्तर पर विशेष अभियान चलाया जाए, जिससे कोई भी मतदाता छूट न जाए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की असली ताकत जनता के वोट में है और इसलिए सभी लोगों तक इसका संदेश पहुंचाना जरूरी है।

इस अभियान के तहत युवाओं, पहली बार वोट डालने वालों, महिलाओं और दिव्यांग मतदाताओं पर विशेष फोकस रहेगा। उनके लिए अलग से कार्यक्रम और सुविधा सुनिश्चित करने को कहा गया है। मतदाता जागरूकता अभियान को जन-जन तक पहुँचाने के लिए स्कूलों, कॉलेजों, पंचायत भवनों, चौपालों और सार्वजनिक स्थलों पर कई रचनात्मक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इनमें रंगोली प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, पोस्टर पेंटिंग, स्लोगन लेखन, जागरूकता रैली आदि शामिल हैं। स्वीप कार्यक्रम के तहत यह तय किया गया है कि जिले में 100 प्रतिशत मतदाता जागरूकता और अधिक से अधिक मतदान प्रतिशत सुनिश्चित किया जाए। लोगों को यह संदेश दिया जा रहा है कि आपका वोट, आपका अधिकार है, 15 मिनट का समय देकर आप 5 साल की सरकार तय करते हैं। जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों और चुनाव से जुड़े कर्मियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में मतदाता सूची की जांच, बूथ स्तर पर जागरूकता अभियान और सुगम मतदान केंद्रों की व्यवस्था को सुनिश्चित करें।

इस पहल के साथ जिला प्रशासन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि इस बार औरंगाबाद में मतदाता जागरूकता और मतदान प्रतिशत दोनों को ऊंचाई तक ले जाना है। बैठक में अन्य अधिकारी, निर्वाचन शाखा के पदाधिकारी और संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नारा बना रहा चर्चा में — बूथ तक पहुंचिए, वोट ज़रूर दीजिए! लोगों से अपील की गई है कि वे अपने मताधिकार का उपयोग कर लोकतंत्र की मजबूती में योगदान दें।

सीएचसी में रोगी कल्याण समिति की बैठक संपन्न, सुविधा सुनिश्चित करने पर जोर

निज संवाददाता | रफीगंज (औरंगाबाद)

रफीगंज के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में सोमवार को रोगी कल्याण समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी उपेंद्र दास एवं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अरविंद कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से की। इस बैठक में सीएचसी में मरीजों को दी जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, समस्याओं और भविष्य की योजनाओं पर गंभीरतापूर्वक विचार विमर्श किया गया। बैठक की शुरुआत पिछली बैठक में प्रस्तावित कार्यों की समीक्षा से हुई, जिसमें अधिकांश कार्यों के पूर्ण हो जाने पर सभी सदस्यों ने संतोष व्यक्त करते हुए कार्यों की संपुष्टि की। बैठक में खासतौर पर हर्बल गार्डन के सौंदर्यीकरण कार्य को जल्द से जल्द पूरा कराने की मांग सदस्यों ने की, ताकि परिसर का वातावरण और अधिक स्वच्छ और मनोहारी बनाया जा सके।

बैठक के दौरान प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अरविंद कुमार सिंह ने स्पष्ट किया कि मरीजों की सुविधा और स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता सर्वोपरि है। उन्होंने आश्वासन दिया कि अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज को समुचित इलाज और सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर पर स्वास्थ्य प्रबंधक नेहा सिंहा, अकाउंटेंट राजेश कुमार, समिति सदस्य सुनील कुमार दीप, मिनहाजुल इकराम फिरोज, संगीता प्रसाद, मनोज कुमार मधुकर, सुनीता देवी समेत अन्य लोग उपस्थित रहे। समिति के सभी सदस्यों ने मिलकर यह निर्णय लिया कि स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएंगे।

अर्धनग्न हालत में महिला का शव झाड़ियों से बरामद

निज संवाददाता | हसपुरा (औरंगाबाद)

पुलिस ने सोमवार दोपहर झाड़ियों से एक महिला का अर्धनग्न शव बरामद किया है। ग्रामीण दोपहर में जब खेत की ओर गए तो नीम की पेड़ के नीचे महिला का सेमी न्यूड शव देखा। इसके बाद ग्रामीणों ने आसपास के लोगों को इसकी सूचना दी, ताकि शव की पहचान हो सके। लेकिन कोई भी शव की शिनाख्त नहीं कर पाया। इसके बाद पुलिस को महिला के शव पड़े होने की जानकारी दी गई। मृतक की उम्र करीब 35 साल है। महिला का शव हसपुरा थाना क्षेत्र के दिलावरपुर से सत्यदेव नगर जाने वाले रास्ते के पास मिला। सूचना मिलते ही हसपुरा थाना की पुलिस दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंची तथा शव को अपने कब्जे में ले लिया। थाना इंचार्ज दिनेश कुमार ने बताया कि आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल भेज दिया गया है। पोस्टमॉर्टम के बाद 72 घंटे तक पहचान के लिए थाना परिसर में रखा जाएगा। शिनाख्त होने के बाद शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंपा जाएगा, अगर शिनाख्त नहीं हुई तो पुलिस उसका अंतिम संस्कार कराएगी। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने आशंका जताई कि अपराधियों ने रेप के बाद महिला की हत्या कर उसके शव को झाड़ियों में फेंक दिया है। कुछ लोगों ने ये भी आशंका जताई कि हत्या कहीं और की गई और फिर शव को यहां लाकर फेंक दिया गया। मृतका का चेहरा ठीक से पहचान में नहीं आ रहा है। आशंका जताई जा रही है कि महिला की पहचान न हो इसके लिए अपराधियों ने उसके चेहरे पर तेजाब या कोई अन्य केमिकल डाल दिया है। हालांकि पुलिस का कहना है कि शव तीन-चार दिन पुराना होने के कारण महिला के चेहरा को कीड़े खा गए। जिस स्थल से महिला का शव बरामद किया गया है, उक्त स्थल पर ही उसका साड़ी और चप्पल पड़ा हुआ था। पुलिस ने साड़ी और चप्पल को भी जब्त कर लिया है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है। महिला की तस्वीर को आसपास के थाना के अलावा सीमावर्ती जिले के विभिन्न थाना में भेजा गया है। ताकि मृतका की पहचान की जा सके।

पुलिस ने पटना कैनाल से बरामद किया महिला का शव

बारूण (औरंगाबाद) (नि.सं.)। बारुण थाना की पुलिस में थाना क्षेत्र के बरुआ पुल के नीचे पटना कैनाल से सोमवार को एक महिला शव बरामद किया है। मृतका की पहचान बारुण थाना क्षेत्र के धमनी के निवासी दुधेश्वर सिंह की पत्नी 46 वर्षीय कुंती देवी के रुप में हुई है। प्रभारी थाना अध्यक्ष सुमन कुमारी ने बताया कि ग्रामीणों के द्वारा सूचना दिया गया कि पटना कैनाल में एक शव पानी में डूबा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। प्रथम दृष्टया से ऐसा प्रतित होता है कि पानी में डूबने से मौत हुई है साथ ही शरीर के कई भाग पर चोट का निशान भी है। शव को कब्जे में लेते हुए आवश्यक कार्रवाई के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल भेजा गया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस महिला की मौत से जुड़ी सभी बिंदुओं पर छानबीन कर रही है। ग्रामीणों के बीच इस घटना को लेकर विभिन्न प्रकार के चर्चा चल रही है। हालांकि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का पता चल सकेगा।

पॉलीथिन बिक्री पर चला छापा दुकानदारों से वसूला गया जुर्माना

निज संवाददाता | नवीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर नगर पंचायत क्षेत्र में सोमवार को प्लास्टिक उपयोग के खिलाफ विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। नगर पंचायत प्रशासन और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने विभिन्न इलाकों में दुकानों पर छापा मारकर मानक से विपरीत पॉलीथिन बैग की बिक्री करते दुकानदारों से कुल 11 हजार रुपये जुर्माना वसूला। यह अभियान स्वच्छता पदाधिकारी कुमारी सान्या के नेतृत्व में नगर के बस स्टैंड, न्यू एरिया, मंगल बाजार और आसपास के क्षेत्रों में चलाया गया। इस दौरान कई दुकानों से प्रतिबंधित प्लास्टिक सामग्री बरामद की गई। छापेमारी के क्रम में रविंद्र कुमार, छोटू कुमार, अंकित कुमार, संजय कुमार समेत दर्जनों दुकानदारों से जुर्माना वसूला गया।

नगर पंचायत कार्यपालक पदाधिकारी किशोर भारती ने बताया कि प्लास्टिक पर राज्य सरकार की सख्त नीति के तहत बार-बार चेतावनी के बाद भी कुछ दुकानदार प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग कर रहे हैं। पहली बार पकड़े जाने पर जुर्माना वसूला गया है, लेकिन अगली बार उल्लंघन करने पर सीधे प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। छापेमारी टीम में स्वच्छता से जुड़े अधिकारी सुधांशु मिश्र, रौनित राज, रामाश्रय कुमार के अलावा स्थानीय थाना की पुलिस बल भी तैनात थी। इस अभियान के बाद दुकानदारों में हलचल देखी गई और कई लोगों ने प्लास्टिक का उपयोग बंद करने की बात कही।

अवैध शराब निर्माण एवं तस्करी के मामले में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

अवैध शराब के कारोबार पर लगातार नकेल कसने में जुटी औरंगाबाद पुलिस को एक और सफलता हाथ लगी है। अवैध शराब निर्माण एवं तस्करी के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे एक वांछित अभियुक्त को पुलिस ने सलैया थाना क्षेत्र के ग्राम गजराज बिगहा से गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त अवैध रूप से देसी शराब का निर्माण कर तस्करी में संलिप्त था और उसके विरुद्ध पूर्व में दर्ज कई मामले सलैया थाना में लंबित थे। पुलिस को उसके ठिकाने की गुप्त सूचना मिली, जिसके बाद एक विशेष छापेमारी दल का गठन कर ग्राम गजराज बिगहा में दबिश दी गई। मौके पर घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त को थाना लाया गया, जहां उससे पूछताछ जारी है।

जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट, सात जख्मी

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। घटना में महिला और युवती समेत सात लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। मामला मुफस्सिल थाना क्षेत्र के धनाड़ी गांव का है। सभी घायलों का इलाज औरंगाबाद सदर अस्पताल में कराया गया है। घायलों में धनाड़ी गांव के गोविंद यादव, उसकी पत्नी रीना देवी, उसका भाई महेश यादव, चचेरा भाई लक्ष्मण यादव, लक्ष्मण की पत्नी सेमफुला देवी, धनंजय यादव व संध्या कुमारी शामिल है। सदर अस्पताल में इलाज के दौरान जख्मी गोविंद ने बताया कि मेरे चार भाई हैं। चारों के बीच जमीन का बंटवारा नहीं हुआ है। मंझले भाई महेश यादव की शादी नहीं हुई है। वो मेरे साथ ही रहता है।

गोविंद ने कहा कि बड़ा भाई कामेश्वर यादव बंटवारा करने को तैयार नहीं है। उसका कहना है कि जमीन का बंटवारा महेश की मृत्यु हो जाने के बाद होगा और तीन हिस्सा लगेगा। जबकि गोविंदा का कहना है कि जमीन का चार हिस्सा लगना चाहिए। महेश अपना हिस्सा किसे देगा यह उसकी मर्जी है। इसी बंटवारे की बात को लेकर ही सोमवार को विवाद बढ़ गया और दोनों भाइयों के बीच मारपीट शुरू हो गई। मारपीट होता देख दोनों पक्ष से अन्य परिजन नहीं पहुंचे और एक-दूसरे के साथ मारपीट करने लगे। सदर अस्पताल में इलाज के लिए एडमिट घायलों ने बताया कि पहले भी जमीन बंटवारे को लेकर मारपीट हो चुकी है। थाना में प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई थी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। गोविंद और अन्य घायलों ने कामेश्वर यादव, मनन यादव, आनंद यादव, सुभाष यादव तथा उसकी पत्नी जीरा देवी पर मारपीट करने का आरोप लगाया है।

पूर्व मुखिया की हत्या मामले में सात अभियुक्त अभी भी पुलिस गिरफ्त से बाहर

ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस का प्रतिनिधिमंडल पीड़ित परिवार से मिला और की कार्रवाई की मांग

- पीड़ित परिवार को अभी तक नहीं मिली किसी प्रकार की सहायता

निज संवाददाता | ओबरा (औरंगाबाद)

जिले के ओबरा थाना क्षेत्र के खरांटी गांव के पूर्व मुखिया अजीत कुमार सिन्हा की हत्या के मामले में घटना के 6 दिन बाद भी सात नामजद अभियुक्तों की अब तक गिरफ्तारी नहीं हो सकी है और न ही पीड़ित परिवार को किसी प्रकार की सहायता राशि प्रदान की गई है। इस मामले में सर्वाधिक दुखद प्रसंग यह है कि क्षेत्र के सांसद , विधायक, विधान पार्षद , जिला पार्षद तो दूर सांसद - विधायक के हारे हुए प्रत्याशी भी अब तक सांत्वना या हिम्मत देने के लिए पीड़ित परिवार के घर पर नहीं पहुंचे हैं ।

ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कमल किशोर के नेतृत्व में ओबरा प्रखंड के खरांटी गांव स्थित पीड़ित परिवार के सदस्यों से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। प्रतिनिधिमंडल में जीकेसी के कमल किशोर के अलावा जिला महासचिव अजय कुमार वर्मा, वरीय अधिवक्ता अजय कुमार संतोष, जेपी सेनानी एवं खादी ग्रामोद्योग समिति के पूर्व अध्यक्ष पूर्व अध्यक्ष अजय कुमार श्रीवास्तव, गणेश प्रसाद, राजीव रंजन सिन्हा, राजेश सिन्हा एवं दीपक बलजोरी शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल की ओर से प्रभावित परिवार को आश्वस्त किया गया कि उन्हें न्याय दिलाने में जीकेसी हर संभव सहयोग करेगा और उनकी सहायता में कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ेगा । इस सिलसिले में जीकेसी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कमल किशोर ने दाउदनगर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी से फोन पर बात कर पीड़ित परिवार को शीघ्र न्याय दिलाने और इस मामले में अविलंब कार्रवाई करने की मांग की। इस बीच जीकेसी के प्रतिनिधिमंडल की ओर से उच्च जातियों के लिए राज्य आयोग के उपाध्यक्ष एवं जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद से दूरभाष पर बातचीत की गई । इस आलोक में श्री प्रसाद ने तुरंत औरंगाबाद के जिलाधिकारी श्रीकान्त शास्त्री से बातचीत की और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के साथ-साथ उन्हें सरकारी नियमानुसार सहायता प्रदान करने को कहा गया। जिलाधिकारी ने कहा कि इस संबंध में ओबरा के प्रखंड विकास पदाधिकारी को अविलंब कार्रवाई के लिए निर्देश दिया जा रहा है। श्री प्रसाद ने कहा कि इस मामले में कुल 10 लोग नामजद अभियुक्त हैं जिसमें तीन लोगों की गिरफ्तारी अभी तक हुई है। शेष सात लोग अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। उनकी शीघ्र गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक को अपेक्षित कदम उठाने को कहा गया है। इस दौरान मृतक के छोटे भाई इंद्रजीत कुमार सिन्हा ने आरोप लगाया कि कुछ नामजद अभियुक्तों के परिजन भ्रामक बातें फैला कर मामले को कमजोर करने की साजिश कर रहे हैं । उन्होंने कहा कि यह हत्या उनके भाई की लोकप्रियता से घबराकर की गयी और राजनीति से प्रेरित है।

गौरतलब है कि विगत 11 जून की सुबह ओबरा प्रखंड के बभनडीहा ग्राम पंचायत के पूर्व मुखिया एवं समाजसेवी अजीत कुमार सिन्हा की अपराधियों ने पीट-पीट कर हत्या कर दी थी। उनका शव गांव के ही एक व्यक्ति के घर .बरामद किया गया था। इस संबंध में मृतक श्री सिन्हा की पत्नी ने 10 नामजद अभियुक्तों के खिलाफ ओबरा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है।